जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 15 नवम्बर, 2025

विचार बिन्दु

जो नसीहत नहीं सुनता उसे लानत-मलामत सुनने का शौक है। –शेख सादी

प्री वेडिंग शूट का बढ़ता चलन समाज में उचित या अनुचित

शादी से पहले प्री वेडिंग को लेकर हमारे समाज में तरह तरह की बातें सुनने को मिल रही है। वह भी एक समय था जब विवाह के दौरान फोटो खिंचवाकर उसे एल्बम में संजो कर रखते थे। इस एल्बम का क्रेज कुछ दिनों तक रहता और बाद में कहीं रखकर इसे भुला दिया जाता। समय बदला और अब हम डिजिटल युग में प्रवेश कर चुके है। कुछ समय पहले तक हम एल्बम के साथ वीडियो बनाकर अपने पास रख लेते थे। इस वीडियो को यदा-कदा देख लेते थे। मगर अब हमारा डिजिटलीकरण हो चुका है और इसी के साथ प्री वेडिंग के नाम से एक नई प्रथा शुरू हो गई है। अब जमाना सोशल मीडिया का है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, यूट्यूब, लिंक्डइन, आदि का चलन लगभग हर घर में होने लगा है। युवा अपनी हर घटना को सोशल मीडिया पर परोसने लगा है तो प्री वेडिंग कैसे पीछे रहता। अब प्री वेडिंग भी सोशल मीडिया पर देखी जाने लगी है। प्री वेडिंग के वीडियो और फोटो देखकर सामान्य परिवारों में काफी हलचल देखने को मिल रही है। कुछ लोग इसे पसंद कर रहे है तो कुछ ना पसंद कर रहे है। यहीं से इसके समर्थन और विरोध में आवाजें बुलंद होने लगी है। कुछ सामाजिक संगठन इसे देश की संस्कृति के खिलाफ बता कर विरोध जता रहे है।

आजकल देशभर में प्री-वेडिंग शूट का एक चलन बढ़ता ही जा रहा है। पिछले कुछ सालों में प्री वेडिंग शूट शादी की फोटो एल्बम बनाने से ज्यादा ज़रुरी बन चुके हैं। प्री वेडिंग देश में एक लक्जरी इंडस्ट्री के रूप में उभर रहा है जो अपने बजट के हिसाब से किसी पार्क, रमणिक स्थल या किसी खूबसूरत स्थान पर ये शूट किए जाने लगे हैं। इसके तहत भावी दूल्हा-दुल्हन अपने परिवारजनो की सहमति से शादी से पूर्व फ़ोटोग्राफर के साथ देश के अलग-अलग स्थानों पर सैर-सपाटा करते हैं, बड़े होटलों, हेरिटेज बिल्डिंगों, समुद्री बीच व अन्य ऐसी जगहों पर जहाँ सामान्यतः पति-पत्नी शादी के बाद हनीमून मनाने जाते है, जाकर अलग-अलग और कम से कम परिधानों में एक-दूसरे की बाहो में समाते हुए वीडियो शूट करवाते है। विवाह से पहले किया जाने वाला वह फोटो/वीडियोग्राफी जिसमें होने वाले भावी दंपति अपने विवाह से पहले, एक प्रेमी जोड़े की भांति फोटो और वीडियो शूट करवाते हैं। जिसे वे मुख्य शादी वाले दिन बड़ी स्क्रीन पर एक शॉर्ट फिल्म के रूप में पेश करते हैं और सोशल मीडिया पर भी बड़े ही उत्साह के साथ पोस्ट करते हैं। इसे ही वीडियो शूट की संज्ञा दी जा रही है। इस प्रकार के आयोजन पर हजारों-लाखों का खर्चा भी किया जाने लगा है। मीडिया ख़बरों के अनुसार विवाह से पहले इस प्रकार के प्रचलन से समाज में कई प्रकार की समस्याएं उभरने लगी हैं। बहुत से परिवार इस खर्चे को सहन करने की स्थिति में नहीं होते है मगर आपसी दवाब के आगे झुक जाते है। विभिन्न रिपोर्टों में प्री-वेडिंग शूट को निजता का उल्लंघन बताते हुए इसे अनावश्यक खर्च और पारिवारिक तनाव का कारण बताया जाकर लोगों को सावचेत किया जा रहा है। समाज इसे स्टेटस सिंबल के रूप में देखता है, जो मर्यादा को कम करता है। शादी को सादगी और भारतीय परंपराओं के अनुरूप मनाना चाहिए। कुछ जागरूक संगठनों ने प्री-वेडिंग शूट जैसी कुरीतियों को रोकने का आव्हान किया है। उन्होंने कहा कि विवाह एक पवित्र बंधन है, जो दो परिवारों और आत्माओं का मिलन है न कि दिखावे का जरिया।

समिति का कहना है, सोचिए जिन लोगों को वर-वधू को जीवनसाथी के रूप में स्वीकारते हुए आशीर्वाद देना होता है, उनके सामने ही विवाह से पूर्व के अत्यधिक अंतरंग दृश्य दिखाए जाते हैं। यह दृश्य देखकर अनेक लोग असहज हो जाते हैं, पर आधुनिकता के नाम पर चुप रहते हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह सब दोनों परिवारों की सहमति से हो रहा है। कई बार यह शूट कई दिनों का होता है, जिसमें युवक-युवती साथ में यात्रा और निवास भी करते हैं। ऐसे में मन में स्वाभाविक प्रश्न उठता है - जब सब कुछ पहले ही किया जा चुका है, तो विवाह संस्कार का अर्थ क्या रह जाता है?

बताया जाता है प्री-वेडिंग शूट एक पाश्चात्य संस्कृति है। जो पिछले कुछ दशक से भारत में भी घर-घर जगह बना रही है। प्री-वेडिंग शूट की कहानी भी बड़ी अजब गजब है। कई परिवारों में तनाव का एक कारण भी इसे बताया जा रहा है। शादी के पहले ही भावी दुल्हन और दूल्हा फिल्मी अंदाज में एक-दूसरे के साथ नजर आते हैं। वे स्वयं को एक अभिनेता और अभिनेत्री की भांति दिखाने की हर संभव कोशिश करते हैं। चाहे उन्हें अर्धनग्न वस्त्र ही क्यों ना पहनने पड़े। हालांकि कुछ जोड़ों ने अपने प्री-वेडिंग शूट को नया रूप देने के लिए धार्मिकता से भी जोड़कर बनाया है। यह भी देखा जाता है कि कुछ जोड़े प्री-वेडिंग शूट के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर भी शूट करवाते हैं। ऐसे दो मामलों में उनकी जान भी जा चुकी है। अपनी शादी को यादगार बनाने और उसे कैमरे में कैद कर सार्वजनिक स्थल में परोसने की प्रवृत्ति कहीं न कहीं भारतीय समाज में पारिवारिक रिश्तों को तार-तार कर रही है। इस परंपरा को रोकना आवश्यक है ताकि विवाह के नाम पर युवक-युवती द्वारा फूहड़ प्रदर्शन का विपरीत असर सभ्य समाज पर न पड़े। कुछेक मामलों में ये उल्टा पड़ जाता है जब किसी वजह से शादी ही टूट जाए, लेकिन आज की जेनरेशन ये रिस्क लेने के लिए तैयार लगती है। भारतीय परपराओं के अनुसार प्री वेडिंग शूट गलत है। विवाह से पहले प्री वेडिंग शूट के बहाने इस प्रकार युवक-युवती का मिलना समाज के लिए कतई शोभनीय नहीं है। प्री वेडिंग शूट के बहाने एक-दूसरे के करीब आना गलत हैं जो फैशन बन रही है। इस पर सभी समाज को रोक लगाना चाहिए। शुरूआत घर से होना चाहिए।

जयपुर जैन सभा समिति ने भी लोगों को इस प्रवृति से सावचेत किया है। समिति का कहना है, सोचिए जिन लोगों को वर-वधू को जीवनसाथी के रूप में स्वीकारते हुए आशीर्वाद देना होता है, उनके सामने ही विवाह से पूर्व के अत्यधिक अंतरंग दृश्य दिखाए जाते हैं। यह दृश्य देखकर अनेक लोग असहज हो जाते हैं, पर आधुनिकता के नाम पर चुप रहते हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह सब दोनों परिवारों की सहमति से हो रहा है। कई बार यह शूट कई दिनों का होता है, जिसमें युवक-युवती साथ में यात्रा और निवास भी करते हैं। ऐसे में मन में स्वाभाविक प्रश्न उठता है – जब सब कुछ पहले ही किया जा चुका है, तो विवाह संस्कार का अर्थ क्या रह जाता है? यह प्रवृत्ति विशेष रूप से सम्पन्न घरानों से आरंभ हुई है, जो अपनी आर्थिक सामर्थ्य के प्रदर्शन हेतु परंपराओं की मर्यादा भुला बैठे हैं। दुर्भाग्यवश, इसका अनुकरण अब समाज के अन्य वर्ग भी करने लगे हैं। जैन सभा समिति का सवाल है, क्या यह वास्तव में प्रगति है या हमारी संस्कृति का पतन? क्या हम आने वाली पीढ़ियों को ऐसा ही उदाहरण देना चाहते हैं? आइए, विवेक से सोचें हमारी परंपरा, मर्यादा और संस्कृति को संभालना हमारी ही जिम्मेदारी है।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 15 नवम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 11:35 तक, विष्कुम्भ योग रविवार प्रातः 6:46 तक, बव करण दिन 1:44 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज यमघट योग रात्रि 11:35 से सूर्योदय तक है। आज उत्पन्न (वेतरागी) एकादशी व्रत, पदम प्रभु मोक्ष दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 8:11 से 9:31 तक, चर 12:11 से 1:32 तक, लाभ-अमृत 1:32 से 4:12 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:50, सूर्यास्त 5:32 तक

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों एवं आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कुंभ
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आज शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मीन
र-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

भगवान बिरसा मुंडा - जनजातीय गौरव की गाथा

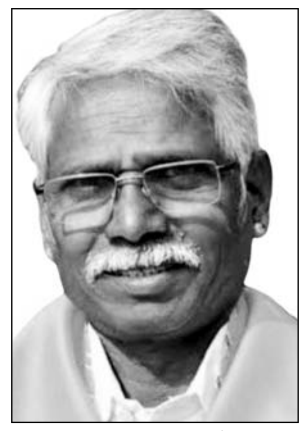

बाबूलाल खराड़ी

आज जब हम जनजातीय गौरव दिवस मना रहें हैं, तब महान आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक भगवान बिरसा मुंडा को याद करना न केवल हमारा कर्तव्य है बल्कि यह हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक भी है। 'धरती आबा' यानी धरती के पिता के नाम से प्रसिद्ध बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में राष्ट्र और जनजाति समुदाय के लिए जो कार्य किए, वे सदियों तक प्रेरणा देते रहेंगे।

भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर, 1875 को झारखंड के उलिहातू गाँव में हुआ था। उन्होंने बहुत कम उम्र में ही अपने आदिवासी समाज पर ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन और ईसाई मिशनरियों के बढ़ते प्रभाव को महसूस किया। बिरसा मुंडा का जीवन ब्रिटिश उपनिवेशवाद, साहूकारों के शोषण और जमींदारी प्रथा के क्रूर गठजोड़ के खिलाफ एक अटूट संघर्ष था। उन्होंने देखा कि किस तरह उनकी मुंडा जनजाति की खुंटकट्टी (सामुदायिक स्वामित्व) कृषि प्रणाली को छीना जा रहा है, और उन्हें बेगार (बंधुआ मजदूरी) करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। 19वीं शताब्दी के अंत तक ब्रिटिश शासन ने अपने क्रूर वन कानूनों (जैसे भारतीय वन अधिनियम 1865 और 1878) के माध्यम से आदिवासियों को उनकी पारंपरिक वन भूमि से वंचित कर दिया। उन्होंने जंगलों को व्यावसायिक लाभ के लिए आरक्षित वन घोषित कर दिया, जिससे आदिवासियों को लकड़ी काटने, मवेशी चराने, वनोत्पाद इकट्ठा करने या पारंपरिक शिकार करने से रोक दिया गया। इससे आदिवासियों की आजीविका और उनकी प्राचीन जीवनशैली पर सीधा हमला हुआ। बिरसा मुंडा ने इस शोषणकारी नीति और पर्यावरणीय विनाश के खिलाफ पुरजोर आवाज़ उठाई। उनका मानना था कि भूमि, जल और जंगल पर आदिवासियों का सामूहिक अधिकार है और इन संसाधनों का उपयोग केवल सतत और न्यायपूर्ण तरीके से ही किया जाना चाहिए न कि अनियंत्रित दोहन के लिए।

इस शोषण के विरुद्ध उन्होंने उलगुलान (महान विप्लव) आन्दोलन का आव्हान किया। यह केवल भूमि के लिए विद्रोह नहीं था, जल, जंगल और जमीन पर आदिवासियों के पैतृक अधिकार, उनकी संस्कृति और उनकी पहचान को बचाने की लड़ाई थी। बिरसा ने आदिवासियों को एकजुट किया, उनके बीच व्याप्त जाति और उपजाति के भेदों को मिटाया और उन्हें यह एहसास दिलाया कि वे भी सम्मान और अधिकारों के पात्र हैं।

उन्होंने अपने लोगों को यह सिखाया कि अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाना और अपनी गरिमा के लिए लड़ना उनका जन्मसिद्ध अधिकार है। उन्होंने आदिवासियों को उनकी पारंपरिक न्यायिक प्रणाली जैसे पड़ा पंचायत और मानकी-मुंडा व्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए प्रेरित किया ताकि वे अपने विवादों का निपटारा स्वयं कर सकें और बाहरी अदालतों पर निर्भर न रहें। उनका अबुआ राज (अपना राज) का विचार केवल ब्रिटिश शासन से राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं था बल्कि एक ऐसे समाज की कल्पना थी, जहाँ सभी को समान अधिकार मिलें, जहाँ किसी भी प्रकार का शोषण न हो और जहाँ हर व्यक्ति गरिमापूर्ण जीवन जी सके।

बिरसा मुंडा ने अपने अनुयायियों को संगठित किया, उन्हें शस्त्रों के बजाय आत्म-विश्वास और सत्यनिष्ठा का बल दिया। 1897-1900 का बिरसा आंदोलन ब्रिटिश दमनकारी नीतियों एवं सामाजिक अन्याय के खिलाफ एक प्रत्यक्ष और सशक्त चुनौती थी, जिसमें आदिवासियों ने अपने अधिकारों के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध संगठित विरोध किये। जनवरी, 1900 में डोम्बरी पहाड़ी पर जन सभा को संबोधित करते वक्त अंग्रेज सेना के साथ बिरसा मुंडा का टकराव हुआ एवं फरवरी में चक्रधरपुर के जमकोपाई जंगल से अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। बिरसा मुंडा को अंग्रेजों ने कैद कर रांची कारागार में रखा, जहाँ अंग्रेजों द्वारा इस आदिवासी महानायक को कई कठोर याजनाऐं दी गई। अन्ततः कारागार में बिरसा मुंडा जी की रहस्यमी परिस्थितियों में 9 जून, 1900 को मृत्यु हो गई।

बिरसा मुंडा केवल एक महान योद्धा ही नहीं थे अपितु एक दूरदर्शी समाज सुधारक भी थे। उन्होंने देखा कि जनजाति समुदाय में असंगठन, अशिक्षा, आर्थिक तंगी का गलत लाभ उठाते हुए ईसाई मिशनरियों द्वारा भोले-भाले आदिवासियों का धर्मान्तरण किया जा रहा है एवं आदिवासियों को उनकी गौरवशाली प्राचीन परम्पराओं से विमुख किया जा रहा है। बिरसा मुंडा ने आदिवासियों को उनके धर्म एवं परम्पराओं से जोड़ने के लिए कमर कसी एवं लगभग 1894-95 के आसपास, बिरसा ने एक आध्यात्मिक और सामाजिक-धार्मिक आंदोलन की शुरुआत की जिसे बिरसाइत पंथ के नाम से जाना जाता है। यह पंथ मूल मुंडा परंपराओं और एकेश्वरवाद का एक अनूठा संगम था, जिसमें केवल सिंगबोंगा (सूर्य देवता) की पूजा पर जोर दिया गया और जनजाति समुदाय में साफ-सफाई, शुद्धता तथा नैतिकता को जीवन का आधार माना गया। उन्होंने जनजातीय समुदाय को अंधविश्वासों, पशु बलि और नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने का उपदेश दिया। उनका यह प्रयास दिखाता है कि उन्होंने केवल बाहरी शत्रुओं से नहीं बल्कि आंतरिक बुराइयों से भी लड़ने का बीड़ा उठाया था।

बिरसा मुंडा की शहादत के वर्षों बाद भी उनका संदेश आज भी गूँजता है। उनके संघर्ष ने जनजातीय समुदायों को अधिकार और न्याय के लिए लड़ना सिखाया। उनकी प्रेरणा से ही देश में वन अधिकार अधिनियम, पेसा कानून और जनजातीय हितों की सुरक्षा के लिए कई संवैधानिक प्रावधान लागू हुए हैं।

बिरसा मुंडा हमें सिखाते हैं कि सच्चा नेतृत्व संसाधनों या उम्र से नहीं बल्कि साहस, नैतिकता और अपने लोगों के प्रति समर्पण से मापा जाता है। आज के भारत में जब हम समावेशी विकास और सामाजिक न्याय की बात करते हैं तब हमें बिरसा मुंडा के उस सपने को याद रखना होगा, जिसमे एक एक ऐसा समाज-निर्माण करने कि अभिलाषा है, जहाँ हर व्यक्ति को गरिमा और स्वाभिमान के साथ जीने का अधिकार हो और जहाँ प्रकृति का सम्मान सर्वोपरि हो। आइए, हम सब धरती आबा के दिखाए मार्ग पर चलें और उनके न्यायपूर्ण तथा समतावादी समाज के सपने को साकार करने में अपना योगदान दें।

–बाबूलाल खराड़ी,
जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री, राजस्थान सरकार

आदिवासियों के लिए बिरसा मुंडा का योगदान

दुलीचन्द मीणा

बिरसा मुण्डा का जन्म 15 नवम्बर, 1875 को ऐसे समय हुआ जब आदिवासी सरदारों का आंदोलन चल रहा था। जिन्होने अपना राज्य वापस लाने के लिए प्रार्थना, विरोध और अर्जी देने की कानूनी और संवैधानिक नीति अपनाई थी। बिरसा संभवतः नव सरदारों के शक्तिशाली गुट के थे, जो उग्र नीति में विश्वास करते थे। मुण्डा आंदोलन की पृष्ठभूमि में भूमि-स्वामित्व-अपहरण संबंधी आक्रोश के साथ-साथ वनों के संरक्षण संबंधी सरकार के आदेश से जन-जातियों के उस परम्परागत अधिकारों को आघात था जिसके चलते वे वनों से लकड़ी काटकर निःशुल्क ईंधन ले जाते थे तथा वहां अपने पशुओं को चराते थे तथा तब चाहे वह जंगल से खेती के लिए जमीन ले लिया करते थे। बड़े स्तर पर आदिवासियों का धर्मान्तरण के साथ ही 1896-97 व 1899-1900 के अकालों से उनके बीच सुलगती असन्तोष की आग विस्फोटक स्थिति में पहुंच गई। नई आबकारी नीति के कारण मुण्डाओं के बीच मद्यपान का रिवाज शुरू हुआ और मुण्डा-मजदूरों के चाय बागान तथा अन्य कारणों से बाहर जाने से उनके परम्परागत नैतिक मूल्यों और अधिकारिता पर चोट पहुंची।

बचपन में बिरसा चलकद में अपने मॉ-बाप के साथ ही रहा। बिरसा ने सलमा में जयपाल नाग की पाठशाला में आरंभिक शिक्षा प्राप्त की। बिरसा की मौसी जोनी की शादी होने पर वह बिरसा को अपने साथ ससुराल खटॉगा ले गई। यहां वह भेड़-बकरियां चराता था, लेकिन भावमग्न बिरसा अपने अध्ययन में इतना तल्लीन रहता था। बिरसा के भाई कोम्ता ने बिरसा को लुकास प्रचारक के साथ बुर्जु के जर्मन मिशन में भेज दिया जहां से बिरसा ने लोअर प्राईमरी परीक्षा दो वर्ष में पास की। जर्मन मिशन के रेवरेड पुट्सकिग बिरसा से बोले कि "हमारे यहां और पढाने की व्यवस्था नही है तुम चाईबासा जाओ, तुम पढाई मत छोड़ना तुम्हारा भविष्य बहुत उज्जवल है।" 11वें वर्ष में बिरसा चालकाड़ लौट आया। बिरसा को सन् 1886 में चाईबासा मिशन में उच्च प्राथमिक शिक्षा के लिए भर्ती करा दिया गया। यहां बिरसा 1886 से 1890 तक रहा। यह उसके व्यक्तित्व का निर्माण काल था। इस समय आदिवासी सरदारों का भूमि आंदोलन चल रहा था। इस बीच मिशनरियों से आदिवासी सरदारों का विच्छेद हो गया। मिशनरियों ने आदिवासी सरदारों को धोखेबाज एवं ठग कहना शुरू कर दिया इसलिए बिरसा ने डॉ. नोट्रोट एवं मिशनरियों की तीखी आलोचना की। बिरसा ने आवाज बुलन्द की साहब-'साहब एक टोपी है।' इस पर बिरसा को मिशन से निकाल दिया गया। अत बिरसा चाईबासा मिशन छोड़कर चलकड चला गया। बिरसा का मन बहुत अस्थिर हो रहा था। अब बिरसा सिंबोङा की सैंगेल-दा की कहानी के बारे में पता लगाने के लिए बनगाँव के जमीदार जगमोहन सिंह के यहां गया। उनके मुंशी आनंद पाण्डे यह सब जानते थे। यहां उनके प्रभाव से बिरसा ने मांस खाना छोड़ दिया, उसने यज्ञोपतीत धारण किया, शरीर पर चन्दन लगाया, तुलसी की पूजा की, रामायण, महाभारत, पुराण सब सुने, गौवध रूकवाया। इस समय आदिवासी सरदार आंदोलन जोर पकड़ रहा था। 1893-94 में गॉवों की सभी बंजर भूमि को जिस पर सरकार का स्वामित्व था सुरक्षित वन घोषित कर दिया। अन्य सरदारों की तरह बिरसा भी कुछ रैयतो को साथ लेकर चाईबासा गया और जंगल ऑफिस अर्जी दे आया था। इसका कोई फल नही निकला और बिरसा बनगाँव लौट आया। वहां आनन्द पाण्डे ने बिरसा के अर्जी देने से नाराज होकर कहा कि "तेरे लिए जगह नही है। पाण्डे के अधीन बिरसा के शिष्यत्व की अवधि 1893-94 में समाप्त हो गई।"

1894-95 में बिरसा का मसीहा के रूप में उदय हुआ। उस समय वे लोग जंगल के साग-पात से अपनी भूख मिटा रहे थे। उसी समय एक गर्भवती मुण्डा महिला की प्रसव के दौरान मौत हो गई। मुण्डा धार्मिक प्रथा के अनुसार शव को कुछ गहनों एवं धन के साथ गाड़ दिया गया। भूख की ज्वाला को शांत करने के लिए बिरसा रात के समय कब्र खोदकर वह गहने व धन को निकाल लाया तथा बीरबांकी के बाजार में बेचकर परिवार के लिए अनाज ले आया। इस घटना की खबर चारों ओर फैल गई। पूछताछ करने पर बिरसा ने अपना अपराध कबूल कर लिया। बिरसा के माता-पिता ने बिरसा का लाया हुआ खाना खाने से इंकार कर दिया। उसे धर्म बहिष्कृत कर दिया। बिरसा चिल्लाकर पेट पीटता हुआ जंगल में चला गया। मई-जून 1895 में बिरसा के हृदय में सर्वोच्च प्रभू ने प्रवेश किया। बिरसा जंगल से जब गॉव लौटा तो उसने अनेक लोगों को अपने इंतजार में खड़ा पाया। बिरसा!, "करमी के चेहरे पर अविश्वास का भाव था।" "बिरसा मत कहो, मॉ। मैं भगवान हूँ। मैं ही भगवान हूँ। मैं सबके लिए जंगल-पहाड़, धरती सब जीतकर ला दूंगा।" उसने स्वयं को धरती आबा (धरती का पिता) घोषित किया। अब आस-पास के क्षेत्रों में बिरसा का व्यक्तित्व रोगों को दूर करने वाले, उपदेशक के रूप में, चमत्कार दिखाने वाले और पैगम्बर के रूप में निकलकर सामने आया।

अगस्त-नवम्बर 1895 में बिरसा का राजनीतिक आंदोलन शुरू हुआ। वह बिरसा-राज एवं बिरसा-धर्म स्थापित करना चाहता था। सभी सरदार बिरसा आंदोलन के साथ जुड़ते चले गये। बिरसा के अनुयायियों की संख्या लगातार बढ रही थी तथा चारों ओर बिरसा लोकप्रिय हो रहा था। विभिन्न थानों एवं ईसाई मिशनरियों ने सरकार को विभिन्न तरीके से बिरसा के कार्यकलापों की रिपोर्ट सौंपी। अन्ततः अगस्त 1895 में बिरसा को गिरफ्तार कर लिया और रांची ले जाया गया।

रांची के कमिश्नर ने बिरसा से जेल में मुलाकात की। बिरसा ने उससे कहा कि वह केवल धार्मिक विषयों पर लोगों में भाषण करता था। बिरसा पर मुकदमा चलाने का स्थान रांची से खूंटी ले जाया गया, जो कि मुण्डा क्षेत्र का गढ था ऐसा इसलिए किया गया कि बिरसा के दावों से धोखे में रहने वाले लोग मुकदमा खुद देख सकें तथा उसके दावों की व्यर्थता समझ सकें। अंत में डिप्टी कमिश्नर ने अपना फैसला सुनाया कि, "बिरसा भड़काने वाला हैं, आंदोलन का प्रवर्तक हैं, उसने मुण्डाओ के मन में अंग्रेज सरकार के प्रति अश्रद्धा पैदा की हैं। अतः बिरसा को दो वर्ष की सजा सुनाई गई।"

जब बिरसा जेल में थे तो 1896-97 में कोढ़ के रोग की तरह अकाल फैला। मुण्डा क्षेत्र में सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक भुखमरी से 40 मौते हुई। ईसाई मिशनरियों ने सार्वजनिक भोज के प्रबंध किये लेकिन जमींदारों एवं सूदखोर महाजनों ने हृदयहीनता दिखाई। इन हालातो में आशा की एक मात्र किरण बिरसा का आंदोलन ही था। 30 नवम्बर,1897 को बिरसा को जेल से रिहा किया गया। रांची के डिप्टी कमिश्नर नें बिरसा से वायदा लिया कि वह रिहा होने के बाद कोई उपद्रव नहीं करेगा। जेल से रिहा होने के कुछ दिनों बाद बिरसा के अनुयायी उससे मिले और पुनः आंदोलन करने के लिए अनुनय किया। इस प्रकार धार्मिक एवं राजनैतिक आंदोलन की पुनः शुरुआत हुई। इस क्रम में पैतृक स्थानों जैसे चुटिया, नवरतन, जगन्नाथपुरी आदि की यात्रा की गई तथा गुप्त बैठकों का आयोजन किया गया जिनमें विद्रोह की रणनीति बनाई जाती थी। डोम्बारी पहाड़ी पर बैठक में बिरसा नें एक लाल झंडा और एक सफेद झंडा लिया। सफेद झंडा मुण्डाओ का प्रतीक था और लाल झंडा दिकुओं द्वारा मुण्डाओ और आदिवासियों के शोषण का प्रतीक था। बिरसा ने लाल झण्डे पर प्रहार किया और बिरसा ने घोषणा की कि "दिकुओं से कसकर लड़ाई होने वाली है, उन लोगों के खून से जमीन इस लाल झण्डे की तरह लाल हो जाएगी।" अपना धर्म एंव राज्य वापस लेने के लिए बिरसा का विद्रोह निर्बाध रूप से उग्रतापूर्ण था। बिरसा ने उलगुलान शुरू करने के लिए बड़े दिन के पूर्व का दिन यानी 24 दिसम्बर, 1899 निर्धारित किया गया। उलगुलान के दो खण्ड निश्चित किये गये। पहले में आग जलाकर, तीर छोड़कर कर क्रिस्तानों को डराने का कार्यक्रम था तथा दूसरे चरण में सशस्त्र संग्राम शुरु करना था।

खूटी थाना क्षेत्र में 24 तारीख की ही शाम को अनेक गिरीजाघरों पर तीर चलाये गये। रांची में छेदी मिस्त्री नामक व्यक्ति की तीर लगने से मृत्यु हो गई तथा अनेक लोगों को चोटें आई। सिंहभूमि क्षेत्र में आगजनी की ज्यादा घटनायें हुई। 24 दिसम्बर, 1899 की घटनाओं की लहर दूर-दूर तक फैल गयी इसके बाद मुंडाओं ने गिरिजाघरों व ईसाईयों पर हमले बंद कर दिए और आंदोलन पूरी तरह राजनीतिक हो गया। 5 जनवरी को ऐटकेडीह में बिरसा के अनुयायी गया मुण्डा को गिरफ्तार करने आये पुलिस दल के दो सिपाहियों की मुण्डा विद्रोहियों ने तलवार से काट कर हत्या कर दी। दूसरे ही दिन रांची के डिप्टी कमिश्नर स्ट्रीटफील्ड स्वयं ऐटकेडीह पहुंचे और गया मुण्डा को एक भारी विरोध के बाद गिरफ्तार कर लिया। इस विरोध में गया मुण्डा के परिवार की महिलाओं ने वीरता का परिचय दिया।

उसी रात बोरतोडीह में विद्रोहियों की बैठक हुई और यह तय किया कि मुण्डा क्षेत्र के केन्द्र में खूंटी थाना सरकारी आधिपत्य का प्रतीक है, इसलिए उन्होने जोर से आवाज दी कि "खूटी में रहर की फसल पक गई है, आओ इसे काटें।" दूसरे ही दिन खूंटी थाने पर हमला कर दिया जहां एक सिपाही को मार डाला तथा थाने में आग लगा दी, लेकिन थाने में जो रूपया था उसे उन्होने छुआ तक नही। खूटी पर हमला विद्रोहियों की अधिकारियों के साथ सीधी बड़ी टक्कर थी। इस घटना के बाद रांची में आतंक फैल गया। रांची, सिंहभूम के एस.पी., कमिश्नर, पादरी, आमजनता सबमें दहशत का माहौल था। अब पुलिस एवं फौज सब विद्रोहियों को गिरफ्तार करने में जुट गये।

ब्रिटिश अधिकारियों को खबर मिली कि सईल रकब पहाडी पर 9 जनवरी को विद्रोही मुण्डाओं की बड़ी बैठक होने जा रही है। 25 दिसम्बर 1899 से ही विद्रोही बडी संख्या में सईल रकब पहुंचने लगे थे वे वहां सपरिवार आये थे तथा सईल रकब को एक अभेद्ध दुर्ग मानते थे। इस पहाडी को पुलिस व सेना ने घेर लिया इस कार्यवाही में स्वयं कमिश्नर साथ थे। रांची के डिप्टी कमिश्नर स्ट्रीटफील्ड ने विद्रोहियों से बिरसा को सौपने एवं आत्म समर्पण करने को कहा। लेकिन उठा मुण्डाओं मे से नरसिंह मुण्डा ने अंग्रेजी सेना को ललकारते हुए कह कि "अब राज हम लोगो का है अंग्रेजों का नहीं, मुण्डा आखिरी बूंद तक लड़ने को तैयार है।" अन्ततः विद्रोही व सेना में आमने-सामने की कार्यवाही हुई। पहाडी से विद्रोही गुलेलो एवं पत्थरो की वर्षा कर रहे थे। पुलिस गोलीबारी कर रही थी। विद्रोहियों में महिला व पुरूष दोनों ही थे। अनेक बिरसा विद्रोही गोलीबारी में मारे गये।

पहाड़ी पर बिखरे पड़े शव नरसंहार की कहानी बया कर रहे थे, पुलिस ने पहाड़ी पर बिखरी पड़ी लाशों को दो बडी खाईयों में गाड दिया। 'द स्टेटमैन' अखबार के मुताबिक इसमें कम से कम 400 मुण्डा मारे गये। मुण्डाओं के वकील वैरिस्टर जैकब ने मृतको की संख्या के इस अनुमान को सही माना। रातोंरात वह पहाड़ी गोलीकाण्ड की पहाड़ी के नाम से जानी जाने लगी।

इस घटना का मुण्डा लोकगीतों में बड़े मार्मिक ढंग से चर्चा की गई है, सात नदियां विद्रोहियों के गरम-गरम खून से उबल पड़ी, ऊपर से धुंआधार गोलियां मौत उगल रही थी, सईल रकब की घटना के बाद रांची एवं सिंहभूम जिले में विद्रोहियों की धर-पकड़ शुरू की गई। बिरसा को गिरफ्तार करने के लिए पांच सौ रूपये का पुरस्कार घोषित किया गया तथा अन्य सरदारों की गिरफ्तारी के लिए इनाम घोषित किया गया। विद्रोह को कुचलने के लिए दंगा प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस व सेना का अतिरिक्त जाब्ता तैनात कर दिया गया। बिरसा आंदोलन को कुचल डालने के लिए भयानक आतंक बरपा दिया गया। उनके साथ धोखाधड़ी और जालसाजी की गई, सताया गया, बुरी तरह पीटा गया, उनसे प्रश्न पूछे गये, उनकी सम्पत्ति लूट ली गई तथा बहिन-बहुओं का शील हरण किया गया। मुण्डाओं के दमन के लिए सारे हथकण्डे अपनाये गये। सरकारी की इस दमनकारी नीति के परिणाम स्वरूप प्रमुख मुण्डा सरदार डोंका एवं माझिया ने अपने साथियों के साथ आत्मसमर्पण किया। अनेक मुण्डाओ को बिरसा समर्थको को गिरफ्तार कराने के लिए इनाम दी गई। बिरसा को पकड़वाने के लिए मानमारू और जरीकेल के सात आदमी पांच सौ रूपये के लोभ मे पड गये उन्होनें सेंतरा के जंगल में बिरसा को रात को धोखे से सोते हुए पकड लिया और बंदगाँव में कैम्प डाले डिप्टी कमिश्नर को सुपुर्द कर दिया। उन्हें पांच सौ रूपये का इनाम दिया गया। पुलिस ने विद्रोह की आशंका को देखते हुए बिरसा को खूटी के रास्ते रांची पहुंचा दिया गया। जेल में बिरसा ने कई बार ऐसे उद्गरण एवं मसीही भाषा में प्रलाप किया जो उसके मानसिक व्यथा और बिगडते स्वास्थ्य के धोतक थे। बिरसा की जेल में तबियत खराब हो रही थी अन्ततः 9 जून को प्रातः 9 बजे उनकी मृत्यु हो गई। बिरसा के शव परीक्षण में मृत्यु का कारण एशियाटिक हैजे को बताया गया। बिरसा मुंडा की मृत्यु के कारणों पर ओर अधिक अनुसंधान की जरूरत हैं। यद्यपि मुण्डा विद्रोही मुण्डा राज स्थापित करने में सफल नही हो पाये लेकिन 1903 के काश्तकारी संशोधन अधिनियम के द्वारा प्रथम बार मुण्डा खुंटकट्टी व्यवस्था को कानूनी मान्यता दी गई।

1908 में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम आया जिसके अधीन मुण्डाओं को भूमि समस्या के संबंध में जो विशेष अधिकार मिले उतने भारतीय खेतीहरों के किसी भी वर्ग को कभी भी नहीं मिलें थे। आदिवासीयों एवं प्रशासन को एक साथ लाने के लिए प्रशासनिक सुधार करते हुए 1905 में खूंटी तथा 1908 में गुमला को अनुमण्डल बनाया गया। बिरसा-धर्म मसीहावाद पर आधारित था जिसका प्रभाव उरांव जनजाति के ताना भगत आंदोलन, गोविंदगिरी के भील आंदोलन, 1930-31 के हरिबाबा आंदोलन एवं महात्मा गांधी द्वारा किये गये आंदोलन पर पडा। आदिवासी महासभा द्वारा 1938 में बिरसा को आदिवासी जागरण के प्रतीक के रुप में स्वीकार किया। इस प्रकार बिरसा ने न केवल आदिवासीयों के मसीहा बल्कि राष्ट्रीय आंदोलन के नायक के रूप में दिकुओं से लड़ाई लडी और शहीद हुए।

–दुलीचन्द मीणा,
आर.ए.एस

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Freedom In 1947 Set The Tone Of India... One of the major legal implications of the Durand line Agreement of 1893 is that the delimitation of territories which created a de-facto frontier (not boundary) between Afghanistan and India

It Matters

Can't You Sleep! Not All Insomnia Is the Same, In Fact, There May Be 5 Types

कांग्रेस अभी भी स्वीकार करने को तैयार नहीं है कि बिहार में वो जायज तरीके से हारी है

कांग्रेस का मानना है कि ''द मैन ऑफ द मैच'' चुनाव आयुक्त हैं, जिन्होंने आँखें बंद करके रखीं, जब भाजपा ने सभी स्थापित तौर तरीकों का उल्लंघन कराया, चुनाव अभियान के दौरान

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। बिहार चुनाव में भाजपा और जद यू को भारी जीत मिली है, जबकि राजद को भारी हार का सामना करना पड़ा है।

एन.डी.ए. ने 200 का आंकड़ा पार कर लिया, जो कई लोगों के लिए चौंकाने वाला है, क्योंकि ज़मीनी हालात इतनी बड़ी जीत का संकेत नहीं दे रहे थे।

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि ''मैन ऑफ द मैच'' चुनाव आयुक्त रहे, जिन्होंने आँखें बंद कर लीं और सोते रहे, जबकि भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान सभी नियमों और मानकों का खुलकर उल्लंघन किया।

प्रशांत किशोर को भी बड़ा झटका लगा और उनका प्रदर्शन बिल्कुल शून्य रहा, जिससे वे चुनावी मुकाबले से बाहर हो गए।

- **कांग्रेस के आरोपों के अनुसार, पैंसठ लाख मतदाताओं का वोटर लिस्ट से नाम काटा गया था तथा देश भर से मतदाता भेजे गये थे, भाजपा के पक्ष में वोट करने के लिए।**
- **कांग्रेस का यह भी आरोप है कि बिहार के माइग्रेंट वोटर को मतदान के लिए लाने की पूर्ण व्यवस्था की गई, फूलमाला व स्वागत गेट बनाकर।**
- **कांग्रेस की यह भी शिकायत है कि दस हजार रूपए एक करोड़ महिला मतदाताओं को बांटे गए, पर, चुनाव आयोग चुप रहा।**
- **कांग्रेस के अनुसार, भाजपा व चुनाव आयोग के बीच ''गठबंधन'' है और इसीलिए प्र.मंत्री मोदी ने नारा दिया है, ''गंगा बिहार से बंगाल बहती है'' और अब बंगाल के चुनाव में भी यह संबंध उपयोग में लाए जाएंगे।**

महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव चुनाव जीत गए, लेकिन दिन के कुछ समय तक वे पीछे चल रहे थे।

सबसे बड़ा झटका राहुल गांधी को लगा, जिनकी कांग्रेस पार्टी 61 में से सिर्फ 5 सीटें जीत सकी। भाजपा नेताओं ने उनके नेतृत्व की कड़ी आलोचना की, और कांग्रेस के भीतर भी उनके कामकाज और पार्टी चलाने के तरीके पर तीखी आलोचना बढ़ रही है।

राहुल और प्रियंका दोनों देश से बाहर हैं, और कांग्रेस नेतृत्व की ओर से इस भारी हार पर कोई ठोस बयान सामने नहीं आया है।

वाम दल (लेफ्ट पार्टियाँ), जिन्हें अच्छे नतीजों की उम्मीद थी, वे भी पूरी तरह निराश हैं और राजनीतिक तस्वीर से लगभग बाहर हो गये हैं।

कांग्रेस पुनः पुरजोर ढंग से कह रही है कि असली कहानी भाजपा नेतृत्व के चुनावी प्रबंधन और चालों की है, जिसने इस जीत को संभव बनाया, और भाजपा के अंदर के कई नेता और कार्यकर्ता भी इससे चकित रह गए हैं।

कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि 65 लाख से ज़्यादा मतदाताओं के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुधांश पंत सोमवार को श्रीनिवास को मुख्य सचिव का कार्यभार सौंपेंगे

सुधांश पंत

वी. श्रीनिवास

जयपुर, 14 नवंबर। वर्ष 1989 बैच के वरिष्ठ आईएएस वी. श्रीनिवास राजस्थान के नये मुख्य सचिव का कार्यभार सोमवार को वर्तमान मुख्य सचिव सुधांश पंत से ग्रहण करेंगे। सुधांश पंत दिल्ली में कैबीनेट सैक्रेटेरियट में ओएसडी बनाये गये हैं तथा वे मंगलवार को अपना काम संभालेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक बार फिर नीतीश भाजपा को उनकी पार्टी का मु.मंत्री बनाने का आग्रह करेंगे

भाजपा यह प्रस्ताव स्वीकार ना करके मुख्यमंत्री बनायेगी नीतीश को

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 नवंबर। भाजपा ने बिहार की राजनीति में पहली बार वह बाधा पार कर ली है, जो अब तक उसके लिए मुश्किल रही थी। अब पार्टी के पास ऐसा जनादेश है कि वह नीतीश कुमार की जेडीयू के सहारे के बिना भी राज्य पर शासन कर सकती है।

बिहार के मुख्यमंत्री और जेडीयू नेता नीतीश कुमार ने अपनी पार्टी की सीटें लगभग दोगुनी कर युद्ध तो जीत लिया है, लेकिन इस चुनाव में वे, भाजपा से राजनीतिक लड़ाई हार गए हैं।

एनडीए ने 200 से अधिक सीटों की प्रचंड जीत हासिल की है, जबकि विपक्षी महागठबंधन 40 से भी कम सीटों पर सिमट गया। 243 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा 90 से अधिक सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। छोटे-छोटे मित्र दलों, चिराग पासवान की एलजेपी (आरवी), जीतन राम मांझी की एचएएम, उपेन्द्र कुशवाहा की आरएलएम और कुछ निर्दलीयों सहित, भाजपा अब 122 के बहुमत के आंकड़े के बिल्कुल करीब है।

- **यह प्रक्रिया केवल मीठी औपचारिकता ही नहीं है, इसमें यह सत्य भी छुपा है कि केन्द्र में एनडीए सरकार चलाने के लिए नीतीश के सांसद अनिवार्य हैं।**
- **अतः भाजपा कभी भी नीतीश को बिहार का मुख्यमंत्री न बनाने का रिस्क नहीं ले सकती।**

सूत्रों का कहना है कि नीतीश कुमार 2020 की तरह इस बार भी भाजपा से आग्रह कर सकते हैं कि वह अपना मुख्यमंत्री चुने। लेकिन संभावना यह है कि भाजपा नीतीश के मुख्यमंत्री बने रहने पर जोर देगी, क्योंकि केन्द्र में भाजपा को अभी भी जेडीयू के समर्थन की ज़रूरत है। इसलिए लगता है कि नीतीश कुमार ही 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

उत्तर प्रदेश के विपरीत, भाजपा अब तक बिहार में अकेले अपने दम पर सत्ता में नहीं आ सकी थी। लेकिन आज के नतीजों के बाद, भगवा पार्टी को शासन की कुंजी अपने हाथों में मिलती दिख रही है। हालांकि जेडीयू की सीटें बढ़ी हैं, लेकिन नीतीश कुमार की गिरती सेहत और पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं, जैसे संजय झा और लल्लन सिंह का भाजपा के क़रीब जाना जेडीयू को कमजोरी की ओर ले जा रहा है। फिर भी उनकी पार्टी और एन.डी.ए. की भारी जीत ने नीतीश को यह मौका दिया है कि वे अपने राजनीतिक करियर का समापन गरिमा और सम्मान के साथ कर लें। देखना यह है कि वे अभी मुख्यमंत्री पद छोड़ने का निर्णय लेते हैं, या आगे चलकर। जेडीयू के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ''यह फैसला केवल नीतीश ही ले सकते हैं।''

महागठबंधन के दलों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। लेकिन असली संकट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारी ''सैटबैक'' के बावजूद आरजेडी को भाजपा व जद (यू) से ज्यादा वोट मिले

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। तेजस्वी यादव की अगुवाई वाली राजद को अब तक अपने प्रतिद्वंद्वियों, भाजपा और नीतीश कुमार की जद यू से ज़्यादा वोट मिले हैं।

बिहार में सत्ता पर क़ाबिज़ नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) दोबारा सरकार बनाता हुआ दिख रहा है, वहीं, विपक्ष की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद), जिसे 2010 के बाद से अपना सबसे बड़ा झटका झेलना पड़ सकता है, इस बात से थोड़ी राहत में है कि उसे सबसे ज़्यादा वोट शेयर मिला है। वोटों की गिनती शुरू होने के छह घंटे बाद तक, तेजस्वी यादव की पार्टी को भाजपा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जेडीयू से ज़्यादा वोट मिले हैं।

राजद, जिसने 243 सदस्यीय विधानसभा की 143 सीटों पर चुनाव लड़ा था, को अब तक 22.84 प्रतिशत वोट मिले हैं, जो भाजपा से 1.86 प्रतिशत और जद यू से 3.97 प्रतिशत ज़्यादा है।

2020 के विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरने वाली राजद इस बार सिर्फ 27 सीटों पर आगे चल रही है। यह प्रदर्शन राजद का 2010 के बाद दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन माना जा रहा है, जब पार्टी को सिर्फ 22 सीटें मिली थीं।

- **आरजेडी ने 143 सीटों पर चुनाव लड़ा था तथा उसका ''वोट शेयर'' 22.84 प्रतिशत रहा, जो भाजपा के ''वोट शेयर'' से 1.86 प्रतिशत ज्यादा है तथा जद (यू) के वोट शेयर से 3.97 प्रतिशत अधिक है।**

विपक्षी महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद का चेहरा, तेजस्वी यादव अपनी राघोपुर सीट पर जीत गए हैं, लेकिन, दिन में काफी समय तक पीछे चल रहे थे। एक बार तो वे भाजपा के सतीश कुमार से 2,288 वोटों से पीछे थे।

महागठबंधन में राजद के साथी दल भी काफी पीछे हैं। कांग्रेस 4 सीटों पर आगे है, सीपीआईएम (एल) 4 पर और सीपीआई 1 सीट पर आगे है।

वहीं दूसरी तरफ, एनडीए 201 सीटों पर आगे है। भाजपा 91 सीटों पर, जेडीयू 81 पर, केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) 21 पर, केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा 5 पर, और राज्यसभा सांसद उपेन्द्र कुशवाहा का राष्ट्रीय लोक मोर्चा 4 सीटों पर आगे हैं।

प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) उन सभी सीटों पर पीछे हैं, जहां उन्होंने चुनाव लड़ा है।

बिहार में मतदान दो चरणों में हुआ था, 6 नवंबर और 11 नवंबर को, और इस बार 66 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जो 1951 के बाद राज्य में सबसे अधिक है।

पुरुष मतदाताओं ने 62.8 प्रतिशत और महिला मतदाताओं ने 71.6 प्रतिशत मतदान किया।

राज्य सरकार 15 अप्रेल तक पंचायत व निकाय चुनाव कराए

जयपुर, 14 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि वह प्रदेश की पंचायतों और नगर निकायों के चुनाव 15 अप्रैल तक कराए। इसके लिए अदालत ने 31 दिसंबर तक परिसीमन की प्रक्रिया पूरी करने को कहा है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने

- **राजस्थान हाई कोर्ट की खंडपीठ ने निर्देश देते हुए परिसीमन की प्रक्रिया 31 दिसम्बर तक पूरी करने को कहा।**

यह आदेश पूर्व विधायक संयम लोढ़ा की याचिका सहित, जयपुर और जोधपुर में दायर कुल 439 याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए दिए। अदालत ने गत 12 अगस्त को सभी पक्षों को सुनने के बाद इन याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश, भाजपा कॉम्बिनेशन इतना अनबीटेबल क्यों है

भाजपा की संगठनात्मक क्षमता, सशक्त बूथ सैटअप व राष्ट्रीय चुनाव अभियान ने नीतीश की विश्वसनीयता व अनुभव को पोषित किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 नवंबर। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्वयं को एक स्थिर और भरोसेमंद प्रशासक के रूप में पेश करके वर्षों की सरकार-विरोधी लहर (एंटी-इनकंबेंसी) पर काबू पा लिया है। उनकी निरंतरता, मजबूत नेतृत्व और स्थिर कामकाज के वादे ने मतदाताओं की थकान को कम करने और प्रमुख क्षेत्रों में विश्वास जगाने में मदद की है।

भाजपा के साथ उनका समय पर किया गया गठबंधन बेहद अहम साबित हुआ। जिसने उनकी जदयू की क्षेत्रीय ताकत को भाजपा के बड़े संगठनात्मक ढांचे से जोड़ दिया। इसने अलग-अलग जातियों में समर्थन बढ़ाया और उन मतदाताओं को भरोसा दिया, जो एकजुट और स्थिर राजनीतिक विकल्प चाहते थे।

- **नीतीश की ईबीसी, कुर्मी, महादलित व गैर यादव ओबीसी पर पकड़ ने एक व्यापक व नया समीकरण प्रस्तुत किया, जिसने दोनों पार्टियों को कई सोशल ग्रुप्स में प्रवेश दिलाया तथा लालू का चिरपरिचित ''एम वाय'' फॉर्मूला महागठबंधन को व्यापक समर्थन नहीं दिला पाया।**

74 साल की उम्र में, नीतीश कुमार ने अपने बारे में उठे संदेहों को गलत साबित किया। उन्होंने पूरी ऊर्जा और फोकस के साथ चुनाव प्रचार किया। जनता के बीच लगातार संपर्क और संवाद ने मतदाताओं को भरोसा दिलाया कि वे एक और कार्यकाल संभालने और प्रभावी नेतृत्व देने में पूरी तरह सक्षम हैं।

महिलाओं के लिए खास योजनाओं और स्वयं-सहायता समूहों के लिए शैक्षिक सहायता जैसी पहल से महिला वोटरों में उनकी पकड़ और मजबूत हो गई। सुरक्षा और कल्याण योजनाओं के उनके रिकॉर्ड ने एक मजबूत महिला समर्थन आधार तैयार किया, जिसने उनके कुल वोटों में बड़ी बढ़ोतरी की।

सड़क, बिजली, कल्याणकारी योजनाओं और कानून-व्यवस्था पर उनका ज़ोर पूरे प्रदेश में पसंद किया गया। रोज़मर्रा के जीवन में बेहतर सरकारी कामकाज का संदेश ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बहुत प्रभावी रहा, जहाँ लोग लगातार सुधार देखना चाहते थे।

दूसरी तरफ, महागठबंधन की आपसी खींचतान और अस्पष्ट संदेशों ने विपक्ष को कमज़ोर बना दिया। स्पष्ट नेतृत्व और स्थिरता चाहने वाले मतदाता एनडीए की तरफ चले गए, जिससे पूरी चुनावी मुहिम में नीतीश कुमार की बढ़त कायम रही।

भाजपा का मजबूत बूथ प्रबंधन और राष्ट्रीय स्तर का प्रचार भी उनके लिए फायदेमंद रहा। मतदाताओं तक पहुँचने की भाजपा की संगठित रणनीति ने नीतीश कुमार की छवि और अनुभव को और मजबूती दी।

ईबीसी, कुर्मी, महादलित और गैर-यादव ओबीसी समुदायों तक उनकी पहुँच ने एक व्यापक सामाजिक गठजोड़ बनाया। प्रतिनिधित्व और लक्ष्ययुक्त सहायता देने से उन्हें राज्य के कई सामाजिक समूहों का समर्थन मिला।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भू-अभिलेख निरीक्षक 7.5 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर, 14 नवम्बर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की राजसमन्द टीम ने कार्रवाई करते हुए वृत भाणा तहसील कुंवारिया जिला राजसमंद के भू-अभिलेख निरीक्षक कमलेश चंद्र खटीक को सात लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। यह रिश्वत भू-प्रबन्ध विभाग की ओर से चलाये जा रहे पैमाइश कार्य में आराजियात की मौके के हिसाब से पैमाइश की कार्यवाही करने एवं नक्शा शुद्धिकरण करने की एवज में ली गई थी। फिलहाल भू-अभिलेख निरीक्षक के घर सहित अन्य ठिकानों पर एसीबी की सर्च चल रही है।

- **भ्रष्टाचार निरोधक विभाग निरीक्षक के घर व अन्य ठिकानों पर सर्च कर रही है।**

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीय कैबिनेट मंत्री का एप्स्टीन सैक्स स्कैंडल में नाम आने से दिल्ली में हड़कंप मचेगा इस बार

पहली बार जब यह नाम आया था तो चुपचाप माननीय मंत्री को इस्तीफा लेकर घर भेज दिया था और आशा की गई थी कि मामला शांत पड़ गया है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। एप्स्टीन कांड जैसे-जैसे अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को और गहराई तक घसीटता जा रहा है, एक भारतीय मंत्री का नाम सामने आने से भारत की घरेलू राजनीति भी अचानक गर्म हो गई है। एप्स्टीन मामला नाबालिग लड़कियों की तस्करी और उन्हें सत्ता और धन के बड़े पदों पर बैठे उम्रदराज़ पुरुषों के सामने पेश करने से जुड़ा है।

सोशल मीडिया पर सबसे बड़ा सवाल यही घूम रहा है, क्या एप्स्टीन से जुड़े एक केन्द्रीय मंत्री का नाम सामने आने के बाद उन्हें मोदी सरकार से हटाया जाएगा? एक ईमेल में मंत्री के शामिल होने के संकेत मिलने के बाद कई लोग इस संभावित आरोप को लेकर गहरी नाराज़गी और घृणा व्यक्त कर रहे हैं।

अगर मंत्री को तुरंत हटाया न भी जाए, तब भी मंत्री और सरकार, दोनों पर यह ज़िम्मेदारी बनती है कि वे जनता को स्पष्ट बताएं कि उस मंत्री और एप्स्टीन समूह के बीच क्या संबंध थे। अब तक न तो उस मंत्री की तरफ से कोई बयान आया है, न ही केन्द्र सरकार की तरफ से।

नैतिकता यही कहती है कि सरकार कम से कम मंत्री से स्पष्टीकरण मांगे और बताए कि उनका नाम एप्स्टीन समूह से कैसे जुड़ा।

इस घोटाले में पहले भी कई बड़े नाम गिर चुके हैं। इनमें इंग्लैंड के किंग चार्ल्स के छोटे भाई प्रिंस एंड्रयू भी शामिल हैं, जिन्हें हाल ही में शाही उपाधि से वंचित कर दिया गया और अब वे सिर्फ एंड्रयू माउंटबेटन विंडसर कहलाते हैं। उन्हें उनके विशाल शाही महल से भी निर्वासित कर दिया गया है।

- **पर, अमेरिका में ही एप्स्टीन प्रकरण जोर पकड़ रहा है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप का नाम भी इस एप्स्टीन के मित्र व जानकार के रूप में उभरा है।**
- **बहुत सार्वजनिक दबाव बना है कि एप्स्टीन के सारे ई-मेल व पत्र-व्यवहार सार्वजनिक किये जाएं।**
- **जैसा कि विदित ही है कि एप्स्टीन पर आरोप है कि यह विश्व के अति पावरफुल लोगों को कमसिन बच्चियाँ सप्लाई करता था सैक्स के लिए।**
- **एप्स्टीन प्रकरण की कुछ ई-मेल सार्वजनिक होने से विश्व के कई प्रभावशाली लोगों की बलि चढ़ी है, जैसे इंगलैंड के प्रिंस एन्ड्रू, जिन्हें अपना पद, गरिमा व सुविधाएँ सरेंडर करनी पड़ी, ब्रिटिश सरकार को।**

ट्रंप और एप्स्टीन के बीच की बातचीत के खुलासे की आशंका अमेरिकी राष्ट्रपति को भी भारी राजनीतिक शर्मिंदगी और आलोचना के खतरे में डाल रही है। वे एप्स्टीन से जुड़े दस्तावेज़ों के पूरे खुलासे को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। वाइट हाउस और अमेरिकी कांग्रेस के स्पीकर माइक जॉनसन भी इन दस्तावेज़ों को दबाने की कोशिश में लगे हुए हैं।

तथापि, अब बड़ी संख्या में रिपब्लिकन सांसद भी अपनी पार्टी से अलग होकर पूरे एप्स्टीन दस्तावेज़ जारी करने के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान में शामिल हो गए हैं। इससे ट्रंप काफी नाखुश हैं और इन सांसदों पर दबाव डाल रहे हैं कि वे अपनी मांग वापस लें।

फिलहाल राहत की बात यह है कि अब तक जारी हुई संचार सामग्री में ट्रंप के सीधे किसी गलत काम में शामिल होने का सबूत नहीं मिला है। हालांकि यह संकेत ज़रूर मिले हैं कि ट्रंप जानते थे कि एपस्टाइन का साथी मैक्सवैल गिस्लेन ट्रंप के मार-ए-लागो स्थित हाई प्रोफाइल गॉल्फ रिसॉर्ट और क्लब से नाबालिग लड़कियों सहित अन्य महिलाओं के रिक्रूटमैंट की व्यवस्था कर रहा था।

भविष्य में ट्रंप एप्स्टीन कांड से पूरी तरह बच निकलेंगे या नहीं - यह अभी कहा नहीं जा सकता। लेकिन अगर किसी भारतीय मंत्री या नेता का एप्स्टीन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिलाड़ा में ट्रोमा सैन्टर का चिकित्सा अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

जोधपुर, 14 नवम्बर (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जोधपुर की टीम ने बिलाड़ा के राजकीय ट्रोमा सेंटर के चिकित्साधिकारी को 3.70 लाख की रिश्वत लेने के आरोप में पकड़ा है। उनसे अग्रिम पूछताछ जारी है। कार्रवाई शुक्रवार सुबह की गई। एसीबी द्वारा ट्रेप होने वाला चिकित्साधिकारी डॉक्टर बुधराज विश्नोई है।

- **एसीबी की जोधपुर इकाई ने शिकायत के आधार पर ट्रैप की कार्यवाही की।**

ब्यूरो के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी की जोधपुर शहर इकाई को एक शिकायत इस आशय की मिली कि डॉक्टर बुधराज बिश्नोई चिकित्सा अधिकारी राजकीय ट्रोमा सेन्टर बिलाड़ा जोधपुर द्वारा परिवादी के भाई को फार्मासिस्ट के पद के लिए नियुक्ति देने के लिए तीन लाख रूपए व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संक्षिप्त

मधुमेह पर जागरूकता रैली निकाली

डीग भरतपुर (निस)। विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर शुक्रवार को डीग जिला मुख्यालय पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ एलएमएल राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय डीग के समक्ष मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंघल ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली में छात्राओं और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने बढ़ चढ़कर भाग लेते हुए मधुमेह नियंत्रण के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। अतिरिक्त जिला चिकित्सा अधिकारी डॉ. मान सिंह तथा डॉ. दिनेश चंद मीणा ने प्रतिभागियों को मधुमेह की रोकथाम, इसके लक्षण, कारण और उपचार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. रामअवतार शर्मा ने बताया कि मधुमेह ऐसी बीमारी है जिसे समय पर जांच, सही खानपान और नियमित व्यायाम द्वारा काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जीवनशैली में छोटे-छोटे बदलाव जैसे दू कम मीठा खाना, तनाव कम करना, धूम्रपान व मद्यपान से दूर रहना तथा रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम मधुमेह से बचाव के लिए अत्यंत आवश्यक है। डॉ. शर्मा ने आगे बताया कि एनसीडी कार्यक्रम के तहत 30 वर्ष से अधिक उम्र के सभी पुरुषों और महिलाओं को नियमित रूप से अपना बीपी (रक्तचाप) तथा शुगर स्तर जांच करवाना चाहिए।

यूरिया की कालाबाजारी रोकने की मांग

दौसा। दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार को सौपकर दौसा विधानसभा क्षेत्र में यूरिया खाद की किल्लत दूर करने तथा कालाबाजारी को रोकने की मांग की। दौसा विधायक दीनदयाल बैरवा ने कहा कि वर्तमान में विधानसभा क्षेत्र में किसानों को यूरिया खाद की भारी किल्लत सामना कर करना पड रहा है व रबि की फसल की बुवाई का समय भी प्रारंभ हो चुका है लेकिन यूरिया खाद की उपलब्धता नहीं होने से और खाद की कालाबाजारी होने से किस वर्ग अत्यंत चिंतित और परेशान है। इस दौरान नांगल प्रधान दिनेश बारवाल, सिकंदरा प्रधान सुलतान बैरवा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष रेणु कटारिया, पूर्व अध्यक्ष रुक्मणि गुप्ता, ब्लॉक अध्यक्ष हेमराज अवाना, मंडल अध्यक्ष शरद नागर, जगदीश मीणा, खैराती लाल बैरवा, नवीन सैनी, रविन्द्र जीरोता, बाबूलाल बैरवा, रामखिलाड़ी कुंडारा गोपराज महावर, जयराम बैरवा तेजू हलवाई, कृष्ण जीरोता, हेमराज बैरवा, हरकेश अवाना, सुनील बैरवा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गौरव दिवस आज

कोटपुतली। राज्यमंत्री, राजस्व, उपनिवेशन एवं सैनिक कल्याण विभाग, राज. सरकार एवं जिला प्रभारी मंत्री विजय सिंह चौधरी के मुख्य आतिथ्य में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में जिला मुख्यालय पर "जनजातीय गौरव दिवस" के रूप में जिला स्तरीय कार्यक्रम राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटपुतली के प्रांगण में प्रातः 11:30 बजे से किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में राज्य व राष्ट्रीय स्तर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

आतिशबाजी कर जश्न मनाया

टोंक। बिहार में एडीए की जीत के बाद शुक्रवार को मुख्यालय स्थित घंटाघर पर भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान के नेतृत्व में कार्यकर्ता व पदाधिकारियों ने आतिशबाजी के बाद मिठाई बांटकर जीत का जश्न मनाया। इस दौरान कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष गणेश माहुर, सतीश चंदेल, जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, प्रभु बाडोलिया, नरेश बंसल, ओमप्रकाश पांडे, रामनिवास गुर्जर, राजेश शर्मा, हरिराम यादव, नीलिमा आमेरा, महेंद्र सिरोठा, जूली शर्मा, हेमंत सैनी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नम्बर मिलाइए
9587884433

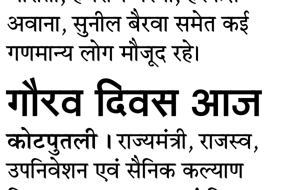

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

उल्लेखनीय कार्यों को लेकर मुंडावर अभियंता सम्मानित

खैरथल। खैरथल तिजारा जिले की मुंडावर पंचायत समिति के जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग, अधीक्षण अभियंता नरेंद्र सिंह मौथू व अधिशाषी अभियंता छत्रपाल यादव को जलग्रहण परियोजना के अन्तर्गत राज्यस्तर पर उल्लेखनीय कार्य किए जाने पर प्रशस्ति पत्र व 20 लाख के चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया है। यह सम्मान कोटा की खैराबाद पंचायत समिति पर आयोजित वॉटरशेड महोत्सव-2025 राज्य स्तरीय शुभारंभ समारोह में पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने प्रदान किया गया।

जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग, अधीक्षण अभियंता नरेंद्र सिंह मौथू ने बताया प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा आयोजित जलग्रहण जनभागीदारी कप-1 में खैरथल तिजारा जिले की पंचायत समिति मुण्डावर की जलग्रहण परियोजना ने राज्य स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

कोटा जिले के खैराबाद में आयोजित समारोह में मुंडावर को प्रशस्ति पत्र व 20 लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया है। अधिशाषी अभियंता क्षत्रपाल यादव ने बताया कि

पंचायत राजमंत्री मदन दिलावर अभियंता नरेंद्र सिंह मौथू व अधिशासी अभियंता छत्रपाल यादव को चेक प्रदान किया।

- 20 लाख की पुरस्कार राशि का उपयोग परियोजना क्षेत्र में जल संरक्षण एवं विकास कार्यों को और अधिक सुदृढ़ करने में किया जाएगा
- पंचायती राजमंत्री मदन दिलावर ने खैरथल तिजारा जिले की मुंडावर पंचायत समिति के जलग्रहण विकास एवं भू-सरंक्षण विभाग, अधीक्षण अभियंता नरेंद्र सिंह मौथू व अधिशासी अभियंता छत्रपाल यादव को प्रशस्ति-पत्र व 20 लाख रुपये का चेक प्रदान किया।

परियोजना क्षेत्र में समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण जल एवं भू-संरक्षण कार्य, वृक्षारोपण, जनसहभागिता, तथा सीएसआर मद के प्रभावी उपयोग के कारण यह उपलब्धि संभव हुई है। परियोजना की सफलता में पीएचडीआरडीएफ नई दिल्ली के सीनियर मैनेजर बृजमोहन पाल, तत्कालीक कनिष्ठ अभियंता उपेन्द्र चौधरी एवं राहुल चौधरी, जलग्रहण विकास दल के सदस्य सुरेन्द्र कुमार, तथा परियोजना क्षेत्र के सरपंचों एवं जलग्रहण सचिवों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उन्होंने बताया कि इस उल्लेखनीय कार्य को लेकर मिली पुरस्कार राशि का उपयोग परियोजना क्षेत्र में जल संरक्षण एवं विकास कार्यों को और अधिक सुदृढ़ करने में किया जाएगा।

भरतपुर में भाजपाईयों ने जश्न मनाया

भरतपुर (निस)। बिहार में विधानसभा चुनाव में एनडीए को भारी बहुमत मिलने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया।

भाजपा जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा के नेतृत्व में भाजपा कार्यालय भरतपुर पर अनेकों भाजपा कार्यकर्ताओं ने जबरदस्त आतिषबाजी की और एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा ने कहा बिहार की जीत जनता की जीत है, कार्यकर्ताओं की जीत है। सत्य की जीत है।

और बिहार में किये गये विकास की जीत है।

बाल मेले में विद्यार्थियों में उत्साह झलका

पावटा। राजमार्ग स्थित पीएम श्री महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रागपुरा में शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस को बालोत्सव के रूप में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय सभागार में कार्यवाहक प्रधानाचार्य घोलाराम यादव के सान्निध्य में बाल मेले का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों का उत्साह देखने लायक था। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये न केवल बच्चों को आपसी सहयोग और एकता का संदेश देते है, बल्कि उनमें नेतृत्व क्षमता, जिम्मेदारी और रचनात्मकता को भी बढ़ावा देते हैं।

खोया पाया

मेरे मकान 30/64/7 मानसरोवर का मूल कब्जा पत्र, स्वर्ण पथ पर फोटोकॉपी कराते समय गुम/गिर गया। मिलने पर सूचित करें-डिप्टी कुमार-9828075841

सार्वजनिक सूचना जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांकः जविप्रा/उपा./जोन-13/2025/डी-3609 दिनांकः 13.11.2025

निजी खातेदारी की आवासीय योजना धौला वीरा फार्म के अनुमोदन पश्चात पट्टे वितरण आयोजित किये जाने हेतु कार्यक्रम निम्न प्रकार हैः-

क्र. सं.	पट्टा वितरण दिनांक	पट्टा वितरण स्थल	खातेदार का नाम	ग्राम-तहसील	योजना का नाम
1.	17.11.2025	जविप्रा परिसर	मैसर्स प्लास इन्फ्राकॉन लिमिटेड जरिये निदेशक बाबूलाल चौधरी	पूठकाबास उर्फ चावा का बास आमेर	धौला वीरा फार्म

उपायुक्त जोन-13

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक-8620 दिनांक-13.11.2025

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 22-C-01 (HIG), (एरिया 222.915 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री लालचन्द खत्री पुत्र श्री आसूराम खत्री को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 96 दिनांक 11.04.2007 एवं संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 199 दिनांक 16.04.2007 को जारी किया गया। श्री लालचन्द खत्री द्वारा श्री युवराज शर्मा पुत्र श्री ओम प्रकाश शर्मा को दिनांक 05.05.2007 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री युवराज शर्मा के द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से श्री लालचन्द खत्री के पक्ष में पंजीयन प्रपत्र उप पंजीयक जयपुर अष्टम, के यहां दिनांक 19.07.2007 को पंजीकृत करवाये गये। श्री युवराज शर्मा द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 05.11.2007 के द्वारा श्रीमती सीमा शर्मा पत्नी श्री विष्णु दत्त शर्मा को विक्रय कर उप पंजीयक जयपुर अष्टम के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती सीमा शर्मा द्वारा उक्त आवास को दिनांक 25.07.2013 के द्वारा श्री गोकुल प्रसाद पुत्र स्व. श्री झुथा लाल को विक्रय कर उप पंजीयक जयपुर अष्टम के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रेती श्री गोकुल प्रसाद पुत्र स्व. श्री झुथा लाल द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास में अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अत उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री गोकुल प्रसाद पुत्र स्व. श्री झुथा लाल का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज.आवा. मण्डल, जयपुर

कार्यालय तहसीलदार (भू.अ.) आमेर, जिला जयपुर

क्रमांक-भू अ./2025/6457 दिनांक-11.11.2025

आम सूचना का नोटिस

हर आम खास को सूचित किया जाता है उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है कि प्रार्थी श्री गोपीवल्लभ पुत्र स्व. श्री दामोदरदास शर्मा जाति स्वामी निवासी प्लॉट नं. 834 रामनगर शास्त्रीनगर जयपुर द्वारा एक प्रार्थना पत्र इस आशय का प्रस्तुत किया गया कि स्व. श्री दामोदरदास शर्मा पुत्र स्व. चोखादास जाति स्वामी निवासी हरियाणों का मोहल्ला ग्राम चौप तहसील आमेर, जयपुर द्वारा अपने जीवनकाल में एक वसीयतनामा अपने पुत्र प्रार्थी श्री गोपीवल्लभ पुत्र स्व. श्री दामोदरदास शर्मा जाति स्वामी निवासी प्लॉट नं. 834 रामनगर शास्त्रीनगर जयपुर के पक्ष में दिनांक 28.07.2023 को उपपंजीयक कार्यालय जयपुर पंचम में पंजिबद्ध करवाया गया था। वसीयतकर्ता स्व. श्री दामोदरदास शर्मा पुत्र स्व. चोखादास की दिनांक 13.01.2025 को मृत्यु हो चुकी है मृतक खातेदार स्व. श्री दामोदरदास शर्मा पुत्र स्व. चोखादास के नाम राजस्व ग्राम चौप के जमाबन्दी के ख.नं. 1/1 रकबा 0.05 हेक्टे. खातेदारी दर्ज रिकार्ड है। उपरोक्त भूमि का नामान्तकरण प्रार्थी श्री गोपीवल्लभ पुत्र स्व. श्री दामोदरदास शर्मा जाति स्वामी के पक्ष में दर्ज करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। प्रकरण वसीयतनामा का होने के कारण धारा 135(2) एलआर एक्ट 1956 के तहत दर्ज किया जाकर यह पत्रावली खोली गई। प्रकरण में यदि किसी को कोई उज्र एतराज अथवा आपत्ति हो तो प्रकरण में नियत आगामी तारीख पेशी 26.11.2025 को न्यायालय हाजा में अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा प्रकरण का एकतरफा निस्तारण कर दिया जावेगा। सूचित रहे।

यह नोटिस आज दिनांक 26.11.2025 को न्यायालय हाजा में अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा प्रकरण का एकतरफा निस्तारण कर दिया जावेगा। सूचित रहें।

यह नोटिस आज दिनांक 11.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय की मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार (भू.अ.) तहसील आमेर (जयपुर)

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक-8622 दिनांक-13.11.2025

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, योजना में आवास/फ्लेट संख्या 64/35 (MIG-B), का आवंटन श्री राजेन्द्र सिंह खुराना पुत्र स्व. श्री हरि सिंह खुराना को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 930 दिनांक 28.06.2002 को जारी किया गया था। जिसका भौतिक कब्जा 31.07.2002 को प्राप्त किया गया था। उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 218/3752 दिनांक 07.01.2003 द्वारा श्री संजीव भटनागर पुत्र श्री विष्णु स्वरूप भटनागर एवं श्रीमती सुधा भटनागर पत्नी श्री विष्णु स्वरूप भटनागर के नाम कर दिया गया। श्रीमती सुधा भटनागर की मृत्यु दिनांक 17.08.2015 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री संजीव भटनागर पुत्र श्री विष्णु स्वरूप भटनागर द्वारा आवासन मण्डल ने उक्त आवास के सम्पूर्ण हिस्से पर अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अत उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकार्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है श्री संजीव भटनागर पुत्र श्री विष्णु स्वरूप भटनागर का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय,
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853

क्रमांक 4050 **आम जाहिर सूचना** दि.14.11.2025

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा फ्लैट संख्या-4/673 (जी.एफ.) योजना जवाहर नगर जयपुर, क्षेत्रफल 70.02 वर्ग मीटर का नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 1758 दिनांक 02.08.1999 श्रीमती विद्या देवी लधानी पत्नी श्री के.आर. लधानी के पक्ष में जारी किया गया। उनके द्वारा उक्त फ्लैट के पंजीयन प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर प्रथम में दिनांक 21.03.2001 को करवाया गया। श्रीमती विद्या देवी लधानी की मृत्यु दिनांक 25.10.2006 को हो जाने के कारण श्रीमती रेखा लधानी पत्नी स्व.श्री राजीव लधानी (पुत्र वधु स्व.श्री के.आर. लधानी) के द्वारा आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र की छाया प्रति एवं रजिस्टर्ड हकत्याग पत्रों की छाया प्रति प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट का नाम प्रतिस्थापन अपने पक्ष में करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त फ्लैट के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती रेखा लधानी पत्नी स्व. श्री राजीव लधानी (पुत्र वधु स्व.श्री के.आर. लधानी) के पक्ष में फ्लैट के प्रतिस्थापन की कार्यवाही करदी जावेगी।

सम्पदा प्रबंधक- वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल, जयपुर

सम्मन बनाम कायम मुकामी
(आदेश 22 नियम 4 जाब्ता दीवानी)
न्यायालय वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश क्रम संख्या 1 नीमकाथाना जिला सीकर
श्याम सुन्दर आदि बनाम रूडीदेवी व अन्य
वाद बाबत तकास्मा एवं हुक्म ईम्तनाई दवामी
वाद संख्या 07/2015
तारीख पेशी 18.11.25

बनाम मुस्समी-उर्मिला देवी माता रूडीदेवी पत्नी दुल्लीचन्द निवासी स्कीम नं. 3 जेल चौराहा अलवर राज. नीरूदेवी पत्नी योगेश माता कविता उर्फ नानगीदेवी निवासी पानी की टंकी के पास शास्त्रीनगर जयपुर पूनमदेवी पत्नी राजकुमार माता कवितादेवी पत्नी नानगी निवासी चीलगाडी रेस्टोरेन्ट के पास नजदीक पुलिस थाना सांगानेर जयपुर राज.

वादीगण ने एक वाद ग्राम हसामपुर तहसील पाटन में स्थित सम्पत्ति के विभाजन एवं स्थाई निषेधाज्ञा की सहायता हेतु प्रस्तुत किया हुआ है चूंकि वादीगण ने इस अदालत में उक्त अनुवानी वाद दायरी के पश्चात प्रतिवादी रूडीदेवी पुत्र भक्तावर पत्नी प्रहलादसिंह फोत हो गयी है। जिनके आप उक्त मुस्समी वारिसान कायम मुकामान है।

लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाबदेही दिनांक 18.11.2025 सुबह 10.00 बजे अदालत हाजा में हाजिर होने के लिए तलब किया जाता है तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकदमा आपकी गैर हाजरी में सुना व फैसल किया जावेगा।

यह आज दिनांक 12.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

मोहर अदालत — न्यायालय वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश क्रम संख्या 1 नीमका थाना, जिला सीकर (राज.)

बाल दिवस पर गूंजी बच्चों की हंसी

- बाल दिवस पर गूंजी बच्चों की हंसी

मानपुरा माचेडी। क्षेत्र की सरकारी, निजी स्कूलों व कॉलेजों में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की जयंती पर बाल दिवस के उपलक्ष्य पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में जयपुर डेंटल कॉलेज में बाल दिवस एवं पीडोडॉन्टिक्स डे का संयुक्त आयोजन बाल दंत चिकित्सा विभाग द्वारा उल्लासपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज परिसर बच्चों की हंसी और उत्साह से गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज की निदेशक डॉ. पिंकी जैन ने दीप प्रज्वलन कर किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि बचपन में दाँतों की सही देखभाल और ब्रश करने की सही तकनीक सीखना आजीवन स्वस्थ मुस्कान की नींव है। उन्होंने बच्चों को संतुलित खानपान, मीठे पदार्थों के सीमित सेवन और दिन में दो बार ब्रश करने की आदत को अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. विकास जैन ने संदेश प्रेषित करते हुए कहा कि बाल दिवस पर बच्चों की मुस्कान ही सच्ची प्रेरणा है, और पीडोडॉन्टिक्स डे इस मुस्कान को सदा स्वस्थ बनाए रखने का संकल्प है। उन्होंने डॉक्टरों और विद्यार्थियों से अपील की कि वे समाज में बच्चों की दंत स्वास्थ्य शिक्षा को प्राथमिकता दें। इस अवसर पर विभाग की ओर से बच्चों के लिए ड्रॉइंग प्रतियोगिता, स्माइल गेम्स, ओरल हेल्थ क्विज़, फेस पेंटिंग तथा डेंटल अवेयरनेस पपेट शो जैसे मनोरंजक व शिक्षाप्रद कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों में बच्चों ने न केवल अपनी प्रतिभा दिखाई, बल्कि ओरल हेल्थ के प्रति उत्सुकता भी प्रदर्शित की। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया, जिससे बच्चों में खुशी का माहौल छा गया। सभी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन बाल दंत चिकित्सा विभाग की टीम की ओर से किया गया। पूरे आयोजन में बच्चों की हंसी और उत्साह ने माहौल को उल्लासमय बना दिया सचमुच, मुस्कान ही बचपन की सबसे सुंदर पहचान है।

दो दिवसीय प्रदर्शनी शुरू

दौसा। सूचना केन्द्र पर 'जनजाति गौरव वर्ष' के अंतर्गत भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर शुक्रवार को दो दिवसीय प्रदर्शनी शुरू हुई। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिरदीचंद गंगवाल ने फीता काटकर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिरदीचंद गंगवाल ने बताया कि इस वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर गत 1 नवम्बर से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उसी क्रम में इस प्रदर्शनी के माध्यम से भगवान बिरसा मुंडा के व्यक्तित्व से आमजन को परिचित कराने का प्रयास किया गया है।

जिलेभर में बाल दिवस मनाया

टोंक। राष्ट्रीय बाल दिवस के अवसर पर जिलेभर सभी विद्यालयों में बाल मेले व अनेक कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसी क्रम में मुख्यालय स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सिटी नं. 12 में विद्यार्थियों के लिए विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिसके अंतर्गत बच्चों को उनके संवैधानिक अधिकारों, कानूनी सुरक्षा एवं उपलब्ध विधिक सहायता तंत्र के प्रति सजग करना रहा। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश दिनेश कुमार जलुथरिया ने बच्चों को बाल अधिकार, शिक्षा का अधिकार, पॉक्सो कानून, बाल श्रम निषेध, बाल विवाह प्रतिषेध अभियान, बाल विवाह के दुष्प्रभावों तथा घरेलू हिंसा, मानसिक स्वास्थ्य तथा निःशुल्क विधिक सेवाओं के प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी दी।

इसी प्रकार आई-टेक ग्लोबल स्कूल में बाल मेले का आयोजन हुआ, जिसमें नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के व्यंजनों की स्टाल लगाई गयी। मेले में सभी विद्यार्थियों ने भरपूर आनंद लिया तथा व्यवसायिक प्रणाली को समझा, सभी विद्यार्थी द्वारा स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत को ध्यान में रखते हुए डिस्पोजल आइटम के लिए डस्टबिन का इस्तेमाल किया गया।

बन्दियों को निः शुल्क कानूनी सहायता का प्रवाधान : सूरजभान

किशनगढ़ बास उपकारागृह में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल-तिजारा बी. एल. बुगालिया, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रणवीर सिंह के आदेशानुसार लगाया गया जागरूकता शिविर।

किशनगढ़ बास। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खैरथल-तिजारा बी. एल. बुगालिया, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रणवीर सिंह के आदेशानुसार जेल लीगल एड क्लीनिक के सुचारु प्रबन्धन के तहत उपकारागृह किशनगढ़ बास में शिविर आयोजित कर निरुद्ध बंदीजन को उनके प्रकरणों में पैरवी हेतु निःशुल्क विधिक सहायता के सम्बंध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर जेलर रामेश्वर दयाल चौधरी, जेल प्रहरी स्टाफगण व 172 विचाराधीन बन्दियों सहित सुरक्षाकर्मी मौजूद रहे।

पीएलवी सूरजभान कछवाहा व पैनल अधिवक्ता मुकेश सैनी ने बताया कि शुक्रवार को किशनगढ़ बास उपकारागृह में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित कर विचाराधीन बन्दियों को विधिक जानकारी दी तथा उप कारागृह में निरुद्ध बंदीजन को उनके प्रकरणों में पैरवी हेतु निःशुल्क विधिक सहायता के सम्बंध में जानकारी प्रदान की गई। शिविर के दौरान पीएलवी सूरजभान कछवाहा व पैनल अधिवक्ता मुकेश सैनी ने बंदियों को उनके अधिकारों के अनुसार उन्हें दी जाने वाले अधिकारों की जानकारी देते हुए विचाराधीन कैदियों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के बारे मे बताया। जिसमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार, कैदियों को चिकित्सा सुविधा प्राप्त करने का अधिकार, मुकदमे के जल्दी निपटारे का अधिकार, विचाराधीन कैदी को जमानत का अधिकार, कैदियों को मजदूरी अथवा वेतन का अधिकार, वकील से परामर्श का अधिकार, निःशुल्क विधिक सहायता का अधिकार की जानकारी सहित विचाराधीन कैदियों को दी जाने वाली सुविधाओं की जानकारी प्रदान की। तथा कैदियों की शिकायत का निवारण के उपाय की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

बच्चे ही देश का सच्चा भविष्य हैं : रत्ना कुमारी

पावटा। बाल दिवस के शुभ अवसर पर भाजपा नेत्री रानी रत्ना कुमारी शाहपुरा ने ईद्रा कुष्ठ आश्रम तथा नजदीकी सरकारी विद्यालय पहुँचकर बच्चों के साथ यह विशेष दिन मनाया। इस दौरान रानी रत्ना कुमारी ने आश्रम और विद्यालय दोनों स्थानों पर छोटे-छोटे बच्चों को स्नेहपूर्वक गुब्बारे, मिठाई एवं उपयोगी सामग्री वितरित की। बच्चों के चेहरों पर खुशी की चमक और उत्साह ने पूरे कार्यक्रम को खास बना दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बच्चे ही देश का सच्चा भविष्य है। इन्हीं नन्हें सपनों की रक्षा और उन्नित हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। जब ये बच्चे मुस्कुराते हैं, तो लगता है जैसे पूरा समाज उजाला हो उठा हो। समाज के इन नन्हें दीपकों की मुस्कान ही हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा है। इंद्रा कुष्ठ आश्रम में बच्चों के साथ समय बिताने के बाद रानी रत्ना कुमारी सरकारी विद्यालय पहुँचीं, जहाँ उन्होंने विद्यार्थियों से बातचीत की।

पं. नेहरू को याद किया

देवली। कांग्रेस जनों ने भारत देश के प्रथम प्रधानमंत्री भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की जंयती मनाई।

इस अवसर पर रमेश गणेश प्रिंटर्स ने जानकारी में बताया कि नेहरू जयंती पर स्थानीय नगरपालिका परिसर में नेहरू उद्यान में स्थापित नेहरू प्रतिमा पर कांग्रेस जनों द्वारा पुष्पांजलिअर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर कांग्रेसी वक्ताओं ने नेहरू की जीवनी पर प्रकाश डाला और उनके कार्यकाल दौरान देश में पंच वर्षीय योजना, प्रथम एवं एशियाई खेल, आइ आइ एम, आई आई टी, एम्स भाखड़ा नांगल बांध जैसे किये गये कार्यों पर प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सौरभ जिंदल, पूर्व अध्यक्ष मुकेश गर्ग, विनोद पुजारी, टीकम चंद सेन, रमेश गोयल, किसान नेता पार्षद सत्यनारायण सरसडी, सत्य नारायण बूलिया, वरिष्ठ पार्षद कुन्दन नथीया, पार्षद पंकज जैन, राम निवास मीणा, रोहित चंदेल, राजीव जैन नीरज शर्मा, राहुल सुवालका मोती लाल ठागरिया, डॉ प्रेम चंद तुनगारिया राजू पाठक अम्बा लाल मौर्य, आदि कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

उपजिला अस्पताल में ओपीडी एक हजार के पार, पर्ची व दवा वितरण केन्द्र मात्र दो

फुलेरा। जोबनेर रोड स्थित राजकीय उपजिला अस्पताल में इन दिनों मरीजों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी दिखने को मिल रही है। अस्पताल की ओपीडी रोजाना 1000 के पार निकल रही है, जिसमें गर्भवती महिलाओं सहित विभिन्न रोगो के मरीज आते है। गौरतलब है कि फुलेरा उपजिला अस्पताल में फिलहाल 14 से 15 डॉक्टर कार्यरत है। रोजाना की ओपीडी 1000-1100 के बीच रहती है। इसके मुकाबले दवा वितरण केंद्र व ओपीडी की पर्ची काउंटर सिर्फ दो ही बने हुए है। इसी कारण मरीजों को पहले पर्ची बनवाने के लिए मशक्कत करनी पडती है और उसके बाद दवा लेने के लिए लंबी कतारों में घंटो खडा रहना पडता है।

स्वास्थ्य विभाग के नियमों के अनुसार प्रत्येक अस्पताल में 120 से 150 मरीजों पर एक दवा वितरण कक्ष होना चाहिए और प्रत्येक कक्ष में एक फार्मासिस्ट और एक सहयोगी होना आवश्यक है। इस हिसाब से फुलेरा

फुलेरा में दवा वितरण कक्ष पर लगी मरीजों की भीड़।

उपजिला अस्पताल में 6 से 7 दवा वितरण कक्ष होने चाहिए लेकिन यहां एक मात्र दो ही दवा वितरण बने हुए है, जिसमें मरीजों की भारी भीड़ लगी रहती है। उपजिला अस्पताल की व्यवस्थाएं मरीजों की संख्या के मुकाबले बेहद कमजोर साबित हो रही है। साथ ही रोगी भार व चिकित्सको की संख्या को देखते हुए अस्पताल भवन भी काफी छोटा पड रहा है, क्योंकि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को ही कुछ वर्ष पहले प्रमोट करके उपजिला अस्पताल बना दिया गया था।

- चिकित्सकों की संख्या को देखते हुए अस्पताल भवन भी काफी छोटा पड रहा है

इस सम्बंध में डॉ. धर्मेन्द्र भामू पीएमओ, उपजिला अस्पताल फुलेरा ने कहा कि उक्त समस्या को लेकर हमने उच्चाधिकारियों को पत्र के माध्यम से अवगत कराया दिया है, शीघ्र ही व्यवस्थाओं में सुधार करवाया जायेगा।

बच्चों ने उठाया बाल मेले का लुत्फ

कोटपूतली। राजमार्ग स्थित द राजस्थान स्कूल में शुक्रवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू का जन्मदिवस बाल दिवस के रूप में हर्षोल्लास से मनाया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्या शालिनी चौधरी, बर्सर विकास चौधरी व उपप्रधानाचार्य रमेश सकलानी ने फीता काटकर बाल मेले का उद्घाटन किया। प्रधानाचार्या शालिनी चौधरी ने पं. नेहरू की जीवनी पर प्रकाश डालते हुये उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये। उन्होंने कहा कि महापुरूषों की जीवनी से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। विद्यालय द्वारा आयोजित यह भव्य मेला प्रत्येक विद्यार्थी के लिये प्रेरणास्पद है। बाल मेले के माध्यम से बच्चों ने स्वयं द्वारा निर्मित खाद्य वस्तुओं की स्टॉल लगाकर स्वावलंबी बनने की सीख दी। अभिभावकों ने अध्यापकों के निर्देशन में आयोजित इस बाल मेले की प्रशंसा करते हुये कहा कि आयोजन की जितनी सराहना की जायें उतनी कम है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को कुछ नया सीखने को मिलता है और उनमें सहयोग व एकता की भावना का विकास होता है। बर्सर विकास चौधरी व उपप्रधानाचार्य रमेष सकलानी ने बाल मेले के आयोजन में

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक-8625 दिनांक-13.11.2025

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की MNIT FACULTY RESIDENCY 2023 सेक्टर 26 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर में वरियता क्रमांक P-1/MNIT/G.2-2/HIG-11/2023 प्रताप नगर सांगानेर जयपुर का आवंटन श्री महेन्द्र कुमार पाटनी पुत्र श्री बी.एल. पाटनी एवं श्री संजीव कुमार पाटनी पुत्र स्व. श्री महेन्द्र कुमार पाटनी को किया जाकर आरक्षण पत्र 7880 दिनांक 14.10.2025 के जारी किया गया। श्री महेन्द्र कुमार पाटनी की मृत्यु दिनांक 05.09.2025 को हो जाने के कारण पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर इनके पुत्र श्री संजीव कुमार पाटनी पुत्र स्व. श्री महेन्द्र कुमार पाटनी द्वारा उक्त आवंटन/पंजीकरण को स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अत उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री संजीव कुमार पाटनी पुत्र स्व. श्री महेन्द्र कुमार पाटनी का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत-प्रथम, राज.आवा. मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर

क्रमांक-8648 दिनांक-14.11.2025

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 35/74 (MIG-A), (एरिया 90.000 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री विकास राज वत्स पुत्र श्री विजय शंकर वत्स को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 6579 दिनांक 31.12.2001 को जारी किया गया। श्री विकास राज वत्स के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 20.11.2004 को उप पंजीयक सांगानेर जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री विकास राज वत्स द्वारा उक्त आवास को दिनांक 13.05.2013 के द्वारा श्रीमती सबीना बेगम पत्नी श्री अब्दुल मजीद को विक्रय कर उप पंजीयक-सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती सबीना बेगम द्वारा उक्त आवास को दिनांक 10.03.2014 के द्वारा श्रीमती मेहरूनिशा पत्नी श्री छोटू खान को विक्रय कर उप पंजीयक-सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। क्रेता/क्रती श्रीमती मेहरूनिशा पत्नी श्री छोटू खान द्वारा आवासन मण्डल में उक्त आवास के रिकार्ड में अपना नाम दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अत उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती मेहरूनिशा पत्नी श्री छोटू खान का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत-प्रथम, राज.आवा. मण्डल, जयपुर

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै. रोशन लाल ऑयल मिल्स लिमिटेड की मूल लीज डीड खसरा नंबर 152 , ग्राम विजय मुकुन्दपुरा उर्फ हीरावाला, तहसील बस्सी जिला जयपुर 3 बीघा 7 बिस्वा जो कि दिनांक 01.02.1996 को मै. रोशन लाल ऑयल मिल्स लिमिटेड व महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र , जयपुर के मध्य निष्पादित की गई थी। जिसको मै. रोशन लाल ऑयल मिल्स लिमिटेड किसी कारणवश रजिस्टर्ड नहीं करवाया पाया था। हमारी मूल लीज डीड कहीं गुम हो गई है। जिसकी प्रथम सूचना रिपोर्ट दिनांक 17.07.2024 को एलआर नंबर 2243973 / 2024 पर ऑनलाइन दर्ज करवा दी गई थी। अब उक्त लीज डीड की सप्लीमेंट्री लीज डीड जिला उद्योग केन्द्र द्वारा जारी की जा रही है। अगर उक्त सप्लीमेंट्री लीज डीड के जारी होने से किसी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो या कोई आर्थिक, व्यापारिक नुकसान हो तो 15 दिवस में महाप्रबंधक , जिला उद्योग केन्द्र, ग्रामीण , जयपुर को या रोशन लाल ऑयल मिल्स लिमिटेड के उपरोक्त पते पर अपनी आपत्ति दर्ज करवाएं।

प्रबंधक,रोशन लाल ऑयल मिल्स लिमिटेड
मो.- 7891179999, 9419119279

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

आम सूचना

क्रमांक-F=JDA/Zone 07/2025/D-5

आवेदन द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 215043 दिनांक 01.05.2025 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue of [Lease/Free Hold] Deed (E-Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र.सं.-1, आवेदक का नाम-NUPUR GUPTA D/O NARESH CHANDRA GUPTA & PRIYANKA GUPTA D/O NARESH CHANDRA GUPTA, मूल आवंटी/लीजधारक का नाम- श्री नरेश चन्द गुप्ता, भूखण्ड संख्या-128, भूखण्ड क्षेत्रफल-283-51 SQ. YARD, गृ.नि.स.स./निजी खातेदारी/जविप्रा योजना-जेडीए, योजना का नाम-VAISHALI NAGAR Sector/Block-D,सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया-Issue of [Lease/Free Hold] Deed (E-Patta), कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज-आवंटन पत्र, पट्टा निरस्तीकरण आदेश (54-डी) मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीकृत हक त्याग पत्र, वाद विवाद शपथ पत्र, पुलिस FIR

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Issue of [Lease/Free Hold] Deed (E-Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

उपायुक्त, जोन-7, जविप्रा, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 156/2025

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री मोहनदास चेला श्री श्याम सुन्दर दास निवासी बास बैरिसाल हाल मंदिर श्री लाल जी महाराज, नारायणपुर कोटपूतली बहरोड ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत मंदिर श्री लाल जी महाराज श्री सियाराम दास जी महाराज आश्रम नारायणपुर तहसील नारायणपुर जिला कोटपूतली बहरोड, रजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 13.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइदा तारीख पेशी 22.01.2026

मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग जयपुर

सम्मन बनाम कायम मुकामी
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 जाब्ता दीवानी)
न्यायालय वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश क्रम संख्या 1 नीमकाथाना जिला सीकर
श्याम सुन्दर आदि बनाम रूडीदेवी व अन्य
वाद बाबत तकास्मा एवं हुक्म ईम्तनाई दवामी
वाद संख्या 07/2015
तारीख पेशी 18.11/25

बनाम- संतोष कुमार पुत्र प्रहलाद जाति लखेरा मु.पो. आंधी तहसील जमुआरामगढ जिला जयपुर राज.

उक्त वादी ने आपके विरूद्ध वाद बाबत तकास्मा एवं हुक्म ईम्तनाई दवामी के लिए वाद पंजियत किया है आपको इस न्यायालय में तारीख 18.11.2025 को दिन 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह वाद ता. 12 माह 11 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत — न्यायालय वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश क्रम संख्या 1 नीमका थाना, जिला सीकर (राज.)

राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद
सवाई मानसिंह स्टेडियम, जनपथ, जयपुर कार्यालय दूरभाष नं0 0141-2744283
फैक्स नं0 0141-2740568, ईमेल आईडी - rssjaipur@gmail.com

क्रमांक :- एफ. 9( )/खेल उपकरण/2025-26/255 दिनांक :- 12/11/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 77/2025-26

राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद द्वारा प्रतिष्ठित निर्माता/अधिकृत विक्रेताओं से राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के 10 मीटर एयर राईफल खेल उपकरण की अपूर्ति हेतु सीलबंद लिफाफों में एतद् द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद, जयपुर कार्यालय में दिनांक 17.11.2025 को अपराह 01:00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा उसी दिन सांय 4:00 बजे उपस्थित निर्माता/अधिकृत विक्रेताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। संबधित पूर्ण विवरण वेबसाईट **http://sppp.raj.nic.in** तथा **www.rssc.in** पर देखा जा सकता है। **UBN No. : RSC2526GSOB00080**

राज.संवाद/सी/25/13883 सचिव

हमला करने वाले पिता-पुत्र गिरफ्तार

उदयपुर/ जयपुर । प्रतापनगर थाना पुलिस ने पीड़ित पर प्राणघातक हमला करने वाले पिता- पुत्र को गिरफ्तार किया है। प्रकरण के अनुसार पीड़ित गजेन्द्र नागदा पुत्र जगदीश नागदा निवासी मिठानीम डबोक हॉल नाकोड़ा नगर प्रथम ने रिपोर्ट दी कि 12 नवंबर को नरेन्द्र नागदा निवासी भैसड़ा और नन्दलाल ने मेरे पिता व भाई को कॉल कर कहा कि तुम्हारे व दुर्गाशंकर परिवार के बीच सगाई के विवाद को लेकर पूरे परिवार को बुला रहा हूं।

जिनको लेकर जोगणिया माताजी पावर हाउस आ जाओ। मैं दुर्गाशंकर परिवार को लेकर आ रहा हूं। इस पर मैं परिवार सहित जोगणिया माता पहुंचे, जहां मौजूद दुर्गाशंकर नागदा, टमा नागदा और उसका पुत्र निखिल नागदा, दुर्गा शंकर का साला रोशन नागदा, जय नागदा पुत्र अमबालाल नागदा, आशा नागदा निवासी टेकरी व नन्दलाल नरेन्द्र नागदा मौजूद थे। जिन्होंने गाली-गलौच कर हमला करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान निखिल ने नरेन्द्र के सिर पर चाकू से व परिजनों पर हमला कर दिया। घायल परिजनों को निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर गठित दल ने आरोपी दुर्गाशंकर पुत्र जयराम नागदा निवासी भैसड़ा खुर्द डबोक व निखिल नागदा पुत्र दर्गाशंकर निवासी भैसड़ा खुर्द को गिरफ्तार किया, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

ऊंट पालन एवं डेयरी क्षेत्र के सतत विकास के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध : केंद्रीय मंत्री

जयपुर। पशुपालन एवं डेयरी के क्षेत्र में राजस्थान को देशभर में अव्वल स्टेट बनाने की दिशा में गुरुवार को एक और अध्याय जुड़ गया। पशुपालकों की आय बढाने, ऊंट पालन एवं डेयरी क्षेत्र के सतत विकास के लिए मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार की परामर्शदात्री संसदीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल, जॉर्ज कुरियन एवं सांसद मोहम्मद ताहेर खान, डटेला राजेन्द्र, लक्ष्मीकान्त 'पप्पू निषाद, राजस्थान के पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, पशुपालन एवं डेयरी, भारत सरकार के सचिव नरेशपाल गंगवार, पशुपालन विभाग, राजस्थान सरकार के निदेशक डा. आनंद सेजरा, उप निदेशक डॉ. सुभाष बारी, आरसीडीएफ की एमडी श्रुति भारद्धाज सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान जैसलमेर जिले के लगभग 150 प्रमुख ऊंट पालकों ने भाग लिया एवं ऊंट पालन से जुड़ी

बैठक में डेयरी विकास की विभिन्न योजनाओं पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया।

समस्याओं, चुनौतियों एवं संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग, राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने प्रदेश में किसानों की आय दोगुनी करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें पशुपालन गतिविधियों से जोड़े जाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रदेश में पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। पशुपालन से किसानों की आय बढ़ेगी और वे आत्मनिर्भर होंगे। जोराराम कुमावत ने कहा कि यह हमारा संकल्प है कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन निरंतर बढ़े और प्रदेश को देश की मिल्क कैपिटल बनाया जाये। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ दुग्ध उत्पादों की बेहतर ब्राडिंग, गोवंश की समुचित देखभाल, वेटनरी क्षेत्र में आवश्यक प्रशिक्षण और उन्नत अधोसंरचना स्थापित करने में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की विशेषज्ञता का हरसंभव लाभ लिया जा रहा है। वर्ष 2030 तक गांवों तक डेयरी नेटवर्क का विस्तार सुनिश्चित किया जाना है। बढ़े हुए दुग्ध संकलन का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के लिए आधुनिकतम दुग्ध प्रसंस्करण अवसंरचना विकसित की जाएगी। प्रदेश में निर्मित होने वाले दुग्ध उत्पादों की राष्ट्रीय स्तर पर ब्राडिंग सुनिश्चित की जाएगी।

- **जैसलमेर में परामर्शदात्री संसदीय समिति की बैठक हुई**

बैठक के दौरान प्रदेश के पशु चिकित्सा के क्षेत्र में विकास के लिए विभिन्न योजनाओं में केंद्र सरकार से अतिरिक्त बजट आवंटन की मांग की। उन्होंने राज्य में कुल 4850 नए पशु चिकित्सा उपकेंद्र, पशु चिकित्सालय व बहुउदेशीय पशु चिकित्सालयों के नए भवन व चारदीवारी के निर्माण के लिए 2297 करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध करवाने का आग्रह किया। कुमावत ने केंद्रीय प्रवर्तित-राष्ट्रीय प्रोग्राम फॉर डेयरी डवलपमेंट की डीटीसी-जेआईसीए कम्पोनेंट-बी योजना के अंतर्गत कोटा व उदयपुर में नए कैटल फीट प्लांट की स्थापना के लिए कुल 142.44 करोड़ रुपए आंवटित करने की मांग की।

इकाई आधारित अनुदान सहायता उपलब्ध कराए जाने, वहीं, जोराराम कुमावत ने केंद्रीय मंत्री से राज्य को ब्राजील से आयातित उच्च अनुवांशिक गुणवत्ता वाले गिर गौवंश के दस हजार सीमन डोजेज निःशुल्क उपलब्ध करवाने तथा राज्य को लम्पी प्रो वैक्सीन उपलब्ध करवाने भी आग्रह किया।

ऋण वसूली अधिकरण में आयोजित विशेष लोक अदालत में 250 से अधिक मामलों का निस्तारण

- **अधिकरण में वर्षों से लंबित वसूली प्रकरणों को प्राथमिकता से सुनवाई के लिए प्रस्तुत किया**

जयपुर। लाल कोठी स्थित ऋण वसूली अधिकरण (डीआरटी) में शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) के निर्देशानुसार विशेष लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। राजस्थान विधिक सेवा प्राधिकरण एवं डीआरटी बार एसोसिएशन जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस लोक अदालत की कार्यवाही का संचालन पीठासीन अधिकारी विमल गुप्ता ने किया। इस अधिकरण में वर्षों से लंबित वसूली प्रकरणों को प्राथमिकता से सुनवाई के लिए प्रस्तुत किया गया। इस दौरान लगभग 250 से अधिक मामलों का प्रभावी व त्वरित निस्तारण कर किया गया। जिनमें कई ऐसे विवादित प्रकरण भी शामिल थे,जो दशकों से लंबित थे। इन फैसलों के बाद वादकारियों ने राहत महसूस की और न्याय व्यवस्था में पुनः विश्वास व्यक्त किया।

डीआरटी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल शर्मा एवं सचिव कीर्ति कपूर ने विशेष लोक अदालत को अत्यंत सफल बताते हुए कहा कि इस प्रकार की पहले न्याय प्रणाली को गतिशील बनाती हैं और लंबित मामलों के बोझ को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने न्यायालय एवं विधिक सेवा प्राधिकरण के समन्वय की सराहना की।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों, अधिवक्ताओं और विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रतिनिधियों ने आगे भी ऐसी विशेष लोक अदालतें आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई, ताकि आमजन को शीघ्र एवं प्रभावी न्याय मिलता रहे।

जीप की टक्कर से पति-पत्नी घायल

जयपुर/गंगापुर सिटी । पुरानी अनाज मंडी क्षेत्र में शुक्रवार को एक जीप की टक्कर से पति-पत्नी घायल हो गए। दुर्घटना के बाद उन्हें राजकीय जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। इस हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और कुछ देर के लिए यातायात भी बाधित रहा। जानकारी के अनुसार राजेंद्र कुमार अपनी पत्नी के साथ जयपुर से अपनी बच्ची का इलाज कराकर गंगापुर सिटी लौटे थे। वे पुरानी अनाज मंडी में अपने गांव जाने के लिए जीप का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान एक जीप ड्राइवर ने आगे चल रही मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। मोटरसाइकिल को टक्कर मारने के बाद जीप चालक का संतुलन बिगड़ गया और वाहन सीधे सड़क किनारे खड़े राजेंद्र कुमार और उनकी पत्नी से टकरा गया। इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के बाद जीप चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घटना के कारण इलाके में कुछ समय के लिए जाम की स्थिति बन गई। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि पुरानी अनाज मंडी में अवैध रूप से जीपों और ठेलों के खड़े रहने से अक्सर जाम लगता है, लेकिन यातायात पुलिस इस ओर ध्यान नहीं दे रही है।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश के मधुमक्खी पालकों का हुआ आर्थिक सशक्तीकरण

- **देश के कुल शहद उत्पादन में 9 प्रतिशत योगदान के साथ राजस्थान शीर्ष पांच राज्यों में हुआ शामिल**

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के किसानों के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। साथ ही, अन्नदाता भी कृषि एवं उससे जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर प्रदेश को नई ऊचाईयों की तरफ ले जा रहे हैं। राज्य सरकार की जनोन्मुखी नीतियों से किसानों का ना केवल कृषि अपितु पशुपालन, उद्यानिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में सशक्तीकरण हो रहा है।

परिणामस्वरूप राजस्थान भारत के कुल शहद उत्पादन में 9 प्रतिशत के योगदान के साथ अब उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और बिहार के साथ देश के पांच सबसे बड़े शहद उत्पादक राज्यों में शामिल हो गया है। मधुमक्खी पालन अब कृषकों के लिए आय का बड़ा स्त्रोत बन गया है। किसान खेती के साथ शहद उत्पादन कर अपनी आय को दोगुना कर पा रहे हैं। वर्तमान में राज्य में लगभग 3 हजार 350 मधुमक्खी पालकों द्वारा 2 लाख 76 हजार मधुमक्खी कॉलोनियां हैं। जिनसे लगभग 8 हजार 200 मीट्रिक टन शहद का उत्पादन किया जा रहा है। राज्य में अलवर, भरतपुर और हनुमानगढ़ शहद उत्पादन में अग्रणी जिले हैं। मुख्यमंत्री की प्राथमिकता है कि प्रदेश का किसान आर्थिक रूप से मजबूत बने। इस क्रम में राज्य सरकार द्वारा किसानों को विभिन्न तरह की आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जा रही हैं। राज्य सरकार द्वारा मधुमक्खी पालन को बढावा देने के लिए वर्ष 2025-26 में 50 हजार मधुमक्खी कॉलोनियां एवं 50 हजार मधुमक्खी बॉक्स वितरित किये जा रहे हैं। इन पर कृषकों तथा मधुमक्खी पालकों को 40 प्रतिशत की दर से कुल 8 करोड़ रुपये का अनुदान राज्य सरकार द्वारा दिया जाएगा। इससे किसानों की लागत कम हो रही है तथा उनकी आय भी बढ़ रही है। साथ ही, प्रदेश के किसान शहद की ब्रांडिंग और मार्केटिंग कर सफल उद्यमी भी साबित हो रहे हैं।सरकार की मंशा है कि मधुमक्खी पालन के लिए किसानों को वैज्ञानिक तरीके से प्रशिक्षण मिले। जिससे बड़ी संख्या में मधुमक्खी पालक लाभान्वित हो रहे हैं। साथ ही, सरकार द्वारा एक हजार मधुमक्खी पालकों को 2 करोड़ रुपये की लागत से मधुमक्खी पालन किट वितरित की जाएगी। इन एक हजार मधुमक्खी पालकों को मधुमक्खी कॉलोनियों के माईग्रेशन पर 9 हजार रुपये प्रति मधुमक्खी पालक की दर से सहायता भी दी जाएगी। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा 10-10 करोड़ रुपये की लागत से भरतपुर एवं टोंक जिलों में मधुमक्खी पालन के उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किये जा रहे हैं। इससे मधुमक्खी पालन को वैज्ञानिक तरीके से प्रोत्साहित करने, मधुमक्खी पालकों को तकनीकी जानकारी उपलब्ध करवाने तथा उनकी विभिन्न समस्याओं के समाधान में सहायता मिलेगी। इन उत्कृष्टता केन्द्रों में मधुमक्खी पालकों को प्रशिक्षण, गुणवत्ता युक्त मधुमक्खी कॉलोनी, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग, पैकिंग, विपणन एवं शहद गुणवत्ता की जांच से जुड़ी आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी।

राज्य में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता एवं आपूर्ति निरंतर जारी : राजन विशाल

- **प्रदेश में वर्तमान में 2 लाख 42 हजार मैट्रिक टन यूरिया, 70 हजार मैट्रिक टन डीएपी, 70 हजार मैट्रिक टन एनपीके एवं 1 लाख 72 हजार मैट्रिक टन एसएसपी उर्वरकों का स्टॉक उपलब्ध**

जयपुर। राज्य सरकार और कृषि विभाग द्वारा उर्वरकों की दैनिक उपलब्धता पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। कम उपलब्धता और अधिक खपत वाले जिलों व ब्लॉकों को चिन्हित कर प्रदेश भर में प्राथमिकता के साथ पूर्ण पारदर्शिता से उर्वरकों का वितरण किया जा रहा है। उर्वरकों की कालाबाजारी व जमाखोरी रोकने के लिए कृषि विभाग के अधिकारी प्रदेश भर में पूर्ण सतर्कता से कार्य कर रहे हैं।

भारत सरकार द्वारा देश में तिलहन एवं दलहन को बढावा देने के दृष्टिगत राज्य में गत वर्ष की अपेक्षा तिलहनी एवं दलहनी फसलों के बुवाई क्षेत्रफल वृद्धि प्रस्तावित की गई है। एवं खाद्यान्न फसलों के क्षेत्रफल में कमी प्रस्तावित की गई है। रबी 2024-25 में 35.03 लाख हैक्टेयर में तिलहनी फसलों, 16.93 लाख हैक्टेयर क्षेत्रफल में दलहनी फसलों एवं 41.66 लाख हैक्टेयर में खाद्यान्न फसलों की बुवाई हुई थी। जिसके विरूद्ध रबी 2025-26 हेतु क्रमशः 38.45 लाख हैक्टेयर में तिलहनी, 21.90 लाख हैक्टेयर में दलहनी एवं 39.80 लाख हैक्टेयर क्षेत्रफल में खाद्यान्न फसलों की बुवाई प्रस्तावित की गई है।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा निरंतर केंद्र सरकार से समन्वय स्थापित कर प्रदेश की मांग अनुसार उर्वरकों की आपूर्ती करवाई जा रही है। राज्य के किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु रबी 2025 में अक्टूबर व नवम्बर में भारत सरकार द्वारा आवंटित 7 लाख 55 हजार मैट्रिक टन यूरिया के विरुद्ध 01 अक्टूबर 2025 को उपलब्ध स्टॉक सहित अब तक 7 लाख 35 हजार मैट्रिक टन की उपलब्धता की जा चुकी है एवं 25 हजार मैट्रिक टन यूरिया परिवहन में है। नवम्बर माह की शेष अवधि में 2 लाख 84 हजार मैट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति राज्य में संभावित है। उन्होंने बताया कि रबी 2025 में अक्टूबर व नवम्बर में भारत सरकार द्वारा आवंटित 2 लाख 69 हजार मैट्रिक टन डीएपी के विरुद्ध 01 अक्टूबर 2025 को उपलब्ध स्टॉक सहित अब तक 3 लाख 6 हजार मैट्रिक टन की उपलब्धता की जा चुकी है एवं 10 हजार मैट्रिक टन डीएपी परिवहन में है।

कपड़े की दुकान में लगी आग

टोंक/ जयपुर । देवली उपखण्ड के नगरफोर्ट के मुख्य बाजार स्थित रेडिमेड कपड़ों की दुकान में गुरूवार को शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई, घटना में 8 लाख रुपए नुकसान बताया गया है।

नगरफोर्ट के मुख्य बाजार स्थित एक रेडिमेड कपड़ों की दुकान से गुरूवार सुबह ग्रामीणों ने जब धुआं उठता देखा तो आसपास हलचल मच गई।

सूचना के बाद दुकानदार रामस्वरूप नायक उर्फ पिंटू मौके पर पहुंचा तथा उसने बताया कि उसने मांडकला मेले में दुकान लगाने के लिए करीब 8 लाख रुपए के नये कपड़े उधार पर लाया था, जो इस आगजनी में जलकर राख हो गये।

घटना में दुकानदार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। घटना के बाद दुकानदार व उसके परिजनों ने सरकार से आर्थिक सहायता की मांग की है, ताकि वे अपना व्यवसाय फिर से शुरू कर सके।

'राज्य सरकार ने सड़क हादसों को रोकने के लिए बना लिया है ड्राफ्ट'

जयपुर। प्रदेश में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े मामले में राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने शुक्रवार को हाईकोर्ट में कहा कि नेशनल रोड सेफ्टी प्लान 2010 व नेशनल रोड एक्शन प्लान 2021-30 के आधार पर सड़क हादसों की रोकथाम के लिए 600 पेज का एक ड्राफ्ट बना लिया है।

वहीं इस संबंध में कार्य योजना को अंतिम रूप दिया जा रहा है। जिसे पेश करने के लिए समय दिया जाए। हाईकोर्ट की खंडपीठ ने राज्य सरकार को कहा कि वह 26 नवंबर तक इसे अदालत में पेश कर दें।

इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई 27 नवंबर को तय की है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश एडवोकेट राजेन्द्र शर्मा की पत्र याचिका पर दिए।

सुनवाई के याचिकाकर्ता ने कहा कि दुर्घटना के दो-चार दिन ही ट्रैफिक पुलिस विजिलेंट रहती है। वहीं बाद में हालात पहले की तरह हो जाते हैं। अभी भी सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं।

गौरतलब है कि पिछली सुनवाई पर खंडपीठ ने सड़क दुर्घटनाओं पर सख्ती बरतते हुए नेशनल व स्टेट हाइवे सहित इनकी सर्विस लाइन से सभी अतिक्रमणों को हटाने का निर्देश दिया था।

वहीं केन्द्र व राज्य सरकार से हाइवे पर वाहनों के लेन सिस्टम व डीजीपी से पेट्रोलिंग करवाए जाने के संबंध में आगामी सुनवाई पर रोडमैप और रोड सेफ्टी एक्शन प्लान पेश करने के लिए कहा था।

इससे पूर्व एडवोकेट राजेन्द्र शर्मा ने हाईकोर्ट को पत्र लिखकर प्रदेश में हो रहे सड़क हादसों को रोकने के लिए सरकारी प्रयासों को नाकाफी बताते हुए इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी करने की गुहार की थी।

दोस्त की हत्या करने वाला साथी हत्यारा गिरफ्तार

जयपुर। सेज थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन नवंबर को आवेश में आकर दोस्त की हत्या करने वाले एक साथी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि खाने के रुपए के लेन-देन की बात को लेकर दोनो में कहासुनी के बाद झगड़ा हुआ था। जिसके बाद गुस्से में आए आरोपित साथी

- **खाने के रुपए के लेनदेन की बात को लेकर हुआ था झगडा**
- **ईट से सिर फोड़कर भाग गया था आरोपित**

ने ईंट से सिर फोड़कर अपने साथी की हत्या कर भाग गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर उसके सम्भावित ठिकानों पर दबिश मारते हुए उसे धर-दबोचा। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ कर रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद ने बताया कि सेज थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन नवंबर को आवेश में आकर दोस्त की हत्या करने वाले साथी आरोपित शिवशंकर लोधा उर्फ बबलू (24) निवासी रुदावल जिला भरतपुर को गिरफ्तार किया है। जो सेज के ग्राम झाई में किराए से रहकर मजदूरी का काम करता है। तीन नवंबर को वह अपने साथी मजदूर मोहम्मद महबूब के साथ ग्राम झाई सेज में निर्माणाधीन दुकान के पास बैठा था। जहां खाने के रुपए के लेन-देन की

पुलिस ने आवेश में आकर दोस्त की हत्या करने वाले एक साथी को गिरफ्तार किया ।

बात को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। झगड़ा होने पर गाली-गलौज होने पर शंकर ने गुस्से में पास पड़ी ईंट उठाकर अपने साथी मोहम्मद महबूब के सिर पर वार किया। सिर फोड़कर मोहम्मद महबूब की हत्या कर आरोपी शिवशंकर फरार हो गया। पुलिस ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाकर मोहम्मद महबूब का शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक के चाचा शहाबुद्दीन के बयानों के आधार पर हत्या का मामला दर्ज कर फरार आरोपित की तलाश शुरू की गई। पुलिस ने भरतपुर के रुदावल में दबिश देकर आरोपित शिवशंकर को धर-दबोचा।

एक ही रात में चार मकानों में लाखों की चोरी

गांव में एक महीने के भीतर चोरी की दूसरी बड़ी वारदात, ग्रामीणों में आक्रोश

- **चोरी की यह पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई, जांच शुरु**
- **चोरों ने सांगनी गांव में 3 से 4 घरों को निशाना बनाया और लाखों के गहने और नकदी पार कर ले गये**

भीलवाड़ा/जयपुर । जिले के करेड़ा थाना क्षेत्र के सांगनी गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक बार फिर बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया है। चोरों ने सांगनी गांव में 3 से 4 घरों को निशाना बनाया और लाखों के गहने और नकदी पार कर ले गये। यह गांव में एक महीने के भीतर चोरी की दूसरी बड़ी वारदात है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों में दहशत और आक्रोश का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, दयाल राम गुर्जर, तेजू राम गुर्जर सहित ज्ञानी देवी के मकानों से अज्ञात चोर लाखों रुपये के गहने (आभूषण) और नकदी लेकर फरार हो गए।

ग्रामीणों ने बताया कि चोरी गए सामान की वास्तविक कीमत का आकलन ज्ञानी देवी के घर वापस आने के बाद ही सामने आ पाएगा। ग्रामीणों के अनुसार, चोरी की यह पूरी वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिससे पुलिस को चोरों की पहचान और तलाश में मदद मिल सकती है।

सार-समाचार

बिजली का वायर कटने से लगे करंट से मजदूर की मौत

जयपुर। बगरू थाना इलाके में गैस पाइप लाइन डालने के लिए गड्ढा खोदते समय बिजली वायर कटने से लगे करंट से एक मजदूर की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का सीएचसी बगरू में पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। थानाधिकारी राजेंद्र गोदारा ने बताया कि करंट लगने से बिहार के अररिया देहाती निवासी मोहम्मद शमीम (45) की मौत हो गई। जो बगरू थाना इलाके के देवलिया में रोड किनारे पाइप लाइन डालने के लिए गड्ढा खोद रहा था। इस दौरान लोहे के सबल से गड्ढा खोदते समय बिजली वायर कटने से उसको करंट लग गया। करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। जिसे अन्य साथियों ने गंभीर झुलसी हालत में सीएचसी बगरू पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान मोहम्मद शमीम की मौत हो गई। मेडिकल सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया और फिर शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के हवाले कर दिया गया।

नकबजनी की वारदात करने वाले दो नकबजनों को धर-दबोचा

जयपुर। मुरलीपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकबजनी की वारदात करने वाले दो नकबजनों को धर-दबोचा है और उनके पास से चोरी का माल लोहे का गेट भी बरामद किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित नशा करने के आदि है और नशा पूर्ति के लिए चोरी की वारदात करते है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि मुरलीपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नकबजनी की वारदात करने वाले 22 वर्षीय रोहित सैनी और 28 वर्षीय शुभम सिंह को गिरफ्तार किया है और दोनो ही आरोपित मुरलीपुरा इलाके के रहने वाले है। जिनके पास से चोरी का लोहे का एक गेट भी जब्त किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित पहले गलियों में अपनी बाइक से सूने मकानों की रेकी करते है और फिर मौका देखकर चोरी की वारदात करते है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

आर्थिक सहायता के लिए 31 दिसंबर तक आवेदन

जयपुर। देवस्थान विभाग की सिन्धु दर्शन तीर्थयात्रा योजना के तहत 31 अक्टूबर तक लद्दाख स्थित सिन्धु दर्शन यात्रा कर चुके तीर्थयात्रियों को 15 हजार रूपए प्रति यात्री तक की आर्थिक सहायता दी जा रही है। इस योजना के तहत आवेदक को आगामी 31 दिसम्बर तक संबंधित सहायक देवस्थान विभाग कार्यालय में लिखित आवेदन करना है। देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि सिन्धु दर्शन तीर्थयात्रा योजना का लाभ न्यूनतम 21 वर्षीय राजस्थान का मूल निवासी ले सकता है। स्वयं के स्तर पर सिन्धु दर्शन यात्रा करने के बाद वास्तविक व्यय का प्रमाण पत्र टिकट, रसीदें आदि प्रस्तुत करनी है। देवस्थान विभाग द्वारा उक्त तीर्थयात्रा पर अधिकतम 15 हजार रूपए प्रति तीर्थयात्री की आर्थिक सहायता का प्रावधान है। इस यात्रा के लिए आर्थिक सहायता का लाभ प्रदेश के 200 तीर्थयात्रियों को प्रदान किया जाता है। इससे अधिक आवेदन प्राप्त होने पर चयन लॉटरी द्वारा किया जाता है। सिन्धु दर्शन तीर्थयात्रा योजना लेह-लद्दाख में सिन्धु नदी तक यात्रा का कार्यक्रम है। यहां सामान्यतः गुरू पूर्णिमा के निकट जून माह के दौरान 3 दिन तक सिन्धु दर्शन उत्सव मनाया जाता है। इस यात्रा का उद्देश्य यात्रियों को देश के उत्तरी सीमान्त क्षेत्र में सिन्धु संस्कृति से परिचित कराना है। सिन्धु दर्शन उत्सव सिंधु नदी और सैंधव संस्कृति का उत्सव है। यह सांप्रदायिक सद्भाव और भारत की एकता के प्रतीक के रूप में आयोजित किया जाता है।

सरकारी जमीन पर बने भवन को किया ध्वस्त

जयपुर । नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार सतर्कता शाखा एवं आदर्श नगर जोन टीम ने शुक्रवार को कार्यवाही करते हुये वार्ड नं. 77, लाल डूंगरी शमशान के सामने, दिल्ली रोड़ जयपुर शराब के ठेके व उसके पास में सरकारी भूमि पर स्थाई अवैध निर्माण को पूर्ण रूप से ध्वस्त किया। गौरतलब है कि वार्ड नं. 77 लाल डूंगरी शमशान के सामने, दिल्ली रोड़, जयपुर शराब के ठेके व उसके पास में सरकारी जमीन पर स्थाई अतिक्रमण की शिकायत प्राप्त होने पर तुरन्त प्रभाव से मौका निरीक्षण करवाकर उपायुक्त सतर्कता से प्राप्त जाप्ते की सहायता से उपायुक्त की मौजूदगी में जोन कार्यालय द्वारा जेसीबी की सहायता से सरकारी जमीन पर किये गये स्थाई अवैध निर्माण को पूर्ण रूप से ध्वस्त किया गया।

एसबीआई डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग सीजन 7 का पोस्टर विमोचन

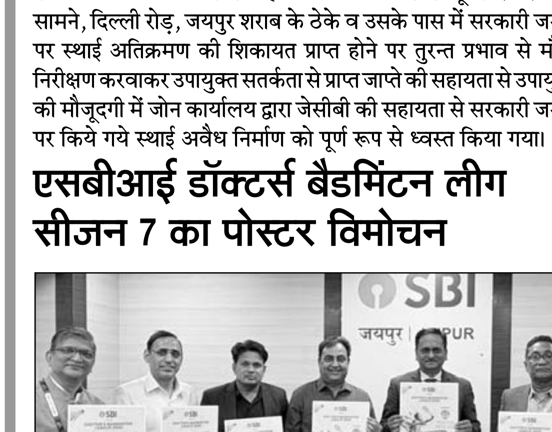

जयपुर। एसबीआई डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग का सातवाँ संस्करण 21/11/2025 से 30/11/2025 तक स्पोफिट अकादमी में होने जा रहा है। लीग संयोजक डॉ हरीश भारद्वाज ने बताया कि पोस्टर का विमोचन एसबीआई के जीएम प्रबुद्ध कुमार व डीजीएम एवम सीडीओ प्रदीप्ता किशोर पांडा ने किया । इस अवसर पर एसबीआई के एजीएम राकेश मामोडीया ,लीग ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ अनिल यादव ,लीग आयोजन सचिव डॉ हनुमान खोजा उपस्थित रहे । लीग चेयरमैन डॉ अनिल यादव ने बताया कि इस बार लीग में किड्स व गर्ल्स कैटेगरी में आठ आठ टीमें ,बॉयज केटेगरी में दस टीम भाग लेंगी व वरिष्ठ वर्ग में बीस टीम भाग लेंगी ।

रविकाश फाइनेंशियल की आगरा शाखा का शुभारम्भ

जयपुर। रविकाश फाइनेंशियल ने यूपी में अपना का विस्तार करते हुए कानपुर और लखनऊ के बाद शुक्रवार को आगरा में 34 वीं शाखा का शुभारम्भ किया गया। रविकाश के डायरेक्टर विकास ओझा और रवि ढींगरा ने फीता काटकर आगरा शाखा का शुभारम्भ किया। रविकाश फाइनेंशियल की आगरा के चंद्र किरण बिल्डिंग में स्थित नवीन शाखा का नेतृत्व सीनियर वाईस प्रेसिडेंट के रूप में विवेक तिवारी, रीजनल सेल्स मैनेजर विकास तंवर और पूनम कुमारी करेंगे।

ARBIT it happens here...

राष्ट्रदूत
SATURDAY
15 November 2025
A-B

National Recycling Day: Promoting a Sustainable Future

National Recycling Day, observed annually on November 15, highlights the importance of recycling in preserving our planet's resources and reducing waste. It encourages individuals, communities, and industries to rethink consumption patterns, segregate waste, and reuse materials wherever possible. Recycling helps lower pollution, conserve energy, and reduce landfill dependence, contributing to a cleaner, greener environment. Schools, businesses, and local governments often organise awareness campaigns, workshops, and collection drives to inspire eco-friendly practices. On this day, everyone is urged to make small, sustainable choices, from recycling paper, plastics, and metals to supporting products made from recycled materials, shaping a healthier planet for future generations.

#STORY

It Matters

I still go to the store every Friday. Now, sometimes, someone pays for my chocolate bar. And I let them.

My name's Veronica. I'm 80. I live alone in a small apartment above a hardware store in Brighton. I don't have much, but I get by. Pension. A little savings. My garden on the balcony, mint, thyme, and one stubborn tomato plant.

Every Friday, I go to the same supermarket. Same time. Same cart. I buy tea, bread, canned soup, and always... always a chocolate bar. My treat.

One rainy afternoon, I was in line behind a young woman. She had two toddlers with her. One was crying softly. The other was holding a stuffed rabbit missing an eye.

She put everything on the belt, milk, eggs, rice, frozen peas, diapers. Her hands were shaking.

When the cashier said the total 838.76, she froze....

She pulled out a card. It declined. She tried another. Declined.

She whispered something to the cashier. "Can I take the milk and bread out?" Her voice broke.

That's when I did something without thinking. I handed my card to the cashier. "Put it all on mine."

The woman turned. Eyes wide. "No, I can't, You can," I said. "We all need help sometimes."

I smiled. Grabbed my small bag. Left before she could thank me.

I didn't do it for thanks.

I remembered being young. Broke. Scared. Raising my son after my husband left. I once stood in a line just like that... and no one helped. So, I paid. And went home.

But here's what I didn't know.

That woman, her name is Leila wrote about it on a community Facebook group that night.

"A stranger paid for my groceries today. An older lady with grey hair and kind eyes. She didn't lecture me. Didn't ask for anything. Just paid. And walked away. I cried in the car. My kids ate dinner that night because of her. If you know her, tell her... thank you isn't enough."

Someone commented, "Wait - was she wearing a yellow raincoat?"

Another said, "She lives above Thompson's Hardware, right? I see her watering plants every morning."

Within hours, people started showing up at my door. Not reporters. Not cameras. Neighbors.

They brought flowers. A jar of homemade jam. A hand-knitted scarf.

One teenager left a note. "You paid for her. I'll pay forward, I'm tutoring kids at the youth center free now."

Then came the letters.

A nurse, "I stayed late to comfort a patient last night. Because you reminded me kindness matters."

A man recovering from addiction, "I returned a wallet I found. Thought of you."

And Leila? She visited me last week. Brought her kids. We sat on my balcony. Drank tea. The little one gave me the one-eyed rabbit. "He likes you," she said.

I still go to the store every Friday. Now, sometimes, someone pays for my chocolate bar. And I let them. Because kindness doesn't end.

It just waits.... for someone brave enough to start it.

Freedom In 1947 Set The Tone Of India-Afghan Good Relations

The Treaty was not ratified by any legislative bodies of either sides, and hence, it is legally untenable. The Durand Line and the boundary (administrative border) between the Tribal Agencies and Settled Districts of the North-West Frontier Province (now Pakistan's Khyber Pakhtunkhwa province) were simply delineating zones of influence and responsibility. Thus, it can be stated that it was not a legally-binding demarcated and delineated international boundary (IB) at all, but was rather a de-facto arrangement keeping the geopolitical developments in mind at that point of time.

A group of Afghan men in Kabul.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

#THE TRUTH

It has always been and continues to be Afghanistan that constitutes the principal existential threat to Pakistan. After all, Afghanistan was the only country that had formally opposed the creation of Pakistan at the UN. And this was due to the geopolitical cartography drawn by the then British Colonial administrator, led by Sir Henry Mortimer Durand in 1893 through a pact with the then Amir of Afghanistan, Abdur Rahman, covering a vast stretch of terrains both rugged as well as plains (though strategically significant) of over around 1,519 miles. One of the major legal implications of the Durand line Agreement of 1893 is that the delimitation of territories which created a de-facto frontier (not boundary) between Afghanistan and India. As part of the Agreement, the Amir retained his position in the Wakhan Corridor, thus separating the Tzarist Russian and British troops. At the same time, he also ensured his control over the 'Asmar district and the Wazir district of Birmal.' On the other hand, the Amir as part of the Treaty had agreed to transfer Pashtun-dominated regions like 'Chitral, Swat, New Chaman, Khabiar Pass, Chagai, North Waziristan,' etc. The Treaty was not ratified by any legislative bodies of either sides, and hence, it is legally untenable. The Durand Line and the boundary (administrative border) between the Tribal Agencies and Settled Districts of the North-West Frontier Province (now Pakistan's Khyber Pakhtunkhwa province) were simply delineating zones of influence and responsibility. Thus, it can be stated that it was not a legally-binding demarcated and delineated international boundary (IB) at all, but was rather a de-facto arrangement keeping the geopolitical developments in mind at that point of time. In 1921, Afghanistan and British Colonial administration signed another agreement that provided a three-year term for the Treaty and 'revocation' of the Treaty if 'both the parties agree.' In addition, legal luminaries and scholars have stated that the British colonial administration 'signed the treaty using duress' in 1893, hence, any law which was signed 'under duress is invalid' in the domain of International Law.

This has been the ground of attrition between Pakistan and Afghanistan. It began in November 1949, India's ambassador to Afghanistan sent a letter to the foreign secretary, celebrating the positive shifts in the chilly relations between the two nations.

"As you are aware, the Indian consulates both at Kandahar and Jalalabad have started functioning," Ambassador Rup Chand wrote. "I have received reports from the respective Vice-Consuls and it is apparent that the prestige of India has gone high in the eyes of Afghans."

The thaw in the relations began after India became free. Until then, many Afghans had viewed India with hostility owing to the participation of British-Indian forces in the three Anglo-Afghan Wars. In the second of these conflicts, lasting from 1878 to 1880, Afghanistan lost control of the Khyber Pass and many Pashtun areas, which were handed to undivided India.

India's independence and partition changed two things. It dehyphenated India from Britain. And it transferred the areas seized in the Second Anglo-Afghan War from India to Pakistan, changing the object of Afghans' animosity.

So bitter were Afghans over Pakistan's control of the North West Frontier Province, which is dominated by Pathans, that they tried to keep the country out of the United Nations. "Afghanistan also has been bold in advancing her claim to Northwest frontier territories on the ground that Pathans inhabiting these areas on Afghanistan's border are racial brothers of Afghans."

India's ambassador in Kabul told the vice-consuls in Jalalabad and Kandahar, Narendra Nath and Ram Chand Kalra, to closely monitor Afghanistan's ambitions for the North West Frontier Province. Following the direction, both diplomats dispatched regular reports covering socio-economic and political issues, including the ways Afghans perceived India and Indians.

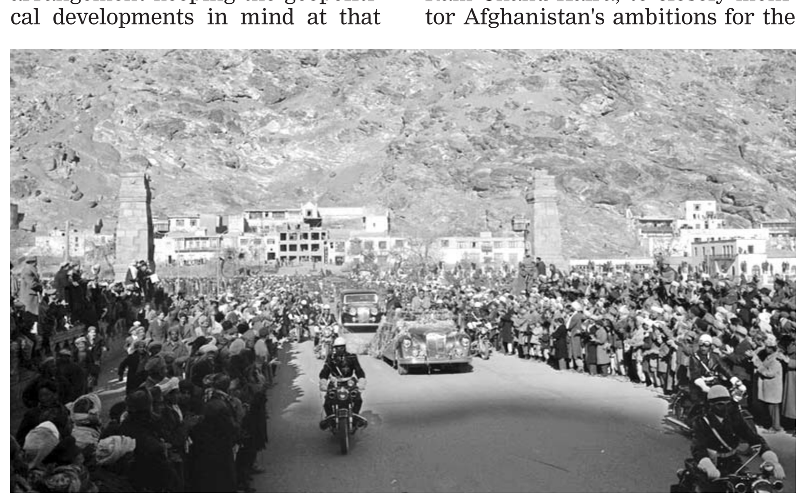

Afghanistan in the 1950s and '60s.

King Zahir Shah with Afghan President, Hamid Karzai.

This is what the map of Afghanistan looked like before the Sikh annexation of the land.

American interest

To read their despatches today is to see the historic roots of some of the contemporary events in South Asia. In his letters, for instance, Kalra observed the growing American interest in Afghanistan.

Kandahar, at the time, had a small American community, consisting mainly of employees of the civil engineering company Morrison-Knudsen. "They are making roads, dams and other public works," Kalra wrote. "This is not exactly known on what terms they are working. It is said they charge a certain percentage over and above the actual expenditure, and then, the Afghan Government shares a certain portion of the net profit which the company gets in the long run."

Kalra picked up on a possible link between the American activities in Afghanistan and the Cold War. "There is a fairly good deal of rumour going round that the object of the Americans is not just commercial but they have political ends in view, i.e. the Americans want to know the strategic points from the military point of view which should stand them in good stead in the event of war with Russia," he wrote. "Some go to the length of saying that U.S.A. is financing the Afghan Government for these projects and that there is some understanding on the part of U.S.A. of advancing Afghanistan some loan."

Kalra said it was "difficult to get at the truth but one thing is certain that the Americans want to increase their influence in Afghanistan vis-a-vis the other countries, especially their greatest rival, Russia."

Trade difficulties

Not just the Americans, in Kalra's telling, Afghans too were pleased with Indians. When independent India's first diplomatic mission opened in Kandahar, locals welcomed it. "The Afghans expressed great pleasure on the opening of our Consulate when they came to attend the party given on the 1st instant," he wrote in an October 1949 report. "The function was well attended. The Americans with their ladies added to the elegance of the show."

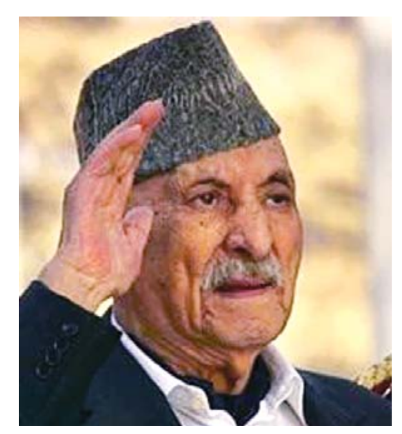

King Mohammad Zahir Shah.

In the same report, Kalra said that Afghans had hopes from India. "While the top Government officials eulogise the Indian Government and its officers, the middle class is looking to India for rendering them some good in the field of trade whereby the living conditions of Afghan masses would be ameliorated."

One of the major obstacles to increased trade between the two countries was Pakistan. The military commander of Kandahar told Kalra that Pakistan was not letting Afghan traders send goods to India through its territory. "The smoothness of trade prevailing in the pre-partition days has been disturbed," Kalra wrote. "The difficulties according to some of the traders, I have seen, are manifold. In the first place, they have to spend time and money in getting a permit from Karachi."

Next, the authorities in Karachi tried to convince Afghans to sell their products to Pakistani middlemen, who wanted to monopolise trade from Afghanistan to India. "The other main difficulty is that the consignments between Afghanistan and India in the names of Hindu traders are often tampered with on the way and the latter have to get them booked in the name of other fictitious traders," Kalra wrote.

Trade between the countries was also affected by the devaluation of the Indian rupee. Pakistan, which refused to do the same to its currency, created what Kalra called 'anxieties' and 'misunderstandings' through the rumour mill in Kandahar. "The reported devaluation of Indian currency along with the anti-India propaganda gave impetus to trading with Pakistan," Kalra said, adding however that this was a temporary phenomenon. A month after India devalued the rupee, Afghanistan followed suit and trade once again picked up.

Secessionists in Pakistan

Under King Mohammed Zahir Shah, Afghanistan became a supporter of the right to self-determination of Pashtun people. When Pakistan put Khan Abdul Ghaffar Khan, who had made the demand for Pashtunistan, under house arrest, there were protests in parts of Afghanistan.

Kalra kept track of rallies and statements from Afghan leaders in support of the self-determination movement. "The Pashtunistan issue continues to dominate the political sphere and the movement had made further headway in the fortnight under report," he wrote. "A big Jirga of Khanzadgan, Safi and Shinwaris was held at Sheikh Baba Ziarat, in which Mohd. Shueb Jan, after hoisting the Pashtun national flag, delivered a speech on the unscrupulous treatment of Pakistan and their determination to achieve liberation from their domination at all costs."

This was the time Pakistan began accusing the Indian government of fanning the demand for Pashtunistan. While the correspondence between Indian diplomats in Afghanistan in 1949 seems to suggest that New Delhi was merely observing the situation, it is true that there was support for the cause among ordinary Pashtuns in India.

"The Pathans of Ahmedabad in India held a meeting under Maulana Mohd. Akbar in which all the participants expressed their readiness to do their utmost for the attainment of Azad Pashtunistan," Kalra wrote in a December 1949 report. "They also decided to request all the other countries to recognise Azad Pashtunistan. This progress has naturally perturbed the Pakistani authorities."

A similar meeting was held by Indian Pashtuns at the historic Fatehpuri Mosque in Old Delhi, where it was decided to garner support for the Pashtunistan movement.

Pakistan used the news of these gatherings to step up claims that India was actively supporting the Pashtunistan movement. In its information campaign, a despatch says, Pakistan also spread the rumour that an official named Meher Chand was recruiting for the Indian Army in Afghanistan's border areas with the North West Frontier Province

At this tense moment, Indian diplomats in Kandahar, Jalalabad and Kabul looked for signs of military build-ups to see whether Afghanistan would use force to settle the Pashtunistan question. The situation was particularly tense in January 1950 when Afghanistan and Pakistan exchanged strong words.

The vice consul added that 'while Pakistan's mainstay is their criticism of Afghans' economic structure and autocratic rule, the Afghans find fault with Pakistan's policy of putting several thousand innocent Pashtuns in jail for their only fault of demanding independent Pashtunistan. In this cold war, there is naturally an influx of wrong and fabricated news items.'

In 1950, Afghanistan was not really in a position to wage a war against Pakistan. So, instead, it gave moral support to the Pashtunistan cause, with regular radio broadcasts in Pashto, Urdu and Dari calling for self-determination for those living east of the Khyber Pass.

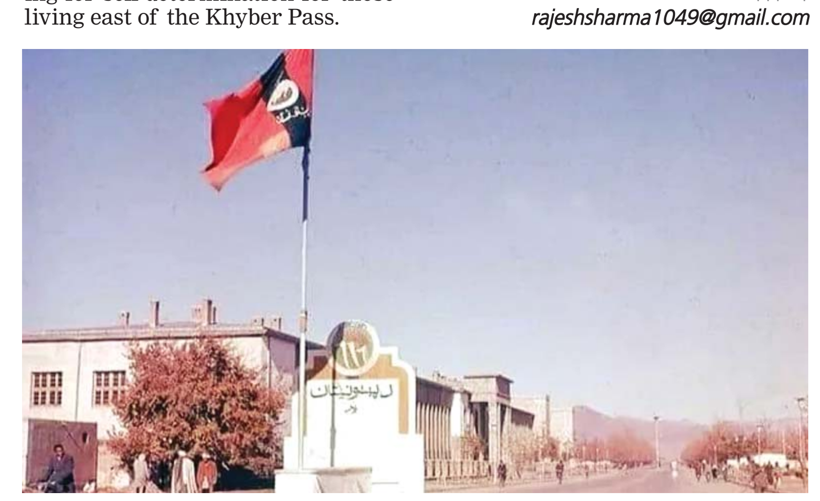

Flag of Pashtunistan, in Afghanistan.

Friendship treaty

While the ties between Kabul and Karachi were in a freefall, Afghanistan's relationship with India continued to thrive. On January 4, 1950, the two signed a five-year friendship treaty, mutually recognising each other's independence, agreeing to build cultural relations, and furthering cooperation in industry and agriculture.

"The news was received by the Afghan masses with joy and enthusiasm, but has aroused jealousy and suspicion in Pakistani circles," Kalra wrote. Soon after the treaty was signed, a radio telegraph service between India and Afghanistan became operational, with their ministers of communication exchanging messages.

A few weeks later, when India became a republic on January 26, 1950, Afghanistan welcomed the event, with Prime Minister Shah Mahmud Khan sending a congratulatory telegram to Nehru and Kabul Radio broadcasting a special programme. The next day, a celebration was held in Kandahar for the upper classes and important traders. "Sentiments of pleasure were expressed by one and all on the auspicious occasion," Kalra observed.

A daily newspaper, *Talu-i-Afghan*, marked the event with a front page editorial headlined 'India Becomes Republic' that read: "We have sanguine hopes that the new constitution, which is based on equality and unity, will give 32 crores of people of all religions, Hindu, Muslim, Sikh, Christian etc., equal rights, and as is clear from the lives of their leaders, everyone will have rights of all kinds of freedom."

The editorial said that "India has the right type of leaders like Pandit Jawahar Lal Nehru, Abdul Kalam Azad, Sardar Patel and others. It has also vast resources and in a short span of its independent life, it has succeeded in creating friendly relations with all the Islamic countries of the East."

These sentiments guided the India-Afghanistan relationship, keeping them strong and friendly, until the 1970s, when Afghanistan became a major Cold War flashpoint between the United States and the Soviet Union.

rajeshsharma1049@gmail.com

#HEALTH

Can't You Sleep!

Not All Insomnia Is the Same, In Fact, There May Be 5 Types

There's a new way of looking at insomnia.

Rather than just considering sleep-related symptoms, a new study from the Netherlands branches out to look at personality traits and emotions and finds there are five types of insomnia.

The findings may pave the way for a better understanding of the causes of insomnia, as well as the development of more personalized treatments for the condition, the researchers said.

Five types

Insomnia affects an estimated 10 percent of the population. The main symptoms involve difficulty falling or staying asleep, for example, people with the condition may lie awake for long periods before being able to fall asleep, or they may wake up too early and not be able to fall back to sleep, according to the National Institutes of Health.

But despite having similar symptoms, people with insomnia can vary widely in their response to treatment. In addition, attempts to find 'biomarkers' for the condition, like commonalities in people's brain scans, have proved futile, the researchers said. These inconsistencies suggest that there may be more than one type of insomnia.

In an effort to find 'subtypes' of insomnia, the researchers analysed information from more than 4,000 people who filled out online surveys about their sleep habits and other traits as part of a project called the Netherlands Sleep Registry.

Based on their survey responses, about 2,000 of these participants had insomnia. (These participants scored high on an insomnia-related survey but did not have a confirmed diagnosis.) To identify subtypes, the researchers went beyond looking at sleep-related symptoms and considered other factors, including personality traits, mood, emotions and response to stressful life events.

The study authors found that participants with insomnia tended to fit into one of five categories:

- **Type 1:** People with type 1 insomnia tended to have high levels of distress (meaning high levels of negative emotions like anxiety and worry) and low levels of happiness.
- **Type 2:** People with type 2 insomnia had moderate levels of distress, but their levels of happiness and experiences of pleasurable emotions tended to be relatively normal.
- **Type 3:** People with type 3 insomnia also had moderate levels of distress but had low levels of happiness and reduced experiences of pleasure.
- **Type 4:** People with type 4 insomnia typically had low levels of distress, but they tended to experience long-lasting insomnia in response to a stressful life event.
- **Type 5:** People with type 5 insomnia also had low levels of distress, and their sleep disorder wasn't affected by stressful life events.

These subtypes were consistent over time: When participants were surveyed again five years later, most of them maintained the same subtype.

Personalized treatment?

The researchers also found that people with different insomnia subtypes differed in terms of their response to treatment and their risk of depression. For example, people with subtypes 2 and 4 saw the most improvement in their sleep symptoms after taking a benzodiazepine (a type of tranquilizer), while people with type 3 did not see improvement from this type of drug. In addition, people with subtype 2 responded well to a type of talk therapy called cognitive behavioural therapy, while people with subtype 4 did not. People with subtype 1 had the greatest lifetime risk of depression.

The findings suggest that certain insomnia treatments may work best for certain subtypes, and future research should examine this. In addition, identifying people with insomnia who are at greatest risk of depression may lead to ways to help prevent depression in this group, the researchers said.

In an editorial accompanying the study, Tsuyoshi Kitajima, of the Department of Psychiatry at Fujita Health University School of Medicine in Japan, said the work shows that "robust subtyping is possible" among a group of people with insomnia.

However, Kitajima said some sleep doctors may have concerns about these subtypes because they are largely based on factors that aren't directly related to sleep. But Kitajima noted that some of the subtypes described in the new study bear similarities to previously accepted (though now abandoned) categories of insomnia. For example, people with subtypes 1 and 2 tended to develop symptoms early in life, in childhood or adolescence. This is similar to symptoms seen in people with so-called 'idiopathic insomnia,' a traditional category of insomnia in which people develop the condition early in life without an identifiable cause. (However, idiopathic insomnia is no longer listed as a type of insomnia in the diagnostic manual known as the International Classification of Sleep Disorders, Third Edition).

Kitajima added that it would be beneficial to confirm the findings in people who have actually been diagnosed with insomnia. The study authors also noted that participants volunteered to take part in a sleep-related study, and this group may not necessarily be representative of the population as a whole. There could also be additional subtypes that have yet to be identified.

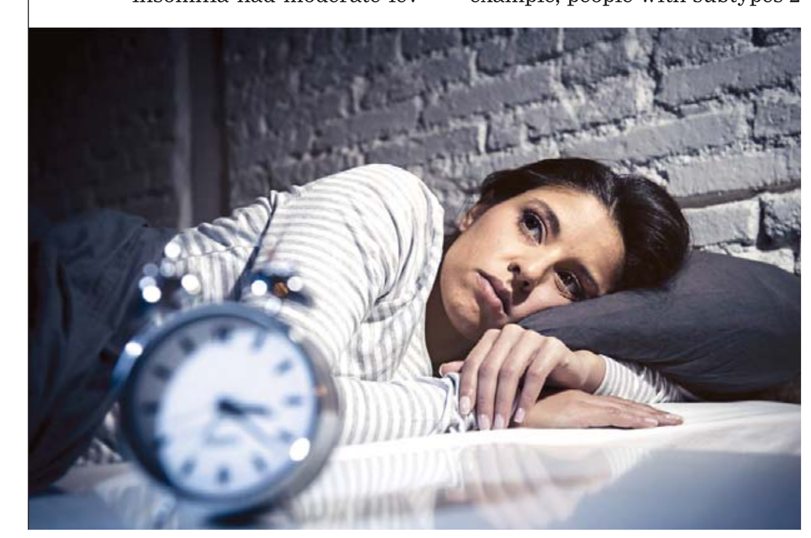

THE WALL

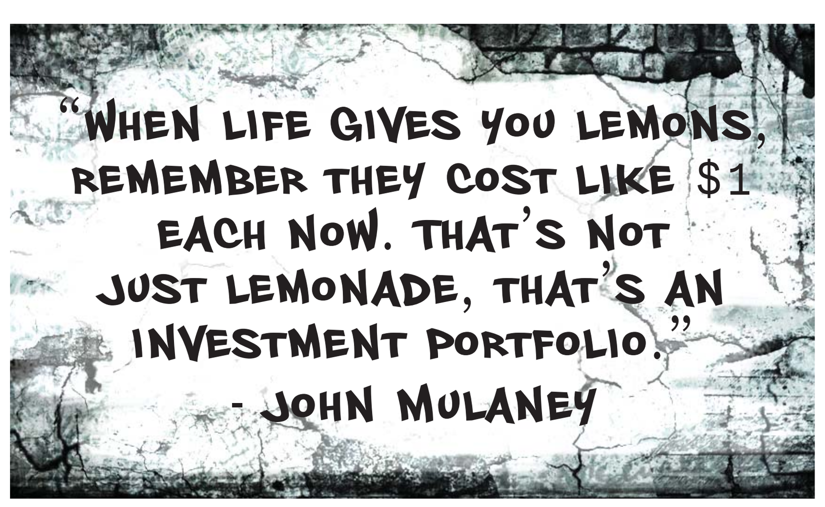

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

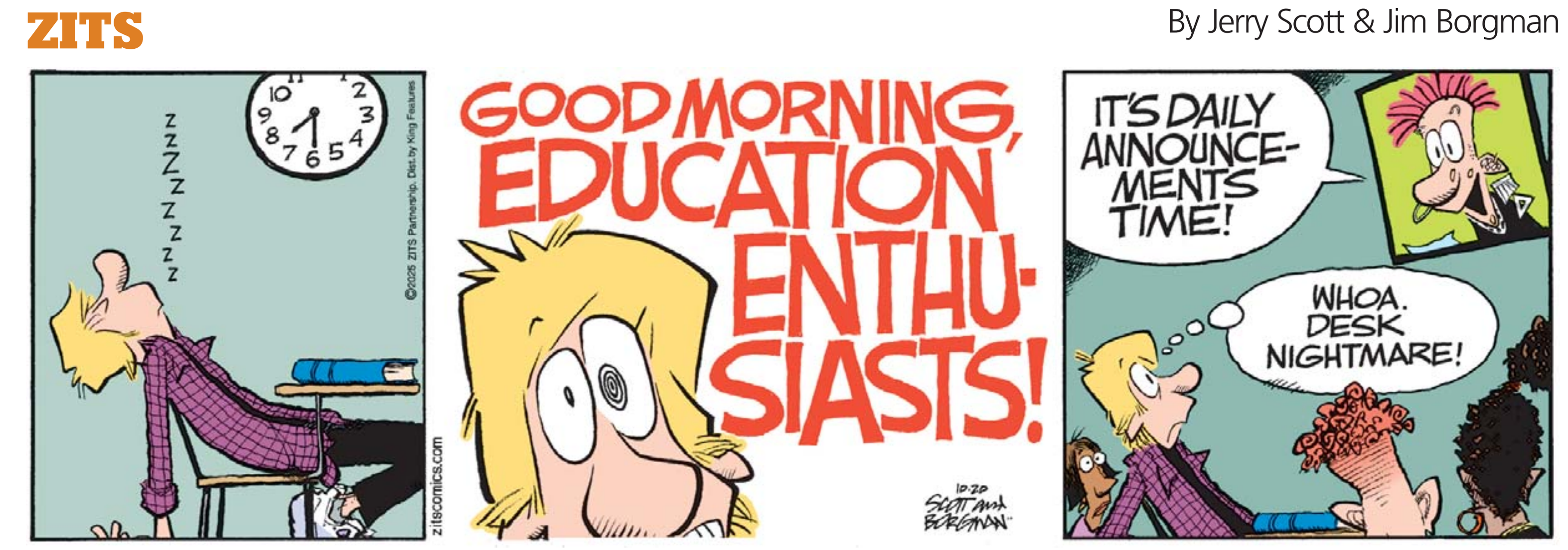

लूट के इरादे से सर्राफा व्यापारी पर फायरिंग करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

पुलिस 50 सीसीटीवी खंगालते हुए आरोपियों तक पहुंची और गिरफ्तार किया

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के रूपवास में गत 12 नवंबर को सर्राफा व्यापारी का बैग लूटने में नाकाम रहे आरोपियों ने फायरिंग की थी। पुलिस 50 सीसीटीवी खंगालते हुए आरोपियों तक पहुंची। वारदात को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

एसपी दिगंत आनंद ने शुक्रवार को बताया कि रूपवास कस्बे के महादेव चौक के पास मनुआ वाली गली में 12 नवंबर को 3 बदमाशों ने सर्राफा व्यापारी धीरज रघुवंशी को लूटने की कोशिश की। धीरज के पास ज्वेलरी और कैश से भरा बैग था। आरोपियों ने बैग छीनने की कोशिश की, लेकिन धीरज ने बैग नहीं छोड़ा। इस पर आरोपियों ने फायरिंग कर दी। फायर के छर्रे धीरज के पास खड़े किराना व्यापारी अरुण सिंघल के चेहरे पर लगे। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए। व्यापारियों ने आक्रोश जताया और पुलिस में रिपोर्ट दी। एसपी दिगंत आनंद ने बताया बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस की टीमों का गठन किया गया।

सर्राफा व्यापारी पर फायरिंग करने के तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

पुलिस ने 50 सीसीटीवी के फुटेज इकट्ठे किए। सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की पहचान की गई। वे रूपवास कस्बे के ही रहने वाले थे। तीनों को चिन्हित कर थाने पर लाया गया। उनसे सर्राफा व्यापारी की लूट की वारदात को लेकर पूछताछ की गई। आरोपियों ने वारदात को अंजाम देना कबूल किया। तीन आरोपियों में से दो गुज्जर नट और सौरभ नट सगे भाई हैं। दोनों रूपवास में बांगड़ कॉलोनी के रहने वाले हैं। तीसरा साथी चंद्रकेश उर्फ़ लुक्का भी बांगड़ कॉलोनी में रहता है। तीनों से पूछताछ की जा रही है। एसपी दिगंत आनंद ने बताया अब तक हुई पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने गिरोह बना रखा था, गिरोह के कुछ लोग व्यापारी की रेकी कर रहे थे। इसके बाद लूट की साजिश रची गई। लूट नाकाम हुई तो फायरिंग कर दी। वारदात में इस्तेमाल बाइक जब्त कर लगी है। हथियारों को लेकर पूछताछ जारी है।

■ **आरोपियों ने गिरोह बना रखा था, गिरोह के कुछ लोग व्यापारी की रेकी कर रहे थे, इसके बाद लूट की साजिश रची गई**

एफसीआई गोदाम से हजारों टन गेंहू का गबन, जांच शुरु

विभागीय स्तर पर जांच में कुछ लोगों की मिलीभगत सामने आई, जिसमें सरकारी कर्मचारी भी शामिल रहे

जोधपुर, (कासं)। बासनी औद्योगिक क्षेत्र द्वितीय चरण में एफसीआई गोदाम से हजारों टन गेंहू का गबन हुआ। पूर्व में पता लगने पर विभागीय स्तर पर जांच की गई, तब कुछ लोगों की मिलीभगत सामने आई, जिसमें सरकारी कर्मचारी भी शामिल रहे। गेंहू कितने का था, इस बारे में खुलासा नहीं हुआ है। गबन छह माह तक चलता रहा। ऑडिट में इसका खुलासा हो पाया। अब एफसीआई के प्रवर्तन अधिकारी ने कुछ लोगों को नामजद कर बासनी थाने में रिपोर्ट दी है, जिसमें गहनता से तफ्तीश आरंभ की गई है।

■ **गबन छह माह तक चला, ऑडिट में खुलासा हुआ, एफसीआई के प्रवर्तन अधिकारी ने थाने में रिपोर्ट दी**

जिला रसद विभाग के प्रवर्तन निरीक्षक राजकरण बारहठ की तरफ से बासनी थाने में केस दर्ज करवाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार एफसीआई का गोदाम बासनी द्वितीय चरण में आया है। 1 सितंबर 24 से लेकर 28 फरवरी 25 तक गोदाम से लाखों टन गेंहू का गबन होना मिला। लोगों तक गेंहू नहीं पहुंचा। ऑडिट मिलान और जांच में आरंभिक तौर पर पता लगा कि इसमें ट्रांसपोर्टर से लेकर सरकारी कार्मिक शामिल है। बारहठ ने बासनी थाने में कुछ लोगों राजेश पंवार, मंगलाराम, खेताराम, नरेश दातवानी उर्फ कालू आदि को नामजद कर रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट में गेंहू कितने का था इसका जिक्र नहीं किया गया है, मगर उसकी क्वांटीटी हजारों टन में बताई जाती है।

किसान की कुएं में गिरने से मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा जिले के आसींद थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जब गुरुवार शाम से लापता किसान का शव कुएं से बरामद किया गया।

बरनाघर निवासी धर्मीचंद गुर्जर (55) की मौत कुएं में डूबने से हुई है। गुरुवार शाम वे अपने खेत पर मोटर चलाने गए थे, लेकिन घर नहीं लौटे। देर रात जब परिजन खेत पहुंचे तो कुएं में उनकी पगड़ी तैरती देख अनहोनी की आशंका हुई। सूचना पर पुलिस और ग्रामीणों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। कुआं पानी से भरा होने के कारण रेस्क्यू में भारी दिक्कतें आईं। ग्रामीणों की मदद से तीन मोटरों के जरिए पूरी रात पानी निकाला गया। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे पानी का स्तर कम होने पर अजमेर से बुलाई गई एसडीआरएफ टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर शव को बाहर निकाला। मृतक के पुत्र पुखराज गुर्जर ने बताया कि उनके पिता मोटर का पाइप बांधते समय फिसलकर कुएं में गिर गए थे। पुलिस ने शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, आसींद भेजा, जहां पोस्टमार्टम के बाद परिवार को सौंप दिया गया।

मृतक किसान (फाइल फोटो)।

बीएलओ निलंबित

नदबई/भरतपुर, (निसं)। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में लापरवाही बरतने पर विधानसभा क्षेत्र नदबई के बीएलओ राजवीरसिंह को निलंबित किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी ने बताया कि एसआईआर के अन्तर्गत परिगणना प्रपत्र के शून्य डिजिटाइजेशन एवं द्वितीय चरण के परिगणना प्रपत्रों को सुपरवाईजर से प्राप्त किए बिना ही ऑनलाइन वितरण प्रगति को प्रदर्शित करने एवं उच्चाधिकारियों के आदेश की अवहेलना एवं मतदाता सूची से सम्बन्धित राष्ट्रीय महत्व के कार्य में लापरवाही पर नदबई के बीएलओ राजवीर सिंह, अध्यापक राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, लखनपुर (नदबई) को निलम्बित किया गया है। उन्होंने बताया कि निलम्बनकाल में बीएलओ राजवीर सिंह का मुख्यालय कार्यालय उपखण्ड अधिकारी में रहेगा।

भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में प्रदर्शनी का शुभारंभ

अलवर, (निसं)। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने शुक्रवार को प्रताप ऑडिटोरियम में भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जन्म जयन्ती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव वर्ष के तहत जिला प्रशासन के द्वारा एवं सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सहयोग से लगाई गई दो दिवसीय प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर भगवान बिरसा मुण्डा की जीवनी पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

■ **भगवान बिरसा मुण्डा की जीवनी पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया**

जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने दो दिवसीय प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारम्भ किया।

जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन संघर्ष, समर्पण एवं आत्मनिर्भरता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा के जीवन से प्रेरणा लेकर जनजातीय समाज के उत्थान के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की क्रियान्वित्त सुनिश्चित की जा रही है, जिसके तहत जिले के जनजातीय बहुल 142 गांवों में लगभग 17 विभागों की 25 जनकल्याणकारी योजनाओं में सैचुरेशन स्तर प्राप्त करने के लिए अनवरत कार्य किया जा रहा हैं।

जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने प्रताप ऑडिटोरियम में प्रदर्शनी का उद्घाटन फीता काटकर किया। प्रदर्शनी में भगवान बिरसा मुंडा की जीवनगाथा के रूप में उनके संघर्षों एवं आदिवासी समाज के उत्थान के लिए किए गए कार्यों तथा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा जनजातीय समाज के कल्याण हेतु संचालित योजनाओं पर आधारित चित्र लगाए गए, जिसको आमजन एवं विद्यालयों के बालक-बालिकाओं ने उत्साह के साथ देखा। प्रदर्शनी में आए लोगों ने प्रदर्शनी को ज्ञानवर्धक बताया। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में उनके जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रताप ऑडिटोरियम में प्रदर्शन किया गया, डॉक्यूमेंट्री फिल्म के माध्यम से विद्यार्थियों को उनकी संपूर्ण जीवनी एवं ऐतिहासिक योगदानों के बारे में अवगत करवाया गया। बच्चों ने लघु फिल्म को प्रेरणादायक बताया। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सालुखे गौरव रविंद्र, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेंद्र शर्मा, जिला परिषद के अधिशासी अभियंता प्यारेलाल मीणा, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक मनोज कुमार मेहरा सहित जनप्रतिनिधि आमजन एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा 16 को

अजमेर, (निसं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा 2025 का आयोजन 16 नवंबर को किया जाएगा। प्रदेश के समस्त 41 जिलों में यह परीक्षा ली जाएगी। बोर्ड द्वारा ऑनलाइन प्रवेश पत्र और केन्द्र सामग्री जारी कर दी गई है।

■ **प्रदेश के समस्त 41 जिलों में यह परीक्षा ली जाएगी बोर्ड द्वारा ऑनलाइन प्रवेश पत्र जारी किये गये**

बोर्ड सचिव गजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि कक्षा 10 और 12 के लिए राज्यस्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा एसटीएसई का आयोजन रविवार को सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक किया जाएगा।

इसके लिए केंद्र सामग्री और परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं। सभी संस्था प्रधान इन्हें पूर्व में प्रदत्त लॉगिन आईडी पासवर्ड की सहायता से डाउनलोड कर हार्ड कॉपी निकाल कर परीक्षार्थियों को उपलब्ध कराएंगे। केन्द्र अधीक्षक भी निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार केंद्र सामग्री डाउनलोड कर लेंगे। सुबह 8 से रात्रि 8 बजे तक बोर्ड कार्यालय में 15 व 16 नवंबर को नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

आवासीय भूमि से कब्जा खाली करने से इनकार, परिवादी को धमकाया

भरतपुर, (निसं)। जिले के डेहरा मोड़ पुलिस चौकी की ओर से आवासीय भूमि से कब्जा खाली करने का मामला सामने आया है। इतना ही नहीं जब परिवादी कब्जा लेने व नाप कराने के लिए पहुंचा तो उसे धमकाकर भगा दिया गया, जबकि इस प्रकरण में खुद एसपी कार्रवाई के लिए निर्देशित कर चुके हैं।

शहर के सहयोग नगर निवासी कुलदीप सिंह पुत्र हरभान सिंह ने परिवाद में कहा है कि डेहरा मोड पुलिस चौकी के बगल में उसके दो आवासीय भूखंड हैं। आवासीय भूमि पर चौकी वालों की ओर से जप्तसुदा वाहनों का ढेर लगा रखा है एवं प्रभारी को जमीन से सामान हटाने को कहा तो उन्होंने धमकाकर भगा दिया। 18 सितंबर 2024 को तत्कालीन जिला पुलिस अधीक्षक के समक्ष परिवेदना दी थी इस पर एएसपी उज्जैन को न्याय उचित कार्रवाई के लिए आदेश जारी किए थे। उस पर भी आज तक कोई भी कार्रवाई नहीं हुई। 2 सितंबर 2024 को आईजी के समक्ष प्रवेदना प्रस्तुत की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। 5 जून 2025 को तहसीलदार नदबई के आदेश पर पटवारी एवं गिरदावर की ओर से पैमाइश की गई। इस चौकी प्रभारी ने नहीं माना। 7 अगस्त 2025 को तहसीलदार नदबई की ओर से तीन पटवारी एवं दो गिरदावर की टीम गठित करते हुए जमीन नापकर निशानात लगाए एवं ईंट गाढ़कर निशान पक्के किये। नाप के बाद जब हम मुडड़ी लेकर उन्हें गाड़ने एवं तारबंदी करने गए तो चौकी प्रभारी ने कहा कि क्या नाप होती है। मैं किसी नापतोल को नहीं मानता, यह कहकर थाने में बंद करने की धमकी दी एवं भगा दिया। मेरी इस बेशकीमती आवासीय भूमि पर चौकी प्रभारी अपने अधिकार एवं शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए जमीन पर जबरन कब्जा कर रखे हुए हैं। परिवादी ने एसपी से मांग की है कि जल्द जमीन का कब्जा दिलाया जाए, ताकि वह जमीन पर निर्माण कार्य कर सके।

ऑनलाइन गैमिंग से धोखाधड़ी, सात जने गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। बड़गांव थाना पुलिस ने ऑनलाइन गेमिंग जरिये आमजन से धोखाधड़ी कर नकदी की ठगी करने के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर बड़गांव थानाधिकारी पूरणसिंह राजपुरोहित, डीएसटी टीम संयुक्त कार्यवाही करते हुए मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर बड़ी मौया चौराहा के पास स्थित इडीर्नाकाडिया नामक विला पहुंचे, जहां ठहरे गौरव पुत्र गिरधारी भंडारी निवासी भुपालपुरा हाल सर्वऋतुविलास सूरजपोल, रोहित शर्मा पुत्र जगदीश शर्मा निवासी आर के कॉलोनी सुभाषनगर भीलवाड़ा हाल सीपीएस स्कूल से आगे भूपालपुरा, भाग्यदीपसिंह झाला पुत्र सुखदेवसिंह निवासी पारस सोसायटी तेजाभाई पार्क राजकोट गुजरात, बृजराजसिंह पुत्र नटुबासिंह झाला निवासी पारस सोसायटी तेजाभाई पार्क पडढरी राजकोट गुजरात, पार्थ ओझा पुत्र गुणवन्तभाई अक्षर सोसायटी मोतीपुरा ए डिविजन हिम्मतनगर, मयूर पटेल पुत्र मनहरमाई निवासी न्यू सिविल रोड़ मोतीपुरा ए डिविजन हिम्मतनगर गुजरात हॉल लक्ष्मीपुरा देहगांव गांधीनगर गुजरात व कुम्हारों का मोहल्ला बान्सी चित्तौड़गढ़ हाल युनिवर्सीटी रोड निवासी मोतिसिंह पुत्र बलवन्तसिंह आदि साइबर ठगी एवं ऑनलाइन गैमिंग से धोखाधड़ी करते पाए गए, जो अलग-अलग राज्यों से ऑनलाइन फाईनेंसियल फ्रॉड से संबंधित भारत सरकार द्वारा संचालित एनसीअरबी पोर्टल पर शिकायतें दर्ज हो रखी है। जिन्होंने लोगों के बैंक खातें कमीशन पर लेकर कमीशन पर अन्य को देकर उनके जरिये लेन-देन कर ऑनलाइन ठगी करने की जानकारी सामने आई, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

दुकानदार को 20 लाख के चोरी के मोबाइल बेचे

जोधपुर, (कासं)। शहर के एमजीएच रोड स्थित रायबहादुर मार्केट के पास मोबाइल के होलसेलर-रिटेलर को फलोदी के एक व्यापारी ने चोरी के 28 मोबाइल बेच डाले। बदले में 20 लाख रूपए ले लिए। हरियाणा के गुरूग्राम से पुलिस यहां पहुंची तब पता लगा कि मोबाइल चोरी के है। पीड़ित ने पूर्व में पुलिस के चक्कर काटे मगर केस दर्ज नहीं किया गया। अब उसने कोर्ट में इस्तगासे के माध्यम से धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज करवाया है।

जानकारी के अनुससार 17 ई सेक्टर सीएचबी के रहने वाले नवनीत अरोड़ा पुत्र नंदकिशोर अरोड़ा ने यह रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वह वह एमजीएच रोड पर रायबहादुर मार्केट के पास में राजेंद्र मोबाइल प्लाजा नाम से दुकान चलाता है। वह मोबाइल का होलसेलर होने के साथ रिटेल में भी कारोबार करता है। उसका बिजनेस फलोदी के बरकत कॉलोनी निवासी पवन मुंजासर के साथ में गत एक साल से चल रहा था। दोनों आपस में मोबाइल खरीद-फरोख्त कर रहे थे। इस साल 13 और 14 अगस्त को पवन मुंजासर से 28 महंगे फोन खरीदे गए थे। जिसकी कीमत बीस लाख दो हजार थी। प्रति मोबाइल 71 हजार 500 का था। पवन को मोबाइल के रूपए केश और यूपीआई द्वारा किए गए थे। हाल में 11 अक्टूबर को गुरू ग्राम हरियाणा से पुलिस परिवादी नवनीत अरोड़ा की दुकान पर पहुंची और कहा कि वे मोबाइल चोरी के हैं। इस बारे में हरियाणा आने का नोटिस दिया गया। घटना का पता लगने पर आरोपी पवन से बात करने की कोशिश को वह पहले टालमटोल जवाब देने लगा, मगर बार में फोन बंद कर दिया। वाट्सऐप पर मैसेज के जवाब भी नहीं देता था। पीड़ित ने घटना को लेकर पुलिस की शरण ली मगर केस दर्ज नहीं किया गया, अब कोर्ट के मार्फत उदयमंदिर थाने में केस दर्ज करवाया गया है।

■ **हरियाणा से पुलिस यहां पहुंची, तब पता लगा कि मोबाइल चोरी के हैं**

■ **पुलिस ने कोर्ट से इस्तगासे पर अब जालसाजी का केस दर्ज किया**

अवैध खनन व अतिक्रमण के विरोध में ग्रामीणों में रोष

भुसावर/भरतपुर, (निसं)। भुसावर उपखण्ड के सुहारी और कोटकी गांवों के दर्जनों ग्रामीणों ने उपखण्ड अधिकारी कार्यालय पहुंचकर अवैध खनन और अतिक्रमण से हो रही परेशानियों से निजात दिलाने की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा।

ग्रामीणों द्वारा उपखण्ड अधिकारी राधेश्याम मीणा को दिए गए ज्ञापन में बताया गया है कि सुहारी और कोटकी गांवों की तलहटी के पास पहाड़ों में हो रहे अवैध खनन से फसलें और चारागाह भूमि नष्ट हो रही है। अवैध खनन के दौरान किए जा रहे ब्लास्ट से आसपास के क्षेत्रों में भूजल स्तर नीचे जा रहा है, साथ ही चारागाह और पेड़-पौधे भी नष्ट हो रहे हैं। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि दबंग व्यक्तियों द्वारा गांव के चारागाह और पहाड़ी क्षेत्र की भूमि पर जबरन अतिक्रमण कर अवैध कब्जा किया जा रहा है। चारागाह के पेड़ों को काटकर रास्ते बना दिए गए हैं, जिससे पशुओं का चारा पूरी तरह नष्ट हो रहा है। हरित राजस्थान योजना के तहत चारागाह भूमि पर लगाए गए 1500 पेड़ भी नष्ट कर दिए गए हैं। गांव में अवैध खनन से उड़ने वाले धूल के गुबारों के कारण लोगों को सिलिकोसिस जैसी गंभीर बीमारियां हो रही है।

सुहारी कोटकी के ग्रामीणों ने अवैध खनन व अतिक्रमण के विरोध में एसडीएम को सौंपा ज्ञापन।

इस संबंध में उपखण्ड अधिकारी राधेश्याम मीणा ने बताया कि ग्रामीणों ने अवैध खनन और चारागाह भूमि में अतिक्रमण की शिकायत को लेकर ज्ञापन दिया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

फर्नीचर व्यापारी को लूटने वाले पंजाब से गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां चैताली एनक्लेव के पास फर्नीचर व्यापारी की आंखों में मिर्ची डालकर लूट करने के मामले में पुलिस ने दो बदमाशों को बापर्दा गिरफ्तार किया है। पकड़े गए दोनों बदमाश दोस्त हैं और पंजाब के श्री मुक्तसर साहिब के रहने वाले हैं। बदमाशों ने व्यापारी को बचाने आए युवकों पर चाकूओं से जानलेवा हमला भी किया था।

सदर थानाधिकारी सुभाषचंद्र ने बताया कि सात नवंबर की शाम को फर्नीचर व्यापारी गुरसिमरन गोयल (30) अपने इंद्रा वाटिका के पास स्थित मनन फर्नीचर से इलेक्ट्रिक स्कूटी पर शोरूम से घर लौट रहे थे। उनके पास बैग में तीन-चार दिनों की कलेक्शन के चार लाख रुपए थे। साथ ही बैग में एक महंगा लैपटॉप और जरूरी कागजात भी थे। घर से महज 300 मीटर दूर चैताली एनक्लैव में पार्क के पास पीछे से अचानक बाइक पर सवार दो बदमाश आए। उन्होंने व्यापारी की स्कूटी रोकी और बैग छीनने की कोशिश। गुरसिमरन ने बैग नहीं छोड़ा तो बदमाशों ने व्यापारी की आंखों में मिर्ची पाउडर झोंक दिया, जिससे व्यापारी की आंखें जलने लगी तो उसने चीख-पुकार शुरू की। इसी दौरान शोर सुनकर पीछे से आ रहे दो युवकों ने बदमाशों को पकड़ने की कोशिश की तो बदमाशों ने चाकू निकालकर उनपर हमला कर दिया और बैग छीनकर फरार हो गए।

घायलों को जिला अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया, जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए शहर में नाकाबंदी करवाई, लेकिन आरोपी फोन स्विच ऑफ कर भाग गए। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए स्पेशल टीम का गठन किया। पुलिस ने 200 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले और लोकेशन ट्रेस कर आरोपियों को डिटेन किया। इसके बाद उन्हें पंजाब के अमृतसर व लुधियाना से दबिश देकर पकड़ लिया गया। पकड़े गए दोनों बदमाश श्रीमुक्तसर साहिब (पंजाब) के रहने वाले हैं। दोनों बदमाश नशेड़ी प्रवृत्ति के हैं और नशे की लत पूरी करने के लिए ये लूट की वारदातों को अंजाम देते थे।

छात्रा से छेड़छाड़, लोगों ने युवक को दबोचा

भीलवाड़ा, (निसं)। मांडल कस्बे के मेजा रोड पर गुरुवार देर शाम पढ़ाई कर लाइब्रेरी से घर लौट रही एक छात्रा से छेड़छाड़ की घटना सामने आई। छात्रा रोज की तरह पैदल रास्ते से घर लौट रही थी, तभी एक मनचला युवक उसका पीछा करते हुए रास्ता रोककर अभद्र हरकतें करने लगा। घबराई छात्रा ने हिम्मत जुटाई और वहां से गुजर रहे राहगीरों को पूरी बात बताई। छात्रा की बात सुनते ही राहगीरों ने तुरंत आरोपी युवक को मौके पर ही पकड़ लिया, जिससे वह भाग नहीं पाया। इसी दौरान गश्त के तहत वहां से गुजर रही पुलिस सखी रंजना पुरोहित भी मौके पर पहुंची। उन्होंने स्थिति को समझते हुए राहगीरों से आरोपी को सुरक्षित रोककर रखने को कहा और तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। पुलिस दल मौके पर पहुंचा और मनचले को हिरासत में लेकर थाने ले गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आरोपी पहले भी क्षेत्र में घूमता रहता था, लेकिन इस बार राहगीरों की सतर्कता और छात्रा की सूझबूझ के कारण वह पकड़ा गया।

लोगों ने पुलिस सखी रंजना पुरोहित की तत्परता और साहस की सराहना की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने छात्राओं और महिलाओं से अपील की है कि किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तुरंत पुलिस या पुलिस सखी से संपर्क करें।

बाल दिवस पर जागरूकता रैली निकाली

जालोर, (कासं)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश हारून के निर्देशन में शुक्रवार को बाल दिवस पर शुक्रवार को कई जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रैली का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। रैली को जिला न्यायाधीश हारून ने हरी झंडी दिखाकर रवाना। यह रैली जिला न्यायालय परिसर से रवाना होकर अस्पताल चौराहा होते हुए हरिदेव जोशी सर्किल से वन वे होते हुए वापस जिला न्यायालय में आकर विसर्जित हुई। रैली में विद्यार्थी हाथों में तख्तियां लिए विभिन्न नारे लगाते हुए चल रहे थे। इस दौरान पोक्सो कोर्ट के न्यायाधीश प्रमोद कुमार मलिक, पारिवारिक न्यायालय के न्यायाधीश अमर वर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अहसान अहमद, सीजेएम प्रिया टावरी, एसीजेएम राजेंद्रसिंह चारण, एसीजेएम संख्या द्वितीय अंकित दवे, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मुनेश कुमार मीणा, एसीबीईओ रमेश खोरवाल, जब्बरसिंह देवडा आदि मौजूद रहे।

इस दौरान अतिथियों के हाथों न्याय आपके द्वारा लोक उपयोगिता समस्याओं का सुलभ और त्वरित समाधान को लेकर रालसा की ओर से शुरू किए गए तीन माह के अभियान के प्रचार प्रसार को लेकर पोस्टर का विमोचन किया गया। इस मौके पर विधिक जागरूकता शिविर का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अहसान अहमद ने बाल दिवस के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने निशुल्क विधिक सहायता, पीड़ित प्रतिकर स्कीम, राष्ट्रीय लोक अदालत, पीएलवी के कार्य एवं अन्य जानकारी दी। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मुनेश कुमार मीणा ने बाल दिवस के बारे में विस्तार से बताया एवं अपने अधिकरों के प्रति सचेत होने का आव्हान किया। इस दैरान महात्मा गांधी स्कूल शिवाजी नगर के अध्यापक हितेश दवे ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पीटीआई नरेश लोकर, सज्जन कुमार, शैलजा माथुर, शिवदत्त आर्य, रमेश दान, जेठाराम, हनुमान दवे, रोहिताश्व शर्मा, प्रियंका शर्मा, धनवंत, अश्विनी कुमार आदि मौजूद रहे।

इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में पोस्टर, निबंध व वाद विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने भाग लिया। पोस्टर प्रतियोगिता में 13 निबंध प्रतियोगिता में 21 वाद विवाद प्रतियोगिता में 7 विद्यार्थियों ने भाग लिया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम नेहल माथुर महात्मा गांधी विद्यालय शिवाजी नगर व राकेश परिहार पीएम श्रा राउमावि जालोर तथा द्वितीय काव्या ठाकुर महात्मा गांधी विद्यालय शिवाजी नगर व तृतीय स्थान पर जितेंद्र कुमार पीएमश्री राउमावि जालोर रहे। निर्णायक की भूमिका शैलजा माथुर व प्रियंका शर्मा ने निभाई।

अंता उपचुनाव में बीजेपी की हार का कारण टिकट चयन को लेकर खींचतान रही

मोरपाल सुमन को टिकट दिया गया, जो पार्टी की पहली पसंद नहीं थे, इस असमंजस ने बीजेपी की चुनावी पकड़ कमजोर कर दी और कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भी कम कर दी

- उपचुनाव में कांग्रेस की सबसे बड़ी सफलता उसकी एकजुटता रही, कांग्रेस ने पूरे चुनाव अभियान को समन्वित बनाए रखा
- निर्दलीय नरेश मीणा शुरुआत में कांग्रेस के लिए खतरा माने जा रहे थे, इसलिए कांग्रेस सतर्क रही, परंतु बीजेपी ने उन्हें किसी भी खतरे की श्रेणी में नहीं रखा

जयपुर/अंता। अंता विधानसभा उपचुनाव का परिणाम प्रदेश की सियासत में एक बड़ा संकेत छोड़ गया है। कांग्रेस ने वह सीट बीजेपी से छीन ली, जिसे पिछले चुनाव में वह मामूली अंतर से हार गई थी। इस बार कांग्रेस उम्मीदवार प्रमोद जैन भाया ने तीन गुना बड़े अंतर से जीत दर्ज की। कांग्रेस की इस अप्रत्याशित वापसी और बीजेपी की हार के पीछे कई अहम कारण रहे। उपचुनाव में कांग्रेस की सबसे बड़ी सफलता उसकी एकजुटता रही। अशोक गहलोत और सचिन पायलट ने मिलकर चुनाव को संघर्षपूर्ण नहीं, बल्कि रणनीतिक बनाया। प्रमोद जैन भाया की स्थानीय पकड़ और संगठन की मजबूत जमीनी चौकसी ने मिलकर कांग्रेस को स्पष्ट बढ़त दिलाई। कांग्रेस ने पूरे चुनाव अभियान को समन्वित और आक्रामक बनाए रखा।

बीजेपी की हार का सबसे बड़ा कारण टिकट चयन को लेकर भीतरखाने चली खींचतान रही। वसुंधरा राजे की पहली पसंद कंवरलाल मीणा की पत्नी थी, लेकिन परिवारवाद का मुद्दा उठने से यह नाम आगे नहीं बढ़ पाया। इसके बाद प्रभुलाल सैनी का नाम सामने आया, किंतु सहमति नहीं बनी। अंत में मोरपाल सुमन को टिकट दिया गया, जो पार्टी की पहली पसंद नहीं थे। इस असमंजस ने बीजेपी की चुनावी पकड़ कमजोर कर दी और कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भी कम कर दी। उपचुनाव का जिम्मा वसुंधरा राजे और उनके बेटे दुष्यंत सिंह को सौंपा गया।

सीएम भजनलाल शर्मा भी प्रचार में शामिल हुए, लेकिन चुनाव का फोकस मोरपाल सुमन की बजाय वसुंधरा राजे की प्रतिष्ठा बन गया। यह चुनाव स्थानीय मुद्दों से हटकर हाई प्रोफाइल चेहरों की उपस्थिति पर ज्यादा केंद्रित दिखाई दिया, जिससे जमीनी असंतोष लगातार बढ़ता गया। बारां जिले के दोनों दिग्गज नेता-हीरालाल नागर और मदन दिलावर को प्रचार से लगभग साइड लाइन रखा गया। दोनों के स्थानीय जनाधार मजबूत हैं और इन्हें दूर रखने का संदेश गांव-गांव में नकारात्मक रूप में गया। सात बार के विधायक प्रताप सिंह सिंघवी तक प्रचार में कहीं नहीं नजर आए। स्थानीय सोशल स्ट्रक्चर को समझने वाले नेताओं की इस अनुपस्थिति ने बीजेपी के वोट बैंक को कमजोर किया। निर्दलीय नरेश मीणा शुरुआत में कांग्रेस के लिए खतरा माने जा रहे थे, इसलिए कांग्रेस सतर्क रही, परंतु बीजेपी ने उन्हें किसी भी खतरे की श्रेणी में नहीं रखा।

नरेश मीणा को हनुमान बेनीवाल और राजेंद्र गुढ़ा का खुला समर्थन मिला। कई गांवों में उनकी सभाओं में भीड़ बढ़ती गई और उन्होंने मीणा, धाकड़, राजपूत समाज के नाराज वोटों को अपने साथ जोड़ लिया। किरोड़ी लाल मीणा का प्रचार भी केवल औपचारिक रहा। राजनीतिक जानकारों के अनुसार यदि वे पूरी ताकत से जुटते तो समीकरण काफी अलग दिखते। बीजेपी सरकार को पता था कि उपचुनाव होना तय है, लेकिन अंता क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं पर कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ। सड़कें, बस स्टैंड, स्कूल और बिजली जैसे मुद्दों पर काम दिखाई नहीं दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार यदि सरकार उपचुनाव से पहले ही कुछ विकास कार्य शुरू कर देती या अपनी मौजूदगी महसूस कराती तो माहौल बीजेपी के पक्ष में जा सकता था। इस जीत ने कांग्रेस में नई ऊर्जा भर दी है। गहलोत और पायलट की एकजुटता का संदेश मजबूत हुआ है और संगठन में आत्मविश्वास बढ़ा है।

बीजेपी के लिए यह हार आत्ममंथन की मांग करती है। टिकट चयन, स्थानीय नेतृत्व की अनदेखी और जातीय समीकरणों की गलत व्याख्या जैसे मुद्दों पर पार्टी को अब गहराई से समीक्षा करनी होगी।

पॉक्सो एक्ट मामले में फरार बदमाश गिरफ्तार

- डिटेन करने के दौरान भागते समय नाले में गिरने से बदमाश चोटिल हुआ

उदयपुर, (कासं)। शहर के गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने पॉक्सो एक्ट मामले में फरार शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया। डिटेन करने के दौरान भागते समय नाले में गिरने से बदमाश चोटिल हो गया।

प्रकरण के अनुसार 16 अक्टूबर को पीड़िता ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया था। प्रकरण के अनुसारआरोपी शिवा शर्मा पुत्र गोपाल शर्मा 13 मई को स्कूल से घर लौटते समय पुत्री का हाथ पकड़ कर 50 हजार रूपये मांगे, शादी करने की धमकी दी। विरोध करने पर मुझे व पति को जान से मारने की धमकी दी। घटना के दो दिन बाद दुबारा आरोपी ने मेरी पुत्री के साथ छेड़छाड़ की तथा घर में घुस कर अलमारी से जेवर ले गया। वारदात के बाद आरोपी इंस्टाग्राम पर डॉन ऑफ सेक्टर 14 नाम से आईडी बना कर अपराधिक वीडियो डालकर आमजन में भय पैदा कर रहा था।

मामले में प्रकरण दर्ज होने पर गोवर्धन विलास थानाधिकारी दिलिपसिंह झाला के नेतृत्व एएसआई धर्मवीरसिंह, मनोहरसिंह मय दल ने हुलिया बदलकर जोधपुर में कार गैराज पर नौकरी करते आरोपी शिवा शर्मा उर्फ शिवा पुत्र गोपाल शर्मा को डिटेन कर उदयपुर लेकर रवाना हुए, जहां बीच रास्ते लघुशंका के बहाने नीचे उतरकर मौका देख कर भागा, जिसका पिछा करने पर नाले में गिरने से घायल हो गया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू की।

युवक की मौत

उदयपुर, (कासं)। गुजरात रोडवेज की बस ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई। गुरूवार सांय खेरवाड़ा थाना क्षैत्र छाणी रोड़ पर गुजरात रोडवेज बस की टक्कर से घायल फलासिया निवासी अर्जुन कुमार नाथ (24) पुत्र कमल कुमार नाथ की मौत हो गई। अर्जुन अपने ससुराल मीठी मउडी छाणी आया था। गुरूवार को अपने साले के साथ स्कूटी पर ससुराल से गांव लौट रहा था, जहां बीच रास्ते छाणी गांव के समीप गुजरात रोडवेज बस ने स्कूटी को चपेट में ले लिया था।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)

नेशनल हाईवे नम्बर– 11, श्रीडूंगरगढ जिला– बीकानेर

Tel. : 01565-224766 E-mail id : nagarpalikadungargarh0@gmail.com

क्रमांक :–न.पा.श्रीडूं/4021 दिनांक :– 11.11.2025

ई निविदा सूचना

नगरपालिका मंडल श्रीडूंगरगढ़ के द्वारा विभिन्न कार्यो के लिए पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्ते व अन्य विवरण वेबसाईड sppp.rajasthan.gov.in व WWW.etenders.gov.in पर कर दिया गया हैं। जिसके युबीएन नम्बर निम्नानुसार है :–

क्र.सं.	UBN NO
1.	DLB2526WSOB23837
2.	DLB2526WSOB23839
3.	DLB2526WSOB23841

राज.संवाद/सी/25/13841

अध्यक्ष, नगरपालिका श्रीडूंगरगढ — अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीडूंगरगढ

कार्यालय नगरपालिका रामगंजमण्डी जिला-कोटा (राज0)

क्रमांक : न.पा.रा./2025/1193 दिनांक 11.11.2025

ई–निविदा सूचना 15/2025–26

नगरपालिका रामगंजमंडी द्वारा कार्यो हेतु पालिका में पंजीकृत एवं विभागों में AA,A,B, Class एवं उपयुक्त श्रेणी संवेदको से लिफाफा पद्धति/ई–निविदा पद्धति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 11.11.2025 से 20.11.2025 एवं अपलोड करने की दिनांक 11.11.2025 से 20.11.2025 सांय 6 बजे तक। ई.एम.डी./ निविदा षुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि : 21.11.2025 समय प्रातः 11.00 बजे तक। तकनीकी बिड खोलने कि दिनांक 21.11.2025 को दोप. 1.00 बजे बाद रहेगी। वित्तीय बिड तकनीकी परीक्षण उपरांत खोली जावेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http//sppp.raj.nic.in, http//eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है।

SR.NO	NIB	UBN
1	DLB2526A7914	DLB2526WSRC23814
		DLB2526WSRC23815

राज.संवाद/सी/25/13856 अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रामगंजमण्डी

कार्यालय नगरपालिका रामगंजमण्डी जिला-कोटा (राज0)

क्रमांक : न.पा.रा./2025/1205 दिनांक 12.11.2025

ई–निविदा सूचना 16/2025–26

नगरपालिका रामगंजमंडी द्वारा कार्यो हेतु पालिका में पंजीकृत एवं विभागों में AA,A,B, Class एवं उपयुक्त श्रेणी संवेदको से लिफाफा पद्धति/ई–निविदा पद्धति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 12.11.2025 से 26.11.2025 एवं अपलोड करने की दिनांक 12.11.2025 से 26.11.2025 सांय 6 बजे तक। ई.एम.डी./ निविदा षुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि : 27.11.2025 समय प्रातः 11.00 बजे तक। तकनीकी बिड खोलने कि दिनांक 27.11.2025 को दोप. 1.00 बजे बाद रहेगी। वित्तीय बिड तकनीकी परीक्षण उपरांत खोली जावेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http//sppp.raj.nic.in, http//eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है।

SR.NO	NIB	UBN
1	DLB2526A7986	DLB2526WSOB24002
2		DLB2526WSOB24003
3		DLB2526WSOB24005
4		DLB2526WSOB24008
5		DLB2526WSOB24010
6		DLB2526WSOB24011

राज.संवाद/सी/25/13852 अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रामगंजमण्डी

राज्यपाल बागड़े ने इंद्रा देवनानी को श्रद्धांजलि दी

अजमेर, (निसं)। राजस्थान के राज्यपाल हरिकिशन राव भाऊ बागड़े शुक्रवार को अजमेर पहुंचे, जहां उन्होंने राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निवास पर पहुंचकर उनकी पत्नी स्वर्गीय इंद्रा देवनानी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्यपाल बागड़े ने देवनानी परिवार से मिलकर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की और इस कठिन घड़ी में ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि इंदिरा देवनानी एक सरल, स्नेही और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी हुई व्यक्तित्व थीं, जिनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी। इस दौरान अजमेर जिला कलेक्टर लोक बंधु, पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने भी देवनानी परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की।

राज्यपाल बागड़े ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निवास पर पहुंचकर इंद्रा देवनानी के निधन पर शोक जताया।

राज्यपाल के आगमन पर मौजूद जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने भी स्वर्गीय इंद्रा देवनानी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार और स्कूटी की भिड़ंत में युवक की मौत

- कार पर भारत सरकार लिखा हुआ था, नेशनल हाइवे 48 पर हुआ हादसा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र के धूलखेड़ा के समीप शुक्रवार को नेशनल हाइवे-48 पर भारत सरकार लिखी अर्टीगा कार और स्कूटी के बीच हुई जोरदार भिड़ंत में स्कूटी सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दुर्घटना के बाद हाइवे पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी मच गई और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

कार की टक्कर से स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कूटी सवार युवक मांडल की ओर आ रहा था, तभी सामने से तेज रफ्तार में आ रही भारत सरकार लिखी अर्टीगा कार ने उसकी स्कूटी को जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। जानकारी मिलते ही मांडल थाना पुलिस मय जाब्ता मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त स्कूटी एवं अर्टीगा कार को हाइवे से हटवाकर यातायात सुचारू करवाया। पुलिस ने मृतक के शव को उपजिला अस्पताल मांडल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान रनीकपुरा निवासी रतनलाल पुत्र धन्ना लाल गुर्जर के रूप में हुई है। परिजनों को दुर्घटना की सूचना दे दी गई है, जहां घर में मातम का माहौल है। हादसे के बाद पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शियों के बयान लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाइवे पर तेज रफ्तार और भारी वाहनों की लापरवाही के चलते इस तरह के हादसे लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से दुर्घटनाजन्य क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने और गति नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है।

भारत और इंग्लैण्ड की सेना का युद्धाभ्यास 17 से

- महाजन फिल्ड फायरिंग रेंज में होगी प्रैक्टिस, हथियारों के साथ पहुंचेंगे जवान
- भारत-यूके संयुक्त अभ्यास ''अजय वारियर'' का ये 8वां एडिशन है

बीकानेर, (निसं)। भारत और इंग्लैड के बीच एक बार फिर महाजन फिल्ड फायरिंग रेंज में युद्धाभ्यास होगा। इस संयुक्त युद्धाभ्यास की शुरुआत 17 नवम्बर से हो रही है, जिसमें दोनों देशों के जवान अपने-अपने मॉडर्न हथियारों के साथ पहुंच रहे हैं।

भारत-यूके संयुक्त अभ्यास ''अजय वारियर'' का ये 8वां एडिशन है। जो सोमवार को महाजन फील्ड फायरिंग रेंज (एमएफएफआर) में शुरू होगा। अगले कुछ दिनों तक दोनों देशों के जवान अपनी-अपनी तकनीक के साथ युद्ध का अभ्यास करेंगे।

आतंकवाद सहित सीमा पर सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर दोनों देश अपने अपने अनुभव शेयर करेंगे। बीकानेर में सोमवार से शुरू हो रहे अभ्यास से पहले भी पश्चिमी राजस्थान में कई जगह युद्धाभ्यास जोरों पर है। पश्चिमी राजस्थान के किसी हिस्से में रुद्र ब्रिगेड ने जमीनी अभियानों, विशेष हेलीबोर्न अभियान के तहत अभ्यास किया।

इसी तरह सेना आर्मी एविएशन से समन्वित हमलावर हेलिकॉप्टर मिशन का अभ्यास कर रही है।

साथ ही मशीनीकृत और पैदल सेना युद्धाभ्यासों का समन्वय किया जा रहा है। हाल ही में एक युद्धाभ्यास में सभी आर्म्स और सर्विसेज के एकीकृत उपयोग के माध्यम से कोणार्क कोर की पूर्ण-स्पेक्ट्रम युद्ध तत्परता को साबित किया गया।

विवाहिता की मौत

टोंक, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र के इंद्रा कॉलोनी में एक विवाहिता ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मामले में मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया है।

इंद्रा कॉलोनी, पोस्ट ऑफिस के पीछे निवासी नगमा (32) पत्नी शाहजेब ने अपने मकान में गले में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जिसके बाद मौके पर पंहुची कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मृतका के पिता ने थाने में प्रकरण दर्ज कराकर मृतका के पति शाहजेब उर्फ जानू व देवर समीर पर अपनी पुत्री नगमा से दहेज के लिए मारपीट करने व गाली-गलौच करके प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया है।

फायरिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

- दो अक्टूबर को दो गुटों के बीच तलवारबाजी एवं फायरिंग की घटना हुई थी

उदयपुर, (कासं)। शहर के हाथीपोल थाना क्षेत्र में फायरिंग करने के मामले में फरार दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

प्रकरण के अनुसार 2 अक्टूबर को दो गुटों के बीच हाथीपोल थाना क्षेत्र में एक होटल के बाहर तलवारबाजी एवं फायरिंग की घटना हुई थी, जिसको लेकर दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ हाथीपोल पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया था। मामले में जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर हाथीपोल थानाधिकारी योगेन्द्र व्यास के नेतृत्व में गठित दल ने शोएब उर्फ पहलवान पुत्र एजाज मो. निवासी नागानगरी चांदपोल अम्बामाता, मो. सोहेल उर्फ अन्ना पुत्र मो. रसीद निवासी महावतवाड़ी को प्रोडक्शन वारंट जरिये जेल से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी से वारदात में प्रयुक्त हथियार बरामद किया। आरोपी राहिल उर्फ बोहरा व शाहरूख के खिलाफ गोवर्धन विलास में दर्ज प्रकरण को लेकर तथा 5 सितंबर को ईद मिलादुन्नबी के दौरान होटल के सामने राहिल उर्फ बोहरा तथा उसके साथी ने तबर्रूक के लिए लगाए कांउटर पर आए नजिब व मलिक ने राहिल व मित्र शाहनवाज के साथ गाली-गलौज की थी। इसी रंजिश के चलते एवं दबदबा कायम करने के लिए योजनाबद्ध वारदात को अंजाम देना सामने आया।

राजस्थान सरकार
कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान

आबकारी भवन2-गुनियावाला, पंचवटी, उदयपुर-313001

क्रमांक-F.32(B)(1)((After Policy-2025-26)EX/L/2025-04359/489 दिनांक-11.11.2025

पडत मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के अनुज्ञापत्र हेतु ई-निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार की आज्ञा क्रमांक प.4(1)वित्त/आब/2025 दिनांक 29 जनवरी 2025 के द्वारा जारी आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2025-29 के प्रावधानानुसार पडत मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के लिये ई-निविदा प्रक्रिया से वर्ष 2025-26 के बन्दोबस्त करने हतु निम्नानुसार ई-निविदिाए आमंत्रित की जाती है-

1	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन डाउनलोड करने की दिनांक व समय	दिनांक 13.11.2025 दोपहर 3.00 बजे से
2	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन अपलोड करने की अन्तिम दिनांक व समय	दिनांक 17.11.2025 दोपहर 3.00 बजे तक
3	वित्तीय निविदा खोलने की दिनांक, समय, व स्थान	दिनांक 17.11.2025 को दोपहर 4.00 बजे से संबंधित जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय

ई-निविदा में भाग लेने की शर्ते-

1. यह निविदा वेबसाईट https://www.sppp.rajasthan.gov.in तथा विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in पर देखी/डाउनलोड की जा सकती है। उक्त निविदाएं वेबसाईट https://www.eproc.rajasthan.gov.in पर प्रस्तुत की जानी है। ई-निविदा में भाग लेने के लिए डिजिटल सर्टिफिकेट, इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000 के तहत प्राप्त करना होगा, जो इलेक्ट्रोनिक निविदा में लॉगिन/साइन करने हेतु काम में आयेगा। निविदादाता उपरोक्त डिजिटल सर्टिफिकेट सीसीए (CCA) द्वारा स्वीकृत एजेन्सी से प्राप्त कर सकते है। जिन निविदादाताओं के पास पूर्व में वैद्य डिजिटल सर्टिफिकेट है उन्हें नया सर्टिफिकेट लेने की आवश्यकता नहीं है।
2. मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) का जिलवार एवं उनके आवेदन शुल्क, अनुमानित गारण्टी, अमानत राशि, धरोहर राशि, पंजीकरण शुल्क का विवरण विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगी।
3. ई-निविदा में भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक द्वारा मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) का फार्म डाउनलोड करके फार्म के साथ प्रक्रिया शुल्क, आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि के चालान राजकोष में ऑनलाईन/ऑफलाईन जमा करवाकर चालानों की प्रति अपलोड करनी होगी। इन राशियों के जमा नहीं होने पर निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदादाता को निम्नलिखित राशियां उनके सामने उल्लेति राजकोष मद में जमा करवानी होगी-

क्र.सं.	विवरण	राशि (रूपये में)	राजकोष लेखा मद
1	RISL की प्रक्रिया/ पंजीकरण शुल्क	रू. 2000/-	8658-00-102-(16)-01 (सिविल विभाग)
2	आवेदन शुल्क	आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 के बिन्दु संख्या 2.6.1 के अनुसार रू. 50,000/- (2 करोड रूपये तक की आरक्षित राशि हतु) रू. 1,00,000/- (2 करोड रूपये से अधिक की आरक्षित राशि हेतु)	0039-00-501-01-00 (आवेदन शुल्क)
3	अमानत राशि	निर्धारित आरक्षित राशि का 2 प्रतिशत	8443-00-103-00-00 (प्रतिभूति जमा)

ई-प्रोक पोर्टल से प्रक्रिया शुल्क, निविदा शुल्क एवं अमानत राशि का एक चालान जनरेट करने पर लेखा मद 0075-00-800-52-01 (निविदा प्रपत्र शुल्क) में राशि रू. एक रूपया जमा करवाकर आवेदन शुल्क का चालान पृथक से राजकोष में मद 0039-00-501-01-00 में जमा किया जा सकता है।

4. अनुमानित गारण्टी राशि से कम राशि की निविदा प्राप्त होने पर स्वीकृति के संबंध में सक्षम स्तर से निर्णय लिया जायेगा। किसी भी निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने के समस्त अधिकार आबकारी आयुक्त का होंगे।
5. स्वीकृत निविदादाता को धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस ई-निविदा के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश एवं शर्तो जो विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है के अनुसार जमा करानी होगी।
6. निर्धारित समय में वांछित राशियाँ यथा धरोहर राशि अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस जमा न कराने पर स्वीकृति निरस्त कर समस्त जमा राशि जप्तराज की जायेगी।
7. वर्ष 2025-26 के पात्र अनुज्ञाधारियों को क्रमश वर्ष 2026-27, 2027-28 व 2028-29 के लिये निर्धारित शर्तो पर अनुज्ञापत्र नवीनीकरण का अवसर दिया जायेगा।
8. मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के बन्दोबस्त हेतु वे ही व्यक्ति ई-निविदा में भाग ले सकेंगे जो राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 एवं इसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों, आबकारी एवं मध्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अनुबन्ध करने की योग्यता रखते हो। इस संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश, आबकारी नीति वर्ष 2025-29 तथा प्रारूप अनुज्ञा पत्र इत्यादि https://excise.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है जिनका ई-निविदा में भाग लेने से पूर्व भली भांति अध्ययन कर लेना चाहिए। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।
9. ई-निविदा के संबंध में अन्य प्रावधान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 एवं राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 एवं इसके अन्तर्गत बने नियम के अनुसार रहेंगे।
10. ई-निविदा के संबंध में यदि कोई विवाद उत्पन्न होता है तो न्यायिक क्षेत्र संबंधित जिला ही रहेगा।

UBN NO. EXC2526GLOB00151

(शिवप्रसाद नकाते) आबकारी आयुक्त, राजस्थान

DIPR/C/16811/2025

भगवान बिरसा मुण्डा साहस, संघर्ष और सर्वोच्च बलिदान के प्रतीक थे : बिरला

- राजस्थान भील समाज विकास समिति की ओर से धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती पर कोटा में हुआ समारोह

कोटा, (निसं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को सुभाष नगर में राजस्थान भील समाज विकास समिति द्वारा आयोजित भगवान बिरसा मुण्डा जयंती समारोह में भाग लिया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा ने अपने साहस, संघर्ष और बलिदान से न सिर्फ आदिवासी समाज, बल्कि पूरे देश को मार्गदर्शन दिया। आज़ादी से पहले उनके नेतृत्व में लड़ी गई लड़ाईयाँ जनजातीय समाज के अधिकारों की रक्षा का अहम अध्याय हैं। जनजातीय गौरव दिवस उनके महान त्याग को नमन करने और उनकी विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण अवसर है।

कोटा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राजस्थान भील समाज विकास समिति द्वारा आयोजित भगवान बिरसा मुण्डा जयंती समारोह में शिरकत की।

बिरला ने कहा कि जनजातीय समाज ने जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा के साथ-साथ स्वतंत्रता आंदोलन और सामाजिक न्याय की लड़ाई में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने नागालैंड के खोनोमा गांव में अपने हालिया प्रवास का उल्लेख करते हुए कहा कि एक छोटे से जनजातीय गांव ने अंग्रेजों के खिलाफ साहसिक संघर्ष कर उन्हें पीछे हटने पर मजबूर किया। उन्होंने उन अनगिनत जनजातीय वीरों को भी स्मरण किया, जिनके बलिदान देश की अमूल्य धरोहर हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि आज भी कई आदिवासी गांव बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं, जिन्हें दूर करना हमारी साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई पहलें जैसे जनजातीय गौरव दिवस, भूमि अधिकार योजना और एकलव्य मॉडल विद्यालय जनजातीय क्षेत्रों में बड़े सामाजिक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। आने वाले वर्षों में छात्रावास, डिजिटल लाईब्रेरी, कौशल विकास केंद्र, स्वास्थ्य सेवाएँ और खाद्य सुरक्षा योजनाएँ हर जनजातीय परिवार तक पहुंचेंगी। बिरला ने कहा कि शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन का आधार है। कई पीढ़ियों तक शिक्षा के अभाव में जनजातीय समाज आरक्षण और अन्य योजनाओं का पूरा लाभ नहीं ले पाया, इसलिए अब हर गांव के बच्चों की पढ़ाई सुनिश्चित करना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर गांव में युवाओं और महिलाओं की एक टीम तैयार की जाएगी, जो सरकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ दोनों को घर-घर तक पहुंचाएगी। इस दौरान उन्होंने जनजातीय समाज की प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया। समारोह में बड़ी संख्या में जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

VARDHMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY, KOTA

(Rawathbhata Road, Kota -324021) (Estate Cell)

NOTICE INVITING E-TENDER (NIB 17/2025-26)

E-Bid is invited for "ARC for hiring of Computer Machines along with trained personnel" (UBN: VMU2526SLRC00020). Further details may be obtained from **http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.vmou.ac.in** w.e.f. 15/11/2025.

Raj.Samwad/C/25/13884 OIC (Estate)

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा.अभि.विभाग, खण्ड कोलायत

क्रमांक-2359-75 दिनांक-11.11.2025

Notice Inviting Bid-64-70/2025-26

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 24.11.2025 at 14.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http://eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 168.81 lacs.

NIT NO.	64	65	66
UBN NO.	PHE2526WSOB08426	PHE2526WSOB08427	PHE2526WSOB08428
NIT NO.	67	68	69
UBN NO.	PHE2526WSOB08429	PHE2526WSOB08430	PHE2526WSOB08431
NIT NO.	70		
UBN NO.	PHE2526WSOB08432		

जल सीमित है, इसकी बचत करें।

DIPR/C/16680/2025

(धर्मेन्द्र कुमावत) अधिशाषी अभियंता, जन स्वा.अभि.विभाग खण्ड कोलायत

कार्यालय नगरपालिका मसूदा जिला ब्यावर (राजस्थान)

गांधी चौक मसूदा

क्रमांकः न0पा0म0/2025/1290 दिनांक : 11.11.2025

–: ऑफलाईन निविदा सूचना :–

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि नगरपालिका गुलाबपुरा द्वारा राजकीय विभाग में नियमानुसार उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से कार्य हेतु ऑफलाईन निविदा निर्धारित प्रपत्र में आमंत्रित की जाती हैं। ऑफलाईन निविदा कार्य संख्या–02 कार्यो की ऑफलाईन निविदॉए दिनांक 21.11.2025 को 04.00 बजे तक उसी दिन उपस्थित निविदादाताओं तथा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

उपरोक्त निविदा सम्बन्धित सूचना www.sppp.raj.nic.in साईट पर देखी जा सकती हैं।

NIB CODE Reference No. DLB2526A7924

राज.संवाद/सी/25/13843

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका मसूदा

डॉ. मोहन भागवत ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की

भागवत ने स्मारक पर संस्कार सृष्टि तथा उनके जीवन से जुड़ी अनेक घटनाओं को देखा

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक डॉक्टर मोहन राव भागवत शुक्रवार को जयपुर के धानक्या गांव स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक पर पहुंचे। उन्होंने यहां पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और स्मारक पर संस्कार सृष्टि तथा उनके जीवन से जुड़ी अनेक घटनाओं को देखा। उन्होंने पंडित

■ **डॉ. भागवत ने कहा कि पंडित दीनदयाल का जो दर्शन है, उसके पीछे उनकी पूरी जीवन की तपस्या है। वह कोरा चिंतन नहीं है**

डॉक्टर मोहन राव भागवत व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति की लगी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति की गत 6 वर्षों की गतिविधियों पर लगी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर डॉ. भागवत ने कहा कि पंडित दीनदयाल का जो दर्शन है, उसके पीछे उनकी पूरी जीवन की तपस्या है। वह कोरा चिंतन नहीं है। जीवन के अनुभव की गहराई में जो मनन हुआ है उसका परिणाम है। यह दर्शन नया नहीं है, अपना सनातन दर्शन ही है। दीनदयाल जी ने इस दर्शन को देशकाल और परिस्थिति के अनुसार प्रस्तुत किया है, जो ऋषि मुनियों ने कहा उसे अनुभव किया और उस अनुभव में से उसका एक परिष्कृत रूप उन्होंने समाज के सामने रखा। डॉ. भागवत ने कहा कि दीनदयाल का दर्शन इस राष्ट्रीय स्मारक से देश में सभी जगह जाना चाहिए। इनके आदर्शों का प्रचार सर्वत्र हो, ऐसा प्रयास हमें करना चाहिए और उनके जीवन के अनुसार जीने वाले लोगों को प्रति वर्ष यहां सम्मानित भी करना चाहिए। सत्य, करुणा, शुचिता और तपस्या, ये चारों बातें दीनदयाल जी के जीवन में पूर्णत: उत्कर्षता के साथ दिखती है।

उन्होंने कहा कि दीनदयाल स्वतंत्र भारत में एकमात्र उदाहरण है जिन्होंने राजनीति में जाकर राजनीति की प्रकृति को बदलने का प्रयास किया, लेकिन राजनीति में रहकर भी अपने मूल चरित्र और स्वभाव में बिल्कुल बदलाव नहीं होने दिया। उनके रास्ते पर चलने वाले लोग प्रयास तो कर रहे हैं, लेकिन वह प्रयास किस दिशा में कैसे करें, इसका दीनदयाल जी ने मूर्तिमान उदाहरण अपने जीवन से दिया है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति के अध्यक्ष प्रो. मोहन लाल छीपा ने कहा कि समिति की स्थापना वर्ष 2019 में दीनदयाल उपाध्याय के विचार-दर्शन को देश-विदेश में फैलाने के उद्देश्य से की गई थी। समिति का लक्ष्य सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्ताओं में दीनदयाल भाव जागृत करना है और इस दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। अध्यक्ष ने बताया कि देश में फिलहाल धानक्या, फरह (मथुरा), चित्रकूट और मुगलसराय में प्रमुख स्मारक स्थापित हैं जहां पण्डितजी के विचारों पर अलग अलग कार्य हो रहे हैं ।प्रो. छीपा ने बताया कि दीनदयाल जी के प्रचारक बनने से पूर्व जीवन के 21 वर्ष राजस्थान तथा 5 वर्ष उत्तर प्रदेश में बीते, जिनका उनके व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव पड़ा। बचपन में धानक्या स्थित शिव और हनुमान मंदिरों में दीनदयाल जी की दैनिक पूजा-अर्चना करने से उनमें आध्यात्मिक संस्कारों आए जिनका उनके विचार दर्शन पर प्रभाव पड़ा।

इससे पूर्व समिति के अध्यक्ष प्रो. मोहन लाल छीपा, सचिव प्रतापभानू सिंह शेखावत, उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष गजेन्द्र ज्ञानपुरिया व सह सचिव नीरज कुमावत ने माननीय मोहन राव भागवत का साफा, शाल, श्रीफल, सांगानेरी दुपट्टा, प्रतीक चिन्ह व पुस्तकों से सम्मान किया। समिति के अन्य सदस्यों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्र संघचालक डॉ. रमेश अग्रवाल का भी सम्मान किया।

कार्यक्रम में क्षेत्र प्रचारक निम्बाराम, जयपुर प्रांत प्रचारक बाबूलाल, चितौड़ प्रांत प्रचारक मुरलीधर, जोधपुर प्रांत प्रचारक विजयानंद, अखिल भारतीय सह प्रचारक प्रमुख अरुण जैन एवं राजस्थान धरोहर संरक्षण समिति के अध्यक्ष समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। इस दौरान सरसंघचालक ने समिति के सदस्यों से अनौपचारिक चर्चा भी की।

एएनटीएफ ने 25 हजार रुपये के इनामी तस्कर को गिरफ्तार किया

■ **बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना निवासी जितेंद्र मेघवाल को गिरफ्तार किया**

जयपुर। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने ऑपेरशन जिस्मन्ना चलाकर मारवाड़ में स्मैक की तस्करी करने वाले शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। जिस पर 25 हजार रूपये का इनाम था। एएनटीएफ को लंबे समय से उसकी तलाश में जुटी थी।

एएनटीएफ पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) विकास कुमार ने बताया कि बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना निवासी जितेंद्र मेघवाल को गिरफ्तार किया है। जिस पर 25 हजार रुपए का इनाम था और नशे की तस्करी करते-करते वह खुद भी स्मैक का आदी हो गया।

नशा मुक्ति केंद्र में लंबे समय तक इलाज में काफी खर्च हुआ तो मकान और जमीन भी बिक गई। तबीयत में सुधार होने पर वह फिर से तस्करी करने लगा।

आईजी ने बताया कि आठवीं तक पढ़ाई के बाद उसने पढ़ाई छोड़ दी। दो साल तक बेंगलुरू में मोबाइल शॉप पर काम करने के बाद वापस धोरीमन्ना आ गया। इसके बाद वह कुख्यात तस्कर प्रकाश के संपर्क में आया। पहले उसका ड्राइवर और फिर पार्टनर बनकर स्मैक की तस्करी करने लगा। इसके बाद वह तीन साल में ही स्मैक की तस्करी का किंगपिन बन गया। जहां प्रकाश के जेल जाने के बाद वह पूरा धंधा खुद चलाने लगा।

तस्करी की कमाई से उसने कोठियां बनवाई और जमीन भी खरीद ली। जांच पड़ताल में सामने आया कि वह हर महीने 20 किलो स्मैक की तस्करी करता। जिससे हर महीने करीब 50 लाख रुपए कमाता। उसके खिलाफ तीन साल में आठ मुकदमे दर्ज हुए और तीन बार जेल भी गया। जब पत्नी को उसकी हरकतों के बारे में पता चला तो उसने बेंगलुरु सेटल होने को कहा।

इस बीच एएनटीएफ को भी उसके प्लान का पता चलने पर प्लेन, बस और ट्रेन के टिकट बुकिंग पर निगरानी रखनी शुरू कर दी। जिस पर आरोपित जितेंद्र ने अपने करीबी व्यक्ति के जरिए टिकट बुक करवाई थी। जहां एएनटीएफ ने नाकाबंदी कर बस को रुकवा कर आरोपी को हिरासत में लिया।

छात्रसंघ चुनाव को लेकर सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव नहीं कराने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सभी पक्षों की बहस सुनकर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेष जय राव व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।याचिका में अधिवक्ता शांतनु पारीक ने बताया कि याचिकाकर्ता को छात्र प्रतिनिधि चुनने का मौलिक अधिकार है और राज्य सरकार द्वारा छात्रसंघ चुनाव नहीं कराए जाकर इस अधिकार का हनन किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा केवल एक परिपत्र से ही तर्कहीन व असंवैधानिक कारणों से छात्रसंघ चुनावों को नहीं कराने का निर्णय लिया है, जो गलत है। इसलिए राज्य सरकार के चुनाव नहीं करवाने वाले परिपत्र को रद्द कर छात्रसंघ चुनाव करवाए जाए।

मोहन भागवत आज एसएमएस स्टेडियम में करेंगे संबोधित

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूज्य सरसंघसंचालक डॉक्टर मोहन राव भागवत, शनिवार को सायं 5.30 बजे सवाई मानसिंह स्टेडियम के इंडोर स्टेडियम में एकात्म मानवदर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित दीनदयाल स्मृति व्याख्यान-2025 में वर्तमान वैश्विक परिदृश्य एवं एकात्म मानवदर्शन पर व्याख्यान देंगे।

कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी सूरज सोनी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूज्य सरसंघसंचालक डॉक्टर मोहन राव भागवत होंगे। अंतर्राष्ट्रीय चिंतक डॉक्टर महेश शर्मा कार्यक्रम में विषय प्रस्तावना रखेंगे। डॉक्टर एस एस अग्रवाल आयोजन के संयोजक रहेंगे। सोनी ने बताया कि कार्यक्रम शहर और प्रदेश के प्रबुद्धजन एवं आमजन के लिए आयोजित किया गया है। प्रवेश के लिए स्टेडियम के चारों दरवाजे खुले रहेंगे।

'बिहार में नकारात्मक और भ्रामक बयानबाजी का जनता ने दिया सटीक जवाब'

■ **मदन राठौड़ ने बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को मिली ऐतिहासिक जीत पर बिहार की जनता का हृदय से आभार जताया**

जयपुर । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को मिली ऐतिहासिक जीत पर बिहार की जनता का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा 11 वर्षों में किए गए विकास कार्यों पर पूर्ण विश्वास जताया है। राठौड़ ने कहा कि बिजली, सड़क, रेलवे, फ्लाईओवर जैसी आधारभूत सुविधाओं के विस्तार ने बिहार के विकास की नई पहचान बनाई है, और जनता ने इन कार्यों को देखते हुए एनडीए को स्पष्ट जनादेश दिया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के खिलाफ विपक्ष द्वारा की गई हल्की, नकारात्मक और भ्रामक बयानबाजी का जनता ने मतदान के माध्यम से सटीक और करारा जवाब दिया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्षी गठबंधन पर प्रहार करते हुए कहा कि सत्ता प्राप्ति की लालसा में बने बेमेल गठबंधन को जनता ने पूरी तरह खारिज कर दिया। जिन दलों का आपस में कोई समान विचार तक नहीं था, वे सिर्फ सत्ता के लिए एकत्र हुए थे। ऐसे बेमेल गठबंधन ने देश में भ्रम फैलाने का प्रयास किया, परंतु जनता ने उन्हें नेस्तनाबूद कर दिया।

राठौड़ ने विशेष रूप से कांग्रेस की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि कांग्रेस का 243 सीटों में से 1-2 सीटों पर संघर्ष करना इस बात का संकेत है कि उनका जनाधार लगभग समाप्ति की ओर हो चुका है। उन्हें आत्मचिंतन कर अपनी कार्यशैली और नीति में सुधार करना चाहिए। राठौड़ ने यह भी कहा कि लालू यादव के पूर्व के भ्रष्टाचार और राहुल गांधी से किए गए समझौते ने भी विपक्ष की हार को और अधिक स्पष्ट कर दिया है।

अंता विधानसभा उपचुनाव पर बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने हार की पूर्ण जिम्मेदारी अपने पर लेते हुए कहा कि संगठन के मुखिया के रूप में यह उनकी जवाबदेही है। उन्होंने कहा कि भाजपा अंता की जनता के जनादेश का सम्मान करती है और जहां भी त्रुटि रही होगी, उसकी समीक्षा कर सुधार किया जाएगा। उन्होंने अंता के शांतिपूर्ण मतदान के लिए जनता को धन्यवाद दिया तथा विजयी उम्मीदवार प्रमोद जैन भाया को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनता ने उन्हें जो आशीर्वाद दिया है, वे उस पर खरे उतरें। राठौड़ ने स्वीकार किया कि कांग्रेस द्वारा फैलाए गए भ्रम को भी समय रहते दूर नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा कि हमारी इच्छा थी कि जनता एक सेवाभावी, निष्कलंक और स्थानीय उम्मीदवार को प्रतिनिधित्व का अवसर दे, लेकिन जनजागृति में कमी रह गई।

बुनियादी विकास के लिए जंगलराज को नकारा : डॉ. सतीश पूनियां

■ **बिहार की जनता का एनडीए की प्रचंड विजय के साथ मोदी-नीतीश पर भरोसा बरकरार, बिहार के जन-जन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मजबूत भरोसे के साथ विजय का आशीर्वाद दिया**

■ **डॉ. सतीश पूनियाँ ने कहा कि बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार ने बिहार में विकास को एक नई रफ्तार दी**

जयपुर। भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियाँ ने हरियाणा प्रवास पर झज्जर व बहादुरगढ़ में मीडिया से बातचीत में कहा कि बिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार ने बिहार में विकास को एक नई रफ्तार दी, बिहार की जनता ने एनडीए को प्रचंड बहुमत का आशीर्वाद दिया है, यह जनादेश बिहार में कानून-व्यवस्था की दुरुस्ती के लिए, विकसित बिहार के लिये है। उन्होंने कहा कि, बिहार की जनता ने बुनियादी विकास के लिए जंगलराज को नकारा और जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मजबूत भरोसे के साथ एनडीए की प्रचंड विजय का आशीर्वाद दिया है।

उन्होंने कहा कि, विश्व के लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत एवं कुशल नेतृत्व में देश में बुनियादी विकास से लेकर वैचारिक मुददों का समाधान हुआ है, आमजन, किसान, मातृशक्ति की तरक्की के रास्ते खुले हैं, वहीं बिहार में नीतीश कुमार ने एनडीए सरकार के सुशासन से आमजन, बहन बेटियों और किसानों को सशक्त करने का कार्य किया।

पूनियां ने कहा कि, मोदी सरकार के साहसिक निर्णय व अथक परिश्रम से कश्मीर में अनुच्छेद 370 के निस्तारण से लेकर अयोध्या में भगवान राम मंदिर के निर्माण से भारत का स्वाभिमान पूरी दुनिया में बढ़ा है।

केंद्र की मोदी सरकार देश में सभी सेक्टर्स की मजबूती से लेकर सभी वर्गों के उत्थान के लिये 11 वर्षों से कार्य कर रही है, जिससे बिहार से लेकर पूरे देश में विकास की राजनीति को जनता का समर्थन और आशीर्वाद मिल रहा है, विकास के लिये जनता की पसंद मोदी और भाजपा-एनडीए है, जिन पर जनता का भरोसा निरंतर मजबूत हो रहा है। उल्लेखनीय है कि, भाजपा केंद्रीय के निर्देश पर सतीश पूनियां ने बिहार विधानसभा चुनाव में नवादा लोकसभा क्षेत्र व आसपास की सीटों पर लगभग 15 दिन तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक सफल रैली के आयोजन से लेकर चुनाव प्रबंधन को लेकर माइक्रो मैनेजमेंट पर कार्य किया, जहां नवादा लोकसभा की 6 सीटों में 5 विधानसभा सीटों पर एनडीए ने जीत दर्ज की है, जहां पिछली बार एनडीए के पास एक सीट थी। नवादा लोकसभा क्षेत्र की 6 विधानसभा सीटों पर 5 एनडीए ने जीती हैं, जिनमें बरबीघा, राजौली हिसुआ, नवादा, गोविंदपुर इन 5 सीटों पर एनडीए ने विजय हासिल की है, वहीं वारिसलीगंज सीट पर हार का सामना करना पड़ा।

पूर्व विधायक अवाना के बेटे को सुप्रीम कोर्ट से झटका

■ **गलत तथ्य प्रस्तुत करने पर सुप्रीम कोर्ट ने आठ लाख का जुर्माना लगाया**

■ **पंचायत में पारित अविश्वास प्रस्ताव के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई के दौरान गलत तथ्य प्रस्तुत किये थे**

जयपुर/भरतपुर । भरतपुर जिले में नदबई क्षेत्र के उच्चैन में पंचायत समिति के पूर्व प्रधान और पूर्व विधायक जोगिंदर सिंह अवाना के बेटे हिमांशु अवाना को सुप्रीम कोर्ट से तगड़ा झटका लगा है।

पंचायत में पारित अविश्वास प्रस्ताव के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई के दौरान गलत तथ्य प्रस्तुत करने पर सुप्रीम कोर्ट ने उन पर 8 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

उच्चौन प्रधान राम अवतार सिंह के अनुसार 12 अगस्त 2025 को पंचायत समिति में हिमांशु अवाना के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव में 15 में से 13 सदस्यों के प्रस्ताव के पक्ष में मतदान करने पर हिमांशु को पद से हटा दिया था, जिसके बाद 14 अगस्त को पद रिक्त घोषित होने पर 16 अगस्त 2025 को राम अवतार सिंह को नया प्रधान चुन लिया गया था।

हिमांशु अवाना के अविश्वास प्रस्ताव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कोर्ट ने उनके पक्ष में आदेश देते हुए राज्य सरकार को उन्हें पुनः पद ग्रहण करवाने के निर्देश दिये थे।

प्राप्त जानकारी अनुसार सुनवाई के दौरान राम अवतार सिंह की ओर से सीनियर एडवोकेट मनिंदर सिंह ने दलील पेश की थी।

सिंह ने बताया कि हिमांशु ने कोर्ट को भ्रामक तथ्य दिए और कहा कि प्रधान का पद खाली है जबकि उसी दौरान राम अवतार सिंह विधिवत रूप से प्रधान चुने जा चुके थे।

राज्य सरकार के वकील ने भी इस तथ्य की पुष्टि की थी और उसके बाद अदालत ने हिमांशु अवाना को गलत जानकारी देने का दोषी मानते हुए आठ लाख रुपये की पेनल्टी लगा दी थी।

गुरुदेव रवि शंकर ने युवाओं को जीवन में उत्साह बनाए रखने का संदेश दिया

जयपुर। जयपुर के प्रमुख शिक्षण संस्थानों से आए लाखों छात्रों की उपस्थिति में आज एस. एम. एस. क्रिकेट स्टेडियम उत्साह, प्रेम और आनंद से गूंज उठा। आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा आयोजित मेगा यूथ इवेंट उत्साह में वैश्विक आध्यात्मिक गुरु और मानवतावादी, गुरुदेव रवि शंकर ने युवाओं को जीवन में उत्साह, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी बनाए रखने का संदेश दिया।

स्टेडियम में ऊर्जा से भरा वातावरण और संगीतकार रवीन्द्र उपाध्याय एवं रैपरिया बलम के मनभावन गीतों ने कार्यक्रम को और उत्साहपूर्ण बनाया। विशाल सभा को संबोधित करते हुए गुरुदेव ने कहा कि आर्ट ऑफ लिविंग का उद्देश्य है कि लोग हर दिन जीवन को उत्सव की तरह जिएं।

नशे के दुष्प्रभावों पर बोलते हुए उन्होंने कहा, क्या आपको नशा करने वालों के चेहरे पर सच्ची खुशी दिखाई देती है? वे अपना स्वास्थ्य खो देते हैं, पैसा खो देते हैं और अपने रिश्ते बिगाड़ देते हैं।

सार-समाचार

राजस्थान आईटी कर्मचारी संघ के प्रतिनिधि मंडल ने ज्ञापन सौंपा

जयपुर। महासंघ एकीकृत के प्रदेशाध्यक्ष गजेन्द्र सिंह राठौड़ एवं राजस्थान आईटी कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष यादव के नेतृत्व में शुक्रवार को संघ के प्रतिनिधि मंडल ने आईटी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें मांगों के सम्बंध में ज्ञापन सौंपा। राजस्थान आईटी कर्मचारी संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता मनीष फगेड़िया ने बताया कि प्रतिनिधि मंडल ने पूर्व में दिए गए ज्ञापन के संदर्भ में पुनः तथ्यात्मक रिपोर्ट सहित महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में बजट घोषणा के अनुसार आईटी कैडर का कैडर पुनर्गठन करने, प्रोग्रामर की प्रोमोशन व सीधी भर्ती का अनुपात 80:20 कर पदोन्नित के अवसर बढ़ाने, सूचना सहायक का पदनाम कनिष्ठ प्रोग्रामर करने, विभिन्न विभागों से आईटी संवर्ग के पदों की सृजन की प्रशानिक स्वीकृत की वित्तीय स्वीकृति इत्यादि मांग पत्र प्रस्तुत किया गया, जिसमें अन्य विभागों की तरह आईटी कर्मचारियों को भी लाभ दिए जाने की बात रखी गई। प्रतिनिधि मंडल में संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष फगेड़िया, कृष्ण अवतार मीना, मुकेश चौधरी आदि उपस्थित रहे।राजस्थान आईटी कर्मचारी संघ लगातार विभाग के कर्मचारियों के हितों की रक्षा एवं समस्याओं के समाधान के लिए संघर्षरत एवं प्रतिबद्ध है। कर्नल राठौड ने मांगों के सम्बंध में सहानुभूतिपूर्वक विचार कर समाधान निकालने का आश्वासन दिया।

विशेष लोक अदालत का आयोजन

जयपुर। उच्चतम न्यायालय व राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर ऋण वशूली अधिकरण, जयपुर में लम्बित वसूली मामलों के लिए राजस्थान विधिक सेवा प्राधिकरण व डीआरटी बार एसोसिएशन जयपुर के सहयोग से ऋण वसूली अधिकरण जयपुर के तत्वाधान में शुक्रवार को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमे लंबित ऋण मामलों को लेकर बहुत संख्या में लोग पहुंचे।

मानवता, नवाचार और प्रेरणा के लिए मिला गैल्वनाइज़र अवॉर्ड 2025

जयपुर । मानवता, नवाचार और प्रेरणा को सम्मान देने के उद्देश्य से 'गैल्वनाइज़र अवॉर्ड समारोह 2025 का आयोजन जयपुर में झालाना स्थित आरआईसी सभागार में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र के विधायक, गोपाल शर्मा और पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय, जे. के. रांका तथा प्रो. (डॉ.) शुभा शर्मा, डॉ. डेजी शर्मा, झामन टेकचंदानी, नवीन अग्रवाल तथा शुचि कालरा कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रहे। समारोह का आयोजन संयुक्त रूप से रेनू जिंदल , शिवानी सिंह बैस तथा डॉ. लवीना जसवानी , अन्नु गुप्ता (संस्थापक, जय जननी संस्थान) द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन एंकर अपलव ने किया और इसके अलावा अतिथियों में अंतरराष्ट्रीय पैरा ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट, राजीव झा; वंदना; प्रदीप शुक्ला; ज्योति शर्मा; संयुक्त निदेशक एवं मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, मंजू शर्मा; प्राचार्य महाराजा कॉलेज, प्रो. गजेंद्र पॉल सिंह तथा अंतरराष्ट्रीय साइबर विशेषज्ञ बिंदु चौधरी उपस्थित रहे।

एच.सी.एम. रीपा का 69वां स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ

जयपुर । हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान (ओ.टी.एस.) का 69वां स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ शुक्रवार को भगवत सिंह मेहता सभागार में संस्थान की महानिदेशक एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव (प्रशिक्षण) श्रेया गुहा ने किया।

■ **हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान राज्य के प्रशासनिक प्रशिक्षण की अग्रणी संस्था- श्रेया गुहा**

भगवत सिंह मेहता सभागार में संस्थान की महानिदेशक एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव (प्रशिक्षण) श्रेया गुहा ने स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ किया।

गुहा ने कहा कि एचसीएम रीपा राज्य की प्रशासनिक प्रशिक्षण की अग्रणी संस्था है, जो अखिल भारतीय एवं राज्य प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों के प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि संस्थान विभिन्न स्तरों के अधिकारियों के लिए वर्षभर महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती है।

कार्यक्रम में संस्थान के प्रशिक्षुओं व कार्मिकों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत दी गई वही मारवाड़ के मांगणियार लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत मारवाड़ी लंगा गीतों, कालबेलिया नृत्य और राजस्थानी लोकगीतों ने भी ओटीएस परिसर को सुरों और लोकसंस्कृति की मनमोहक छटा से महकाया ।

इस अवसर पर 'स्वच्छ रीपा कार्यक्रम' के माध्यम से संस्थान परिसर में साफ-सफाई कार्य कर श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया।

रीपा परिसर को विभिन्न सेक्टरों में बांटकर संस्थान के समस्त अधिकारीगणों, कर्मचारीगणों एवं संस्थान में प्रशिक्षणरत प्रशिक्षु अधिकारीगणों की गठित विभिन्न टीमों द्वारा उन्हें स्वच्छता हेतु आवंटित क्षेत्र की साफ-सफाई कर श्रमदान किया गया। इस अवसर पर गुहा द्वारा द्वारा राष्ट्रीय खेल दिवस (29 अगस्त 2025) पर आयोजित खेलकूद विजेताओं को पुरस्कृत किया तथा अतिथि कलाकारों का सम्मान किया।

सहकारिता में लोकतांत्रिक व्यवस्था को बहाल करने की आवश्यकता : आमेरा

जयपुर । अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अवसर 14 नवंबर से 20 नवंबर तक आयोजित 72वाँ सहकारी सप्ताह के अवसर पर ऑल राजस्थान कोआपरेटिव बैंक एम्प्लाइज यूनियन , ऑल राजस्थान कोआपरेटिव बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के प्रान्तीय महासचिव, सहकारी साख समितियां एम्प्लाइज यूनियन के प्रान्तीय अध्यक्ष, सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने सभी सहकार जन, किसानों और सहकारी कर्मियों को सहकार सप्ताह की बधाई व शुभकामनाएँ देते हुए सभी से सहकारी आंदोलन में पारदर्शिता, कर्तव्य निष्ठा एवं जवाबदेही से कार्य करने के लिए आ ान किया है ।

सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा ने 72वें सहकार सप्ताह के शुभारंभ के अवसर पर प्रदेश के मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा एवं सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक से राज्य के सहकारी आंदोलन व सहकारी संस्थाओं की मजबूती और हितधारक सदस्यों किसानों की आर्थिक समृद्धि के लिए प्रदेश की सभी सहकारी समितियों के साथ साथ राज्य स्तरीय शीर्ष सहकारी संस्थाओं के लोकतांत्रिक मूल्य आधारित व्यवस्था को बहाल करने के लिए अविलंब राज्य में सहकारी चुनाव कराने की सख्त आवश्यकता है । प्रदेश में किसी भी पार्टी की सरकार रही हो सभी ने सहकारी समितियों/ संस्थाओं के चुनाव के प्रति उदासीन रवैया रखा जिससे राज्य में एक दशक से अधिक समय से चुनाव नहीं हुए हैं । केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह की अगुवाई में देश भर में सहकारिता से समृद्धि, सहकारिता में सहकार कार्यक्रम की जमीनी स्तर पर सफलता एवं सहकारिता से स्वावलंबी भारत के निर्माण के लिए भी सहकारी समितियों, शीर्ष संस्थाओं के चुनाव की सख्त दरकार है । जब तक सहकारी आंदोलन के सभी कार्यक्रमों, योजनाओं और प्रकल्पों में सहकारिता से जुड़े हितधारकों सदस्यों और उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों का नेतृत्व भागीदारी सुनिश्चित नहीं होगी तब तक सहकारिता आंदोलन में रिक्तता ही रहेगी ।

आमेरा ने बताया कि प्रदेश में 8000से अधिक सहकारी समितियां, 29 जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों, राज्य सहकारी बैंक, क्रय विक्रय समितियां व राजफेड , उपभोक्ता होलसेल भंडार व कॉन्फ़ेड , बुनकर संघ प्राथमिक इकाई समितियों और उनकी राज्य स्तरीय शीर्ष सहकारी संस्थाएं के चुनाव एक दशक से नहीं हुए हैं, जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों की अवहेलना हो रही है।

जूनियर हॉकी विश्व कप में दबाव का सामना करना और अनुभव हासिल करना युवाओं के लिये भावी सफलता का मील का पत्थर होगा - पी आर श्रीजेश

भारतीय पुरूष जूनियर हॉकी टीम के मुख्य कोच, भारतीय खिलाड़ीयों को सलाह देते हुए।

आज का खिलाड़ी

टिम साउदी

कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 के लिए टिम साउदी को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान, जिन्होंने 2025 की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, गेंदबाजी सलाहकार के रूप में इंग्लैंड की टेस्ट टीम का हिस्सा रहे हैं। साउदी अभिषेक नायर की अध्यक्षता वाले केकेआर के नए कोचिंग समूह में शामिल हो गए हैं, और फ्रेंचाइजी ने हाल ही में अगले सीजन से पहले शेन वॉटसन को सहायक कोच के रूप में शामिल किया है। 36 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अपने खेल करियर के दौरान 2021, 2022 और 2023 में केकेआर का प्रतिनिधित्व किया है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने सबसे कम स्कोर 2016 में, साउथ अफ्रीका के खिलाफ 260 रन बनाए और रोहित शर्मा ने 35 गेंदों में शतक जड़ा।

बुमराह का पंजा, दक्षिण अफ्रीका 159 पर सिमटा

कोलकाता, 14 नवंबर। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (27 रन पर पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को ईडन गार्डन्स में पहले टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को पहली पारी में 55 ओवर में 159 रन पर समेट दिया। भारत ने इसके जवाब में स्टंप्स तक 20 ओवर में एक विकेट पर 37 रन बना लिए हैं और वह अभी पहली पारी में 122 रन से पीछे है।

यह पूरा दिन जसप्रीत बुमराह और भारतीय टीम के नाम रहा। बुमराह के पंजे की मदद से भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 159 पर ही आउट कर दिया। कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज ने उनका बख़ूबी साथ दिया। दक्षिण अफ़्रीकी बल्लेबाज पिच पर टिकने के बाद विकेट फेंकते हुए नजर आए।

भारत को यशस्वी जायसवाल (12) के रूप में एक झटका ज़रूर लगा लेकिन इसके बाद वॉशिंगटन सुंदर और केएल राहुल ने सजगता से खेलते हुए सुनिश्चित किया कि भारत, दूसरे दिन खेल में आगे रहते हुए प्रवेश करेगा।स्टंप्स के समय राहुल 59 गेंदों में 13 और सुंदर 38 गेंदों में छह रन बनाकर क्रीज पर थे।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फ़ैसला किया था और रायन रिकलटन और एडन मारक्रम ने मिलकर एक सधी हुई शुरुआत की थी। लेकिन जसप्रीत बुमराह ने दोनों सलामी बल्लेबाज़ों को पवेलियन लौटाया और कुलदीप यादव ने टेम्बा बावुमा को चलता किया। दूसरे सत्र में बुमराह और कुलदीप ने एक-एक सफलता हासिल की और सत्र के अंतिम चरण में मोहम्मद सिराज ने दोहरे झटके दिए, वहीं अक्षर पटेल की सफलता के साथ ही दूसरा सत्र दक्षिण के आठ विकेट के नुकसान पर 154 के स्कोर के साथ समाप्त हुआ। वहीं अंतिम सत्र में बुमराह ने दोनों शेष विकेट निकालते हुए दक्षिण अफ्रीका की पारी समाप्त कर दी।

सलामी बल्लेबाजों ने सकारात्मक शुरुआत की, रिकल्टन (23)ने शानदार शुरुआत की, जबकि मार्करम (31)ने अपना खाता खोलने के लिए 23 गेंदें लीं, लेकिन इसके बाद बाउंड्री से भरे स्कोरिंग शॉट्स का सिलसिला चला। बुमराह ने पहला स्पैल लंबा फेंका और आखिरकार उन्हें अपने 6वें ओवर में पुरस्कृत किया गया – एक के बाद एक और मेहमान टीम ने कुछ ही समय में दोनों सलामी बल्लेबाजों को खो दिया, ऐसा ही बावुमा(3) ने अपने वापसी वाले टेस्ट में किया।

71/3 के स्कोर पर, पहले घंटे की कड़ी मेहनत बर्बाद हो गई, लेकिन मुल्डर(24), टोनी डीज़ॉर्ज़ी (24) और काइल वेरिन (16) – सभी ने शुरुआत की और सभी लगभग एक ही अंदाज में आउट हुए। ट्रिस्टन स्टब्स ने नाबाद 15 रन बनाते हुए पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ पारी संभालने की कोशिश की लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने 13 रन में अंतिम पांच विकेट निकालकर दक्षिण अफ्रीका की पारी समेट दी। बुमराह के पंजे के अलावा सिराज ने 47 रन पर दो विकेट, कुलदीप ने 36 रन पर दो विकेट और अक्षर पटेल ने 21 रन पर एक विकेट लिया।

वैभव के तूफानी 144 से भारत ने यूएई को धो डाला

दोहा, 14 नवंबर। सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की 144 रन की तूफानी शतकीय पारी की बदौलत भारत ए ने एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 148 रन के बड़े अंतर से पीट दिया।

भारत ने 20 ओवर में चार विकेट पर 297 रन का विशाल स्कोर बनाया जिसके जवाब में यूएई की टीम सात विकेट पर 149 रन ही बना सकी। वैभव को उनकी आतिशी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

यूएई की तरफ से शोएब खान ने सर्वाधिक 63 रन बनाये जबकि भारत ए की तरफ से गुरजपनीत सिंह ने 18 रन देकर तीन विकेट और हर्ष दुबे ने 12 रन पर दो विकेट लिए।

प्लेयर ऑफ द मैच सूर्यवंशी ने मात्र 42 गेंदों में 11 चौके और 15 छक्के उड़ाते हुए 144 रन ठोके। उन्होंने नमन धीर (34) के साथ दूसरे विकेट के लिए 163 रन की बड़ी साझेदारी की। सूर्यवंशी 13वें ओवर में जब आउट हुए तब भारत का स्कोर 195 रन पहुंच चुका था।

कप्तान जितेश शर्मा ने 32 गेंदों में आठ चौके और छह छक्के उड़ाते हुए नाबाद 83 रन बनाये जिससे भारत 20 ओवर की समाप्ति तक 297 रन पर पहुंच गया।

एन.बी. एकेडमी की एक तरफा जीत में विहान, रोहन व शिरीष चमके

जयपुर, 14 नवम्बर। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित प्रथम श्रीमती मुमताज खान स्मृति अण्डर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज नैना क्रिकेट एकेडमी जगतपुरा में खेले गये मुकाबले में एन.बी. क्रिकेट एकेडमी ने रोहन मीणा 17 रन पर 3 विकेट, शिरीष मीणा 28 रन पर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी के बाद विहान जैन 85 रन नाबाद (69 गेंद, 12 चौके, 2 छक्के), असद 36 रन नाबाद की 140 रन की अविभाजित साझेदारी की बदौलत डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी को 10 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये जय शर्मा 38 रन, तनुज शर्मा 18 रन, शान 13 रन व सम्यक जैन 12 रन की पारियों की बावजूद एन.बी. क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों रोहन मीणा 17 रन 3 विकेट शिरीष मीणा 28 रन पर 3 विकेट, समर्थ सचदेवा 29 रन पर 2 विकेट तथा विहान जैन 22 रन पर 1 विकेट ने शानदार गेंदबाजी करते हुये डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी की पूरी टीम को 26.2 ओवर में 138 रन पर सिमेट दिया। जवाबी पारी में एन.बी. क्रिकेट एकेडमी के दोनों ओपनर विहान जैन 85 रन नाबाद तथा असद 36 रन नाबाद ने शानदार बल्लेबाजी करते हुये 20.5 ओवर में 140 रन की नाबाद साझेदारी निभाकर अपनी टीम को 10 विकेट से एक तरफा जीत दिलाकर महत्वपूर्ण 2 अंक दिलवाये। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच विहान जैन (86 रन व 1 विकेट) एन.बी क्रिकेट एकेडमी रहे।

राजस्थान फुटबॉल संघ के नए कार्यालय का भव्य उद्घाटन

अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल सहित खेल जगत की हस्तियां हुई शामिल

जयपुर, 14 नवम्बर। राजधानी जयपुर के नंदपुरी, हवा सड़क स्थित जीएस अपार्टमेंट में राजस्थान फुटबॉल संघ के नए कार्यालय का भव्य उद्घाटन भारतीय रीति रिवाज से राजस्थान फुटबॉल संघ के अध्यक्ष और पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह जसोल, आरएएस राजेंद्र सिंह सिसोदिया, पचार ग्रुप के जितेंद्र सिंह पचार और यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउंडेशन के डायरेक्टर ब्रिगेडियर जे एस शेखावत के कर कमलों द्वारा किया गया। संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि संघ का कार्यालय आधुनिक सुविधाओं से युक्त है तथा स्थाई कार्यालय होने से खिलाड़ियों को भी किसी भी कार्य के लिए सुविधा रहेगी, कार्यालय से पूरे राजस्थान में फुटबॉल की गतिविधियों को संचालित किया जाएगा । आज के समारोह में महेंद्र बिजारणियां, सुनील राव, कृष्ण अवतार शर्मा, मांगीलाल काबरा, रफीक अहमद सिंधी, डॉ. दिनेश सिंह चौहान, मानवेंद्र सिंह राघव,गुरमीत मान, आसिफ अली, जसवंत सिन्हा, अब्दुल जब्बार, मीनू सोलंकी, सतीश जांगिड़, हरिराम डारा, मनोज शर्मा, डॉ चुंडावत, नरेंद्र सिंह राठौड़ सहित फुटबॉल से जुड़ी कई हस्तियां शामिल हुई।

ऑक्सफोर्ड गोल्फ कोर्स में चमकी शिक्षा जैन, ऑल एज वर्ल्ड रैंकिंग में दूसरे स्थान पर रहीं

पुणे, 14 नवंबर। बाल दिवस के खास मौके पर भारत की उभरती हुई गोल्फ स्टार शिक्षा जैन ने अपनी प्रतिभा और जज़्बे से पूरे देश को गर्व महसूस कराया। 11 से 14 नवंबर तक ऑक्सफोर्ड गोल्फ रिज़ॉर्ट, पुणे में आयोजित आईजीयू महाराष्ट्र लेडीज़ एवं जूनियर गर्ल्स गोल्फ चैंपियनशिप में शिक्षा ने जबरदस्त खेल का प्रदर्शन किया। जहाँ कई खिलाड़ी चुनौतीपूर्ण हिल कोर्स की कठिनाइयों से जूझते दिखे, वहीं शिक्षा ने कमर दर्द और पुराने कंधे की चोट के बावजूद धैर्य और मानसिक मजबूती का अद्वितीय उदाहरण पेश किया। पहला दिन: 2 ओवर पार, दूसरा दिन: 4 ओवर पार, अंतिम दिन: 2 ओवर पार, परंतु निर्णायक क्षणों में 16वें होल पर ईगल और 17वें होल पर बर्डी, जिसने दर्शकों और विशेषज्ञों को चौंका दिया। इस साहसी वापसी ने उन्हें ऑल एज वर्ल्ड एमेच्योर गोल्फ रैंकिंग में दूसरा स्थान दिलाया। वह केवल गुंतास से पीछे रहीं और कई वरिष्ठ और अनुभवी खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। शिक्षा जैन, जो वर्तमान में पद्मश्री और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोच जेसी ग्रेवाल से प्रशिक्षण ले रही हैं, ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह भारत की ओलंपिक की उम्मीद बन सकती हैं। उसने सिर्फ गोल्फ नहीं खेला, बल्कि दिल और जज़्बे से खेला।

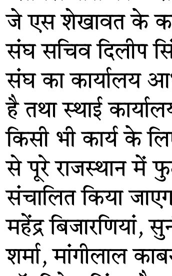

धीरज और अंकिता ने रिकर्व स्पर्धाओं में जीते स्वर्ण

ढाका, 14 नवंबर। धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भकत ने शुक्रवार को बांग्लादेश के ढाका में एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप 2025 में रिकर्व स्पर्धाओं में भारत के शानदार प्रदर्शन का प्रमाण देते हुए व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीते।

पिछले साल, दोनों ने पेरिस 2024 में मिश्रित टीम रिकर्व स्पर्धा में चौथा स्थान हासिल किया था, जो ओलंपिक में तीरंदाजी में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। भारत ने अंतिम दिन रिकर्व तीरंदाजी में पांच पदक जीते, जिनमें दो व्यक्तिगत खिताब और पुरुष टीम का खिताब शामिल है। राहुल ने पुरुषों की व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता, जबकि संगीता ने ढाका के राष्ट्रीय स्टेडियम में महिलाओं की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

महिला रिकर्व फाइनल में, अंकिता भक्त ने पेरिस 2024 व्यक्तिगत रजत पदक विजेता कोरिया गणराज्य की नाम सु-ह्योन को 7-3 के स्कोर से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

इससे पहले, अंकिता ने शीर्ष वरीयता प्राप्त दक्षिण कोरिया की जंग मिन्ही को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जहां उन्होंने चार बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी को शूट-ऑफ में हराया। इसके बाद संगीता ने दीपिका को एक और शूट-ऑफ में हराकर कांस्य पदक हासिल किया।

जय भारती क्रिकेट अकादमी को हराकर यति क्रिकेट अकादमी पहुंची फाइनल में

जयपुर, 14 नवम्बर। अंडर-14 पिंकसिटी कप में यति क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 282 रन 3 विकेट के नुकसान पर बनाएं। भव्यम जैन ने नाबाद 164 और जय प्रताप ने 57 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जय भारती क्रिकेट एकेडमी 15 ओवर में 101 रन पर ऑल आउट हो गई। रेयान ने सर्वाधिक 46 रनों का योगदान दिया। यति क्रिकेट अकादमी की ओर से सौम्या खांडल ने 5 और हिमांशु सिंह ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच भव्यम जैन को चुना गया।

ईशा ने जीता व्यक्तिगत विश्व चैम्पियनशिप पदक

नयी दिल्ली, 14 नवम्बर। पूर्व एशियाई, मिक्स्ड टीम और जूनियर विश्व चैम्पियन ईशा सिंह ने शुक्रवार को काहिरा के ओलंपिक शूटिंग रेंज में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल ओलंपिक स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपने शानदार करियर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की। ईशा ने फाइनल में 30 अंक बनाए और चीन की इन-फॉर्म याओ कियानशुन (38, रजत) और कोरिया की मौजूदा ओलंपिक चैम्पियन यांग जीइन (40, स्वर्ण) के पीछे तीसरे स्थान पर रहीं।

रोनाल्डो को रेड कार्ड, फुटबॉल जगत में मचा बवाल

विश्व कप में खेलने पर मंडराया प्रतिबंध का खतरा

डबलिन, 14 नवम्बर। डबलिन में खेले गए मुकाबले में पुर्तगाल की टीम को एक ऐसा झटका लगा जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी। मौजूद जानकारी के अनुसार वर्ल्ड कप 2026 की रेस में आगे बढ़ने की उनकी कोशिश आयरलैंड के खिलाफ 0-2 की हार के बाद रुक गई है। बता दें कि पहले हाफ में ट्रॉय पारट ने दो गोल दागकर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया हैं।

शुरुआत में पुर्तगाल ने लगभग 80 बॉल पज़ेशन के साथ दबदबा जरूर दिखाया, लेकिन गोल के सामने वे कोई खास मौका नहीं बना पाए हैं। दूसरी ओर, आयरलैंड ने अपनी तेज और लंबी गेंदों से पुर्तगाल की हाई डिफेंस लाइन पर लगातार दबाव बनाया हैं। इसी बीच एक बैक पास की गलती ने पुर्तगाल को मुश्किल में डाला और अगले ही पल कॉर्नर से पारट ने पहला गोल कर दिया हैं।

पहले हाफ के अंत से ठीक पहले पारट ने एक और शानदार गोल दागकर बढ़त 2-0 कर दी हैं। गौरतलब है कि पुर्तगाल के डिफेंडर्स इस दौरान कई बार दबाव में आते दिखे हैं और आयरलैंड के फॉरवर्ड उनकी हर गलती भांपते रहे हैं। दूसरे हाफ में पुर्तगाल ने फिर से पजेशन तो रखा, लेकिन खेल में बिखराव साफ नजर आया हैं। सबसे ज्यादा निराश क्रिस्टियानो रोनाल्डो दिखे, जो अपने साथियों से लगातार नाराजगी जताते दिखे हैं। हालात तब और बिगड़े जब रोनाल्डो ने डारा ओ'शे को कोहनी मार दी। वीएआर की जांच के बाद उन्हें सीधे रेड कार्ड दिखा दिया गया हैं। मैदान से बाहर जाते समय उन्होंने दर्शकों की ओर रोते चेहरे जैसा इशारा भी किया हैं।

रोनाल्डो के बाहर जाने के बाद भी पुर्तगाल के खेल में कोई तेज़ी नहीं आई और वे सिर्फ दूर से शॉट मारते रह गए हैं। आयरलैंड की मजबूत डिफेंस लाइन ने हर कोशिश नाकाम कर दी हैं। केवल गोंसालो रामोस का एक वॉली शॉट ही ऐसा था जिसने आयरलैंड के गोलकीपर केलाहर को थोड़ी मेहनत करवाई हैं। बता दें कि अब पुर्तगाल को अगले मुकाबले में आर्मेनिया को हराना ही होगा, तभी वे अगले साल के वर्ल्ड कप में जगह पक्की कर पाएंगे। दूसरी ओर, यह जीत आयरलैंड के लिए बेहद ऐतिहासिक मानी जा रही हैं। कुल मिलाकर, पुर्तगाल का खेल कई सवाल छोड़ गया हैं चाहे वह डिफेंस की गलतियां हों, टीम की धीमी गति हो या फिर कप्तान रोनाल्डो का गुस्सा। आने वाले महत्वपूर्ण मुकाबलों से पहले टीम को काफी कुछ ठीक करना होगा।

मनु गंडास ने तीन-तरफ़ा प्लेऑफ में जीता खिताब

चंडीगढ़, 14 नवंबर। चंडीगढ़ गोल्फ क्लब में खेले गए पहले एक करोड़ रुपये के ट्राइडेंट ओपन में मनु गंडास ने एक ओवर 73 के साधारण अंतिम राउंड के बावजूद वापसी की और तीन-तरफ़ा प्लेऑफ में अपना धैर्य बनाए रखते हुए जीत हासिल की।

गुरुग्राम के मनु (66-73-69-73), पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट के लीडर और स्थानीय खिलाड़ी युवराज संधू (72-69-70-70) और इक्कीस वर्षीय शुभम जगलान (71-69-71-70), जिन्होंने इसी हफ़्ते पीजीटीआई में पदार्पण किया, ने नियमित 72 होल के अंत में सात-अंडर 281 के बराबर स्कोर के साथ मैच को प्लेऑफ में पहुंचाया।

विश्व कप के लिए जूनियर पुरुष हॉकी टीम घोषित

नयी दिल्ली, 14 नवंबर। हॉकी इंडिया ने बहुप्रतीक्षित एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु 2025 के लिए 18 सदस्यीय भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम की शुक्रवार को घोषणा की। यह टूर्नामेंट 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में आयोजित होगा।

बंगलादेश ने आयरलैंड को पारी से हराया

सिलहट, 14 नवंबर। बंगलादेश ने सिलहट में पहले टेस्ट में आयरलैंड के खिलाफ एक पारी और 47 रनों से शानदार जीत दर्ज की। महमूदुल हसन जॉय के 171 और नजमुल हुसैन शान्तो के 100 रनों की बदौलत बांग्लादेश ने 8 विकेट पर 587 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। गेंदबाज़ों के सामूहिक प्रयास से आयरिश टीम दो पारियों में 286 और 254 रनों पर ऑल आउट हो गई।

टेस्ट के चौथे दिन दोनों टीमें बांग्लादेश की मजबूत पकड़ के साथ उतरीं, उन्हें जीत के लिए सिर्फ़ पांच विकेट चाहिए थे। स्पिनरों को मिल रहे टर्न के बावजूद, आयरलैंड ने दिन के दूसरे ओवर में एक छक्का और एक चौका लगाकर अच्छी शुरुआत की। एंडी मैकब्राइन का कैच 8 रन पर छूटा, लेकिन ताइजुल इस्लाम ने मैथ्यू हम्फ्रीज को आउट कर मेजबान टीम का स्कोर सिर्फ़ 116 रन पर छह विकेट पर पहुंचा दिया।

आयरिश टीम ने हार नहीं मानी। मैकब्राइन और कप्तान एंड्रयू बालब्रिनी ने मिलकर 66 रनों की साझेदारी की, जिसमें ख़ास तौर पर एंड्रयू बालब्रिनी ने स्वीप शॉट लगाकर अच्छा प्रदर्शन किया। मैकब्राइन दो डीआरएस कॉल से बच गए और दोनों ने मेहमान टीम का स्कोर 150 के पार पहुंचा दिया। जब आयरलैंड की स्थिति अच्छी हो रही थी, तभी बलबर्नी एलबीडब्ल्यू आउट हो गए और हसन मुराद के जरिए मेजबान टीम को मौका मिल गया। मैकब्राइन ने धैर्य की पारी खेलते हुए लंच के समय अपना पांचवां टेस्ट अर्धशतक पूरा किया।

ब्रेक के बाद, मैकब्राइन नए सत्र की दूसरी ही गेंद पर पुल करने की कोशिश में मिड-विकेट पर आउट हो गए। जॉर्डन नील ने तीन तेज चौके लगाए और फिर बैरी मैकार्थी के साथ मिलकर मुराद की गेंद पर 17 रन बटोरे। मुराद ने 36 रनों की मनोरंजक पारी खेलने वाले नील का विकेट लिया, जिसके बाद ताइजुल ने मैकार्थी का विकेट लेकर जीत पक्की कर दी।

अबू धाबी में 16 दिसंबर को होगी आईपीएल नीलामी

अबू धाबी, 14 नवम्बर। आईपीएल 2026 का ऑक्शन 16 दिसंबर को अबू धाबी में होगा। यह लगातार तीसरा साल होगा जब आईपीएल ऑक्शन विदेश में आयोजित किया जाएगा।

2024 पहला ऐसा साल था, जब ऑक्शन भारत के बाहर (दुबई में) आयोजित किया गया था। इसके बाद नवंबर 2024 में जेद्दाह में 2025 सीजन के लिए दो दिन का मेगा ऑक्शन हुआ था।

सभी मिनी ऑक्शनों की तरह 2026 का ऑक्शन भी एक ही दिन का होगा। फ़िलहाल सभी फ्रेंचाइज़ी अपनी 2025 की टीमों से किन खिलाड़ियों को रिलीज करना है, यह तय करने में जुटी हैं। आईपीएल ने 10 टीमों के लिए रिलीज लिस्ट को अंतिम रूप देने की डेडलाइन 15 नवंबर को शाम 3 बजे (भारतीय समय) तय की है। इसके बाद उन्हें खिलाड़ियों की सूची भेजी जाएगी, जिसमें से वे अपने शॉर्टलिस्टेड खिलाड़ी चुन सकेंगी। उसी लंबी सूची को छांटकर आईपीएल अंतिम ऑक्शन पूल तैयार करेगा।

ट्रेडिंग विंडो आईपीएल 2025 के ख़त्म होने के बाद खुली थी। ऑक्शन से एक हफ़्ते पहले तक खुली रहेगी और फिर आईपीएल 2026 की शुरुआत से एक महीने पहले तक फिर से सक्रिय होगी। हालांकि 2026 ऑक्शन में खरीदे गए किसी खिलाड़ी को आगे ट्रेड नहीं किया जा सकेगा।

अब तक पांच टीमों के बीच चार ट्रेड डील्स की पुष्टि हो चुकी है। इनमें आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा प्लेयर ट्रांसफर भी शामिल है, जिसमें पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को राजस्थान रॉयल्स से ट्रेड किया है। बदले में राजस्थान ने ऑलराउंडर जोड़ी रवींद्र जडेजा और सैम करन को अपनी टीम में शामिल किया है।

दिया कुमारी ने वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन का टी-शर्ट और मेडल का अनावरण किया

जयपुर, 14 नवंबर। जयपुर शहर 30 नवंबर को 10वीं वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। वेदांता की अगुवाई में और फिनोवा कैपिटल द्वारा आयोजित इस मैराथन की थीम है, जो भारत में भूख और कुपोषण से नन्द घर के माध्यम से लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है, जो वेदांता की अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की प्रमुख सामाजिक प्रभाव परियोजना है।

आज राजस्थान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मैराथन का टी-शर्ट और फिनिशर मेडल का अनावरण किया। अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की अध्यक्ष रितु झिंगन और मैराथन रनर, डॉ. मनोज सोनी भी इस अवसर पर मौजूद थे। मैराथन पर बोलते हुए, वेदांता लिमिटेड की गैर-कार्यकारी निदेशक और हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड की अध्यक्ष प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा, ''वेदांता पिंक सिटी हाफ मैराथन केवल एक मैराथन नहीं है, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन और उद्देश्य का जश्न है। हमारी 10वीं संस्करण में, भारत और विदेशों से 15,000 से अधिक धावक अभियान का समर्थन करने के लिए एकजुट हो रहे हैं, जो एक स्वस्थ और पोषण युक्त भविष्य की ओर सामूहिक आंदोलन बन रहा है। हर कदम हमें एक स्वस्थ, खुशहाल और सुदृढ़ राष्ट्र की ओर ले जाता है।'' इस अवसर पर फिनोवा कैपिटल के संस्थापक, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहित साहनी ने समाज के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए ज़ीरो हंगर जैसे नेक उद्देश्य के प्रति समर्पण का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री आज डूंगरपुर में 87 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयन्ती पर वे किसानों व विद्यार्थियों को 264 करोड़ की राशि ट्रांसफर करेंगे

जयपुर, 14 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर डूंगरपुर में मनाए जाने वाले राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह में शामिल होंगे। शर्मा इस अवसर पर जनजातीय समुदायों के विकास एवं कल्याण के लिए 62 करोड़ रुपये की लागत के 31 कार्यों का शिलान्यास तथा 25 करोड़ रुपये की लागत के 31 कार्यों का लोकार्पण करेंगे। वहीं, किसानों एवं जनजातीय छात्र-छात्राओं को कुल 204 करोड़ की राशि डीबीटी करेंगे। मुख्यमंत्री इस अवसर पर गुजरात में आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रीय कार्यक्रम में वीसी के माध्यम से जुड़ेंगे।

मुख्यमंत्री आरकेसीएल द्वारा जनजाति युवाओं को कम्प्यूटर में दक्ष बनाने के लिए उदयपुर, डूंगरपुर एवं बांसवाड़ा में 3 प्रशिक्षण केन्द्रों पर आरएस-सीआईटी कोर्स का शुभारम्भ करेंगे। वहीं, जनजाति भवन जयपुर में आईआईटी-जेईई, नीट प्रवेश परीक्षाओं व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए 60 छात्राओं के आवासीय बैच की भी शुरूआत करेंगे। मुख्यमंत्री इस दौरान 12 हजार जनजाति छात्र-छात्राओं को पोशाक, स्टेशनरी एवं अन्य सामग्री के लिए 4 करोड़ 8 लाख रुपये की राशि हस्तांतरित करेंगे। शर्मा रबी 2025-26 के लिए 50 हजार जनजातीय कृषकों को 3 करोड़ 14 हजार रुपये की लागत के निःशुल्क हाईब्रिड सब्जी बीज मिनिकिट प्रदर्शन एवं जैविक आदान का वितरण भी करेंगे। शर्मा कृषि एवं उद्यान विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थी किसानों को 200 करोड़ की अनुदान राशि डीबीटी करेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आईआईटी जेईई, नीट आदि प्रवेश परीक्षाओं व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए जनजाति की 60 छात्राओं के आवासीय बैच का शुभारंभ भी करेंगे।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर कार खाई में गिरी, 5 की मौत

रतलाम, 14 नवंबर। मध्य प्रदेश में शुक्रवार सुबह एक ऐसा सड़क हादसा हुआ, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार कार गहरी खाई में गिर गई, जिससे कार में सवार पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मरने वालों में एक 15 साल का किशोर भी शामिल था। हादसा इतना भयावह था कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर चकनाचूर हो गई।

शुक्रवार सुबह करीब 7:30 बजे रावटी थाना क्षेत्र के भीमपुरा गांव के पास यह हादसा हुआ। बताया गया कि कार दिल्ली से मुंबई की तरफ जा रही थी। अचानक कार अनियंत्रित हो गई और तेज रफ्तार होने के कारण, एक्सप्रेस-वे की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे खाई में जा गिरी।

- ड्राइवर को झपकी आने से तेज रफ्तार कार रेलिंग तोड़ते हुए खाई में गिरी।

शुरुआती जानकारी में यह बात सामने आई है कि ड्राइवर, झपकी आने से वाहन नियंत्रण खो बैठा, जिसके कारण यह दुखद घटना हुई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और छत तक फट गई। टक्कर के प्रभाव से नंबर प्लेट सहित कई हिस्से दूर जाकर गिरे।

अंता में वसुंधरा का अहम और पूर्व विधायक मीणा की कार्यशैली भाजपा को ले डूबी

पूर्व विधायक मीणा की कार्यशैली का नुकसान निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा को भी उठाना पड़ा

-कार्यालय संवाददाता-

कोटा, 14 नवम्बर (कासं)। अंता विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया ने 69,462 मत प्राप्त करके भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन पर 15,612 मतों से जीत हासिल की है। भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन को 53,959 मत प्राप्त हुए तथा निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा 53,800 मत प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहे। भाजपा और निर्दलीय प्रत्याशी के मध्य मात्र 159 मतों का अंतर रहा।

निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने एक बार चौथे राउंड में जरूर कांग्रेस प्रत्याशी भाया पर लीड बनाई, परंतु भाजपा एक बार भी कांग्रेस पर बढ़त नहीं बना पाई। भाजपा की इस करारी हार के लिए पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के अहम् और पूर्व विधायक कंवरलाल मीणा की कार्यशैली को महत्वपूर्ण माना जा सकता है।

पूर्व विधायक कंवरलाल मीणा को वसुंधरा राजे का संरक्षण प्राप्त था तथा वसुंधरा की राय पर ही उन्हें 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अंता से प्रत्याशी बनाया था। बताया जा रहा है कि कंवरलाल मीणा ने चुनाव जीतकर अपने विधानसभा क्षेत्र में इस तरह की दबंगई दिखाई कि अन्य जातियों का मतदाता सहमा सा रहने लगा। इस बीच, कंवरलाल मीणा की विधानसभा सदस्यता चली गई और उपचुनाव की घोषणा हो गई। डरे, सहमे मतदाताओं ने साइलेंट रह कर मतदान किया, जो कांग्रेस के पक्ष में गया। मीणा समाज के मतदाताओं को छोड़कर अन्य समाज के मतदाता अपने क्षेत्र में पुनः मीणा विधायक नहीं देखना चाहते थे, क्योंकि पूर्व विधायक कंवरलाल मीणा को लेकर उनका अनुभव अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में नरेश मीणा अन्य समाजों का निर्णायक मत प्राप्त करने में सफल नहीं हो पाए।

- अंता में भाजपा का पारंपरिक मतदाता (नागर, धाकड़ और बंजारा) भी विमुख हुआ।
- कांग्रेस के भाया 15,000 से अधिक मतों से चुनाव जीते, भाजपा (दूसरे) और निर्दलीय (तीसरे) स्थान के मध्य मात्र 159 मतों का अंतर रहा।

वसुंधरा राजे ने अपने अहम् के चलते नागर-धाकड़ समाज के हाड़ौती में सबसे बड़े नेता और मंत्री हीरालाल नागर को कैंपेनिंग के लिए नहीं आने दिया, क्योंकि मंत्री नागर कोटा के एक बड़े नेता के करीबी हैं, जिन्हें वसुंधरा पसंद नहीं करतीं।

हीरालाल नागर को कैंपेनिंग से दूर करने के कारण अंता में तीसरे बड़े नागर-धाकड़ समाज के मतदाताओं ने भाजपा के प्रति अपनी नाराजगी दिखाई। नागर-धाकड़ भाजपा का परंपरागत वोटर होने के बावजूद, भाजपा के समर्थन में नहीं आया। इसी तरीके से हाड़ौती और प्रदेश के बड़े दलित नेता मंत्री मदन दिलावर जो हाड़ौती के ही हैं, उन्हें भी कैंपेनिंग से दूर रखा गया। वसुंधरा राजे उनसे भी नाखुश सी रहती हैं। अंता विधानसभा में मीणा समाज के मतदाता बहुतायत में होने के बावजूद, मीणा समाज के सबसे बड़े नेता किरोड़ी लाल मीणा की भी उपचुनाव में एंट्री नहीं हो पाई। वसुंधरा राजे से उनकी अदावत पुरानी है।

निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने पूरा चुनाव कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भैया को टारगेट करके लड़ा, परंतु नुकसान उन्होंने भाजपा को अधिक पहुंचाया है।

मैथिली ठाकुर ने सबसे कम उम्र में विधायक बनने का कीर्तिमान बनाया

गायिका मैथिली मात्र 25 साल 3 माह 20 दिन की उम्र में अली नगर सीट से विधायक निर्वाचित हुईं

पटना, 14 नवंबर। बिहार की जानी-मानी गायिका मैथिली ठाकुर ने महज 25 साल तीन महीने 20 दिन की उम्र में चुनाव जीतकर देश में सबसे कम उम्र में विधायक चुने जाने का रिकॉर्ड कायम किया है।

मधुबनी जिले के बेनीपट्टी में 25 जुलाई 2000 को जन्मी मैथिली ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से ठीक पहले भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और अलीनगर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल के बिनोद मिश्रा को 11,730 मतों से पराजित किया।

इसके साथ ही मैथिली ने देश के इतिहास में सबसे युवा विधायक चुने जाने का गौरव हासिल किया। मैथिली को 84,915 और मिश्रा को 73,185 मत मिले।

- मैथिली हिन्दी, भोजपुरी, मैथिली, अवधि आदि भाषाओं में मुख्यतः लोक गीतों के लिये जानी जाती हैं। यूट्यूब व सोशल मीडिया के माध्यम से उन्होंने लोकप्रियता प्राप्त की है।

मैथिली हिंदी, भोजपुरी, मैथिली, अवधि और अन्य भाषाओं में मुख्यतः लोकगीतों के लिए जानी जाती हैं। यू-ट्यूब और सोशल मीडिया के माध्यम से देश और दुनिया में अपनी गायकी की पहचान स्थापित करने वाली मैथिली को भाजपा ने उनकी लोकप्रियता को देखते हुए टिकट दिया था और उनकी जीत ने इस पर मुहर लगायी।

मौजूदा विधायकों में मैथिली से पहले तेलंगाना कांग्रेस के मिनमपल्ली रोहित के नाम सबसे कम उम्र में विधायक चुने जाने की उपलब्धि थी जो 26 साल की उम्र में विधायक बने थे।

बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम, 2025

क्र.सं.	पार्टी	परिणाम
1	भाजपा	89
	जदयू	85
	सहयोगी	28
	एनडीए	**202**
2	राजद	25
	कांग्रेस	6
	सहयोगी	4
	महागठबंधन	**35**
3	जनसुराज	0
4	अन्य	6

सुधांश पंत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुधांश पंत को 31 अक्टूबर 2023 को मुख्य सचिव के पद पर नियुक्ति दी गई थी। गत 1 जनवरी 2024 को उन्होंने राजस्थान में पद संभाला था, वे 22 महीने 10 दिन मुख्य सचिव रहे।

बताया जा रहा है कि, राज्य सरकार ने आईएएस वी. श्रीनिवास के नाम पर मुहर लगाते हुए केंद्र सरकार को 1 दिन पहले ही प्रस्ताव भेजा था। जिसके बाद केंद्र सरकार ने वी.श्रीनिवास को राजस्थान के लिए कार्यमुक्त कर दिया। वे पिछले 7 सालों से केंद्र सरकार में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

- निवर्तमान मुख्य सचिव केन्द्र में कैबिनेट सैक्रेटेरियट में ओएसडी नियुक्त हुए हैं।

बिलाड़ा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दोस्त को सफाईकर्मी के पद के लिए नियुक्ति देने के लिए 50 हजार से 1 लाख रूपए तक की माँग सीएमएचओ जोधपुर ग्रामीण डॉक्टर मोहनदान देथा के लिए की जा रही है। शिकायत पर एसीबी जोधपुर डीआईजी भुवन भूषण यादव के सुपरविजन में एएसपी चक्रवर्ती सिंह राठौड़ के नेतृत्व में मय जाब्ता के ट्रेप कार्यवाही करते हुए डॉक्टर बुधराज बिश्नोई 3.70 लाख की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ और अग्रिम कार्रवाई जारी है।

नीतीश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"सुशासन बाबू" के रूप में मशहूर नीतीश कुमार को उनके अनुशासित प्रशासन की पुरानी छवि से बड़ा लाभ मिला। राजनैतिक रूप से पाले (गठबंधन) बदलते रहने के बावजूद, जनता ने उन्हें कानून-व्यवस्था और स्थिर शासन के लिए एक भरोसेमंद विकल्प माना।

कांग्रेस अभी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नाम वोटर सूची से हटाए गए। देशभर से लोगों को वोट डालने के लिए बिहार भेजा गया। भाजपा नेताओं ने बिहार के प्रवासी मतदाताओं को लाने के लिए ट्रेनें चलवाई, सफ़र का खर्च उठाया और फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया।

कांग्रेस का यह भी आरोप है कि चुनाव आयुक्त तब भी चुप रहे, जब चुनाव प्रचार के बीच 1 करोड़ महिला मतदाताओं को 10,000 रुपये दिए गए, जो चुनाव आयोग के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन था।

क्या यह लोकतंत्र का अपहरण करने की कोशिश है? क्या लोगों को यह समझने की ज़रुरत है कि बिहार का यह नतीजा देश के लिए क्या संकेत देता है और आगे देश के बाकी हिस्सों पर इसका प्रभाव हो सकता है?

राहुल गांधी ने चुनाव से पहले ही वोट चोरी का मुद्दा उठाया था और यह भी कहा था कि जिस तरह से चुनाव आयुक्त भाजपा और एनडीए को नाजायज़ तरीकों से सत्ता में लाने के लिए मदद कर रहे हैं, उसके कारण वे (राहुल) चुनाव हार जाएंगे।

बिहार चुनाव के संचालन और एनडीए की जीत पर जहाँ बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं, वहीं राहुल गांधी के नेतृत्व पर भी गंभीर सवालिया निशान लगा है। भाजपा के लिए अगला लक्ष्य पश्चिम बंगाल है, जहाँ वह किसी भी कीमत पर सत्ता हासिल करने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गंगा बिहार से पश्चिम बंगाल की ओर बहती है। यह साफ संकेत है कि अब राजनीतिक लड़ाई बंगाल में जमने वाली है, जहाँ भाजपा किसी भी कीमत पर सत्ता हथियाने के लिए कटिबद्ध है।

राज्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत ने कहा कि परिसीमन की कार्रवाई तीन सदस्यीय राज्य स्तरीय कमेटी के जरिए करायी जाये। इसके लिए कमेटी जिला कलेक्टर की ओर से भेजे प्रस्ताव पर कार्रवाई करेगी। वहीं अदालत ने मामले में परिसीमन को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करते हुए, दखल देने से इनकार कर दिया है। इसके अलावा, अदालत ने प्रधान और सरपंचों को हटाकर प्रशासक लगाने के खिलाफ दायर याचिकाओं को भी खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि परिसीमन की कार्रवाई को पुनः चुनौती नहीं दी जा सकती है। सुनवाई के दौरान, अदालत ने महाधिवक्ता से पूछा कि परिसीमन के कितने दिन में चुनाव करा लिए जाएंगे, क्योंकि परिसीमन के बाद चुनाव कराने में ढील नहीं दी जा सकती।

दिल्ली कार बम धमाके में नूंह के दो डॉक्टर गिरफ्तार

अल-फलाह युनिवर्सिटी की जमीन व प्रशासनिक रिकॉर्ड की विस्तृत जांच शुरु

चंडीगढ़ , 14 नवंबर। राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के पास हुए कार बम धमाके मामले में जांच एजेंसियों ने हरियाणा के नूंह जिले से दो डॉक्टरों को हिरासत में लिया है। साथ ही अल-फलाह यूनिवर्सिटी की जमीन और प्रशासनिक रिकॉर्ड की विस्तृत पड़ताल भी शुरू कर दी गई है।

जांच से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, दोनों युवक हाल ही में यूनिवर्सिटी के मेडिकल विंग से जुड़े थे। उनके मोबाइल फोन से मिले कुछ डेटा में संदिग्ध बातचीत के संकेत मिलने के बाद उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि बरामद डिजिटल सामग्री की अभी तकनीकी जांच जारी है।

पहचाने गए युवकों में से एक मुस्ताकिम, नूंह के सुन्हेड़ा गांव का रहने वाला है। वह चीन से एमबीबीएस कर भारत लौटा था और यहां इंटर्नशिप कर रहा था। परिजनों के अनुसार, वह नौ नवंबर को दिल्ली में नौकरी से जुड़ी परीक्षा देने गया था। अगले दिन देर रात एजेंसियों ने गांव पहुंचकर उसे पूछताछ के लिए साथ लिया। परिवार का कहना है कि उसकी सामान्य फोन बातचीत को गलत तरीके से संदिग्ध माना गया है।

दूसरा युवक मोहम्मद, अहमदवास गांव का रहने वाला बताया गया है। उसने करीब छह माह पहले एमबीबीएस पूरा किया था और यूनिवर्सिटी अस्पताल में इंटर्न के तौर पर काम कर रहा था। 15 नवंबर को उसकी औपचारिक ज्वाइनिंग होनी थी, लेकिन कॉल रिकॉर्ड की जांच के बाद उसे भी इस सप्ताह हिरासत में ले लिया गया। इसके समानांतर, शुक्रवार को अल-फलाह यूनिवर्सिटी और उसके मेडिकल कॉलेज में सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया गया। परिसर में प्रवेश केवल पहचान सत्यापन के बाद ही हो रहा है, जबकि कई ब्लॉकों में आवाजाही सीमित कर दी गई है।

- अल-फलाह यूनिवर्सिटी व मेडिकल कॉलेज में सुरक्षा घेरा बढ़ा। केवल पहचान सत्यापन के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। कई ब्लॉकों में आवाजाही सीमित की।

इसी दौरान, फरीदाबाद जिला प्रशासन ने यूनिवर्सिटी की करीब 78 एकड़ जमीन का विस्तृत सर्वे शुरू किया है। राजस्व विभाग की टीमें निर्माण संरचनाओं, खाली पड़े हिस्सों, पुराने भूमि सौदों और उनसे जुड़े वित्तीय दस्तावेजों की जांच कर रही हैं, ताकि मंजूरशुदा उपयोग और वास्तविक स्थिति का मिलान किया जा सके।

जांचकर्ता यह भी पड़ताल कर रहे हैं कि हिरासत में लिए गए दोनों डॉक्टरों का किसी अन्य संदिग्ध उमर नबी से कोई संपर्क था या नहीं, जो कथित तौर पर धमाके वाले दिन नूंह से दिल्ली आया था। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह जांच अभी शुरुआती स्तर पर है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब तक की कार्रवाई प्रक्रियात्मक है और अंतिम निष्कर्ष डिजिटल फॉरेंसिक, वित्तीय जांच और एजेंसियों की संयुक्त रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगा। जरूरत पड़ने पर प्रवर्तन निदेशालय भी जांच से जुड़ सकता है।

भारतीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जैसे अंतरराष्ट्रीय सेक्स तस्करी गिरोह से जुड़ाव साबित हुआ, तो इसका असर अत्यंत गंभीर और ज़हरीला हो सकता है। सत्तारूढ़ दल और अन्य राजनीतिक समूह तत्काल कड़ी कार्रवाई की मांग कर सकते हैं।

विधानसभा उपचुनावों में कांग्रेस व भाजपा को दो-दो सीटें मिलीं

पीडीपी, आम आदमी पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा व मिजो नेशनल फ्रंट ने एक-एक सीट जीती

नयी दिल्ली, 14 नवंबर। देश के सात राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर हुए चुनाव में कांग्रेस, भाजपा को दो, आम आदमी पार्टी (आप), जम्मू-कश्मीर पीडीपी, झारखंड मुक्ति मोर्चा और मिजो नेशनल फ्रंट को एक-एक सीट पर जीत हासिल हुयी है। ये उपचुनाव तेलंगाना की जुबली हिल्स, राजस्थान की अंता, पंजाब की तरनतारन, झारखंड की घाटशिला, ओडिशा की नौपाड़ा, मिजोरम की डम्पा तथा जम्मू-कश्मीर की नगरोटा एवं बडगाम सीट पर हुए थे।

इनमें कांग्रेस को जुबली हिल्स और अंता सीटों पर जीत हासिल हुयी, जबकि भाजपा को नगरोटा और नौपाड़ा सीट पर विजय मिली। घाटशिला से झामुमो, बडगाम से जम्मू-कश्मीर पीडीपी, तरनतारन से आम आदमी पार्टी और डम्पा सीट से मिजो नेशनल फ्रंट को जीत मिली है।

- उपचुनावों में कांग्रेस को जहाँ अंता (राजस्थान) व जुबली हिल्स (तेलंगाना) में विजय मिली, भाजपा ने नगरोटा (जम्मू कश्मीर) व नौपाड़ा (ओडिशा) में जीत हासिल की।

कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव ने जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) उम्मीदवार मगंती सुनीता को 24,729 मतों के अंतर से हराया।

राजस्थान की अंता सीट पर कांग्रेस के प्रमोद जैन भाया को 69,571 वोट मिले। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के मोरपाल सुमन को 15,612 मतों से पराजित किया। सुमन को 53,959 वोट मिले।

झारखंड के घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी सोमेश सोरेन ने बड़ी जीत दर्ज की है। उन्हें कुल 104794 वोट मिले, जबकि भाजपा के बाबूलाल सोरेन 66270 मत ही हासिल कर सके। सोमेश सोरेन 38524 वोट के अंतर से जीत हासिल की।

ओडिशा की नौपाड़ा सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जय ढोलकिया ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी घासी राम माझी को 83748 मतों से हराया। जय ढोलकिया को123869 मत मिले, तो कांग्रेस प्रत्याशी को 40121 मत प्राप्त हुए।

मिजोरम में डंपा विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में मिजो नेशनल फ्रंट के डॉ आर ललथांगलियाना ने अपने निकटतम उम्मीदवार जोराम पीपुल्स मूवमेंट के वनलालसेलोबो को 562 मतों से पराजित कर दिया।

पंजाब में तरनतारन विधानसभा सीट के उपचुनाव में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार हरमीत सिंह संधू ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी शिरोमणि अकाली दल की प्रत्याशी सुखविंदर कौर को 12091 मतों से हरा कर सीट को बरकरार रखा। संधू को 42649 को मत मिले, जबकि शिरोमणि अकाली दल की प्रत्याशी सुखविंदर कौर को कुल 30558 वोट मिले।

जम्मू-कश्मीर की नगरोटा विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा की दिव्यरानी राणा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी जम्मू-कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी के उम्मीदवार हर्ष देव सिंह को 24647 मतों से पराजित किया। राणा को कुल 42350 मिले, जबकि सिंह ने कुल 17703 मत हासिल किये। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस यहां पर तीसरे नवंबर पर रही है और उसकी उम्मीदवार शमीम बेगम ने कुल 10872 मत प्राप्त किये।

एक बार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरजेडी के लिए है, जो नतीजों में यह संकेत देख रही है कि पार्टी या तो बहुत कमजोर हो जाएगी या हाशिये पर चली जाएगी। असदुद्दीन ओवैसी ने मुस्लिम बहुल सीमांचल क्षेत्र में 6 सीटें जीतकर आरजेडी के एम-वाई समीकरण को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। उधर यादव वोट बैंक भी टूट गया, क्योंकि ओबीसी और पिछड़ी महिलाएं, जिनमें यादव महिलाएं भी शामिल थीं, एनडीए के साथ चली गईं। इस संकट को और बढ़ाया तेजस्वी परिवार के भीतर के विवाद ने, जो प्रचार के दौरान खुलकर सामने आया। कांग्रेस, जिसने 1 सीट जीती और 5 पर आगे थी, उसे भी अब गंभीरता से सोचना होगा कि उसकी रणनीतियाँ और अभियान असर क्यों नहीं छोड़ पा रहे हैं।

मुख्य आरोपी डॉ. नबी का पुलवामा में घर बम विस्फोट से उड़ाया

सुरक्षा बलों ने विस्फोट से पहले आस-पास के निवासियों को घर खाली करने को कहा था

श्रीनगर, 14 नवंबर। दिल्ली में लाल किला के पास कार बम विस्फोट मामले के मुख्य आरोपी डॉ. उमर नबी के जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में स्थित घर को विस्फोट से उड़ा दिया गया।

अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि दक्षिण कश्मीर के पुलवामा स्थित डॉ. नबी के घर को नियंत्रित विस्फोट के जरिए गुरुवार की देर रात को ध्वस्त किया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके को सील कर दिया था और घर को विस्फोट से उड़ाने से पहले आस-पास के निवासियों को घर खाली करने को कहा गया था।

जांचकर्ताओं ने खुलासा किया था कि डॉ. उमर ने ही सोमवार शाम लाल किले के पास हुए विस्फोट वाली आई-20 कार चलाई थी, जिसमें कई लोगों की जान चली गई थी।

- शीर्ष अधिकारियों के अनुसार इस तरह की कार्यवाही का उद्देश्य स्थानीय युवकों को आतंकवादी समूहों में शामिल होने से हतोत्साहित करना है।

वहीं जम्मू-कश्मीर पुलिस ने घर उड़ाने की घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन शीर्ष अधिकारियों ने कहा है कि इस तरह की कार्रवाई का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को आतंकवादी समूहों में शामिल होने से हतोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि इस कदम का उद्देश्य यह कड़ा संदेश देना है कि आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के गंभीर परिणाम होते हैं, न केवल संबंधित लोगों के लिए, बल्कि उनके परिवारों के लिए भी।

श्रीनगर के सांसद आगा रूहुल्लाह ने घर उड़ाने की निंदा करते हुए कहा कि इस कदम से सजा नहीं मिलेगी, बल्कि यह केवल सामूहिक पीड़ा देगा।

सांसद ने एक्स पर कहा,"कश्मीर की कड़ाके की सर्दी में बिना सबूत/अदालती आदेश या घटना से जुड़े किसी कानून के पूरे परिवार को बेघर करना क्रूरता का काम है।

भू-अभिलेख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसीबी राजसमन्द टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि भू-प्रबंध विभाग द्वारा राजसमंद जिले में चलाये जा रहे पैमाइश कार्य में परिवादी की आराजियात की मौके के हिसाब से पैमाइश की कार्यवाही करने एवं नक्शा शुद्धिकरण करने की एवज में भू-अभिलेख निरीक्षक कमलेश चन्द्र खटीक की ओर से दस लाख रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908